टी बोर्ड ★ भारत
TEA BOARD ★ INDIA

69 वीं वार्षिक रिपोर्ट

69th Annual Report 2022-23

INDIA TEA
World's Gold Standard

DARJEELING · ASSAM · ASSAM ORTHODOX · NILGIRI · NILGIRI ORTHODOX · KANGRA TEA · DOOARS - TERAI · SIKKIM TEA ORGANIC · TRIPURA TEA

© Copyright Tea Board India, 2023

14 बी टी एम सरणी कोलकाता 700 001
14 BTM SARANI KOLKATA 700 001
www.teaboard.gov.in

केवल कार्यालयीन प्रयोग हेतु

टी बोर्ड भारत
वर्ष 2022-23 हेतु
वार्षिक रिपोर्ट

14, बी. टी. एम. सरणी

कोलकाता 700 001

विषय-सूची

बोर्ड की 69वीं वार्षिक रिपोर्ट: 2022-2023

अध्याय सं	विषय	पृष्ठ सं
अध्याय-1	संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य	1-12
अध्याय-2	वैश्विक परिदृश्य में भारतीय चाय	13-16
अध्याय-3	वित्त	17-21
अध्याय-4	चाय विकास	22-60
अध्याय-5	चाय अनुसंधान	61-84
अध्याय-6	चाय संवर्धन	85-116
अध्याय-7	अनुज्ञापन	117-121
अध्याय-8	सांख्यिकी	122-125
अध्याय-9	मानव संसाधन विकास	126-131
अध्याय-10	हिन्दी कक्ष	132-133
अध्याय-11	सतर्कता प्रकोष्ठ एवं सूचना का अधिकार	134-135
अध्याय -12	विधि प्रकोष्ठ	136

अध्याय- 1

स्थापना

संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य

बोर्ड का गठन

चाय अधिनियम 1953 के अनुच्छेद 4 के प्रावधानों के अनुरुप टी बोर्ड की स्थापना 1 अप्रैल 1954 में की गई थी । टी बोर्ड को भारत में चाय उद्योग के समग्र विकास का कार्य प्रभारित किया गया है और यह केन्द्र सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रहा है।

बोर्ड का संगठनः

बोर्ड का गठन अध्यक्ष एवं भारत सरकार द्वारा नियुक्त चाय उद्योग के विभिन्न विभागों से संबन्धित 31 सदस्यों से हुआ है। प्रत्येक तीन वर्ष में बोर्ड का पुर्नगठन होता है। दिनांक 16 अगस्त, 2022 एवं 26 दिसंबर 2022 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान बोर्ड का पुर्नगठन तीन वर्ष की अवधि हेतु किया गया है ।

टी बोर्ड का कार्य

चाय अधिनियम की धारा 10 के तहत वर्णित टी बोर्ड के कार्य व्यापक है एवं संक्षिप्त रुप से इस प्रकार प्रस्तुत है :

1. चाय बागानों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना;
2. चाय की गुणवत्ता में सुधार;
3. लघु चाय कृषकों में सहकारिता प्रयासों का संवर्धन;
4. चाय अनुसंधान एवं विकास को समर्थन;
5. निर्यात एवं घरेलू खपत में वृद्धि हेतु संवर्धन अभियान का निष्पादन;
6. विनियामक कार्य-चाय बागानों, फैक्ट्रियों, प्राथमिक क्रेताओं का पंजीकरण एवं चाय ब्रोकरों, नीलामी संगठनों, निर्यातकों तथा चाय अपशिष्ट डीलरों हेतु अनुज्ञापन जारी करना;
7. स्वास्थ्य, आरोग्य शास्त्र, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में रोपण कर्मियों एवं उनकी संतानों हेतु कल्याणकारी उपाय;
8. चाय आंकड़ों का संग्रहण एवं वितरण; तथा
9. केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी ऐसी अन्य गतिविधियाँ।

प्रशासनिक ढांचाः

चाय नियम, 1954 के नियम 3 के अनुसार बोर्ड का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है । अध्यक्ष गैर-कार्यपालक प्रधान है एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारी है । गुवाहाटी (असम) तथा कुनूर (तमिलनाडु) में स्थित बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में दो कार्यपालक निदेशक तैनात हैं । भारत में बोर्ड के छत्तीस (36) कार्यालय हैं जिसमें मुख्यालय/क्षेत्रीय/आंचालिक/उप-क्षेत्रीय कार्यालय शामिल है तथा विदेश में अर्थात् मॉस्को में एक (01) कार्यालय है ।

टी बोर्ड का प्रशासनिक ढ़ांचा

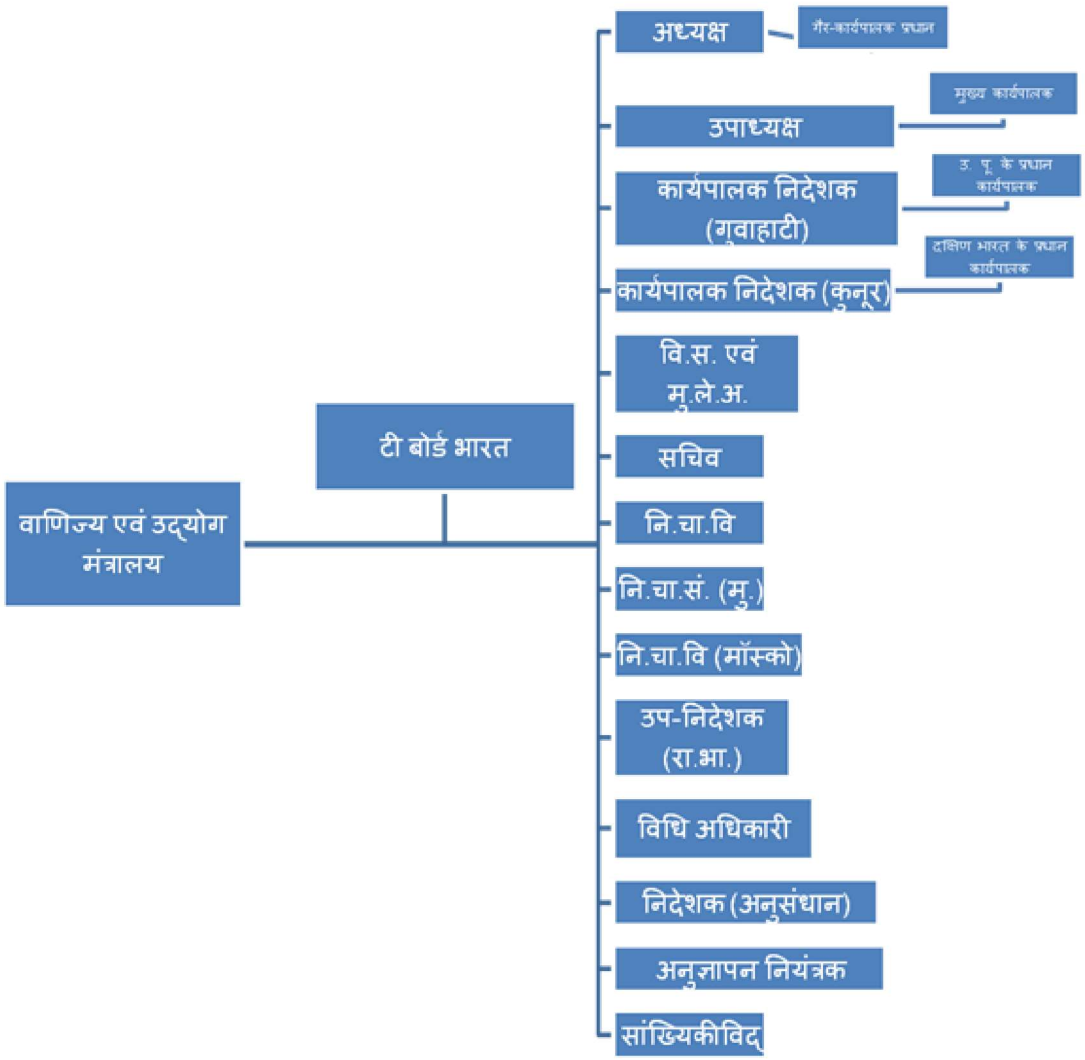

स्थापना विभाग की भूमिका नीति बनाना तथा चाय नियमों के प्रावधानों तथा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग व कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी उप-नियमों, नियमों, आदेशों तथा परिपत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सचिव इस विभाग के प्रधान हैं जिसे सहायक सचिव द्वारा सहायता दी जाती है। यह बोर्ड के कर्मचारियों व अधिकारियों से संबंधित मामलों, सेवा सम्बंधी मामलों, कार्यालयों की स्थापना, जनशक्ति पदों आदि से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है । सचिवालय अनुभाग एवं भंडार शाखा सचिवालय से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है जैसे वीआईपी संदर्भ से संबंधित मामलें, बोर्ड मीटिंग का आयोजन आदि जबकि भंडार शाखा बोर्ड के सभी रिकॉर्ड व सूची रखता है ।

वर्ष 2021 से 2022 तक बोर्ड की बैठक (फरवरी 2022 तक)

रिपोर्टाधीन अवधि (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) के दौरान बैठकों का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नवत है

बोर्ड के बैठक की संख्या	स्थान	दिनांक
248वीं	कोलकाता	28 फरवरी, 2023

टी बोर्ड की जन-शक्ति:

31.03.2023 तक बोर्ड की कुल जनशक्ति 352 थी (इसमें टी बोर्ड से अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर आठ अधिकारी शामिल है)। भारत में बोर्ड के कार्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों की वर्तमान क्षमता का विवरण तालिका-1 में दिया गया है।

तालिका-1

भारत में बोर्ड की समूहवार जनशक्ति 31.03.2023 तक

क्षेत्र	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	कुल
मुख्यालय	14	22	77	113
आंचलिक/क्षेत्रीय/उप क्षेत्रीय कार्यालय	34	75	118	227
टी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी	4*	-	-	4
टी बोर्ड अधिकारी/ अन्य संगठन में प्रतिनियक्ति पर अधिकारी	4	3	1	8
कुल	**56**	**100**	**196**	**352**

*** 04 अधिकारियों की संख्या प्रतिनियुक्ति पर हैं अर्थात उपाध्यक्ष, वि.स एवं मु.ले.अ. व का.नि, गुवाहाटी.**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़े वर्ग 31.03.2023 तक का विवरण :

	अनु जा	अनु जनजा	अ.पि.व	कुल
ग्रुप ए	8	4	17	29
ग्रुप बी	15	4	29	48
ग्रुप सी	35	13	20	68
कुल	**58**	**21**	**66**	**145**

बोर्ड के कर्मचारियों का आयु-वार विवरण (प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को छोड़कर) **31.03.202**3 तक

आयु वर्ग	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	**कुल**
18-30	0	0	01	01
31-40	18	39	41	98
41-50	13	38	52	103
51-60	21	23	102	146
कुल	**52**	**100**	**196**	**348**

* 04 अधिकारियों की संख्या प्रतिनियुक्ति पर हैं अर्थात उपाध्यक्ष, वि.स एवं मु.ले.अ. व का.नि, गुवाहाटी तथा कार्यकारी निदेशक, कूनूर ।

अगले पाँच वित्तीय वर्षों में टी बोर्ड की सेवानिवृत्ति तालिका :

वर्ष	**ग्रुप ए**	**ग्रुप बी**	**ग्रुप सी**	**कुल**
2023-2024	2	7	10	19
2024-2025	3	4	15	22
2025-2026	0	3	13	16
2026-2027	2	2	11	15
2027-2028	5	5	9	19
कुल	**12**	**21**	**58**	**91**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की जन-शक्ति में बदलावः

- **पदोन्नतिः**
- मितव्ययिता उपायों के साथ-साथ प्रशासनिक व्यय को कम करने के अंश के रूप में, रोपण प्रभाग, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने पत्र संख्या 5/1004/2015-प्लांट (समन्वय) दिनांक 22.02.2017 के माध्यम से टी बोर्ड को विभाग के पूर्व अनुमोदन के बिना कोई नई भर्ती और पदोन्नति नहीं करने की सलाह दी है।

अतिरिक्त दायित्व:

- श्री ऋषिकेश राय, उपनिदेशक (राजभाषा) ने 22.12.2018 से सचिव (प्रभारी), टी बोर्ड का अतिरिक्त दायित्व संभाला तथा यह 2019-2020, 2020-2021,2021-2022 व 2022-2023 के दौरान भी जारी।
- श्री ए.जे.राव, सहायक सांख्यिकी अधिकारी ने 14.08.2019 से सांख्यिकीविद् (प्रभारी), टी बोर्ड की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली।
- श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कर, लाइसेंसिंग नियंत्रक को दिनांक 01.12.2017 से सतर्कता अधिकारी के पद पर 19.07.2021 से नामांकित किया गया है।
- सुश्री अरुणिता फुकन यादव आईआरएस (सी एंड सीई:2011) कार्यकारी निदेशक, गुवाहाटी ने दिनांक 01.10.2018 से निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी), टी बोर्ड, कोलकाता का अतिरिक्त प्रभार संभाला। 11.02.2022 और 12.10.2022 से 07.11.2022 तक कार्यकारी निदेशक (प्रभारी), टी बोर्ड, कुन्नूर का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।
- **डॉ. के.एन.राघवन, आईआरएस (सी एंड सीई:90), कार्यकारी निदेशक, रबर बोर्ड, कोट्टायम ने छह महीने की अवधि 04.03.2022 से 02.05.2022 की पूर्वाह्न के लिए टी बोर्ड के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभाला।**
- श्री सौरभ पहाड़ी, आईएएस (डब्ल्यूबी: 2008), ने 02.05.2022 से 01.11.2022 की पूर्वाह्न तक छः महीने की अवधि के लिए टी बोर्ड के अध्यक्ष का अतिरिक्त दायित्व संभाला।
- डॉ.महिपाल सिंह, परियोजना निदेशक ने 07.09.2022 से निदेशक (अनुसंधान) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला।
- श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कर, लाइसेंसिंग नियंत्रक को अपने कर्तव्यों के अलावा 05.01.2023 से बोर्ड के मुख्य कार्यालय, कोलकाता के संबंध में टी बोर्ड की लोक शिकायतों और आरटीआई से संबंधित सभी मामलों से निपटने के लिए लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) के साथ-साथ नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- श्री आशीष देब, सहायक सांख्यिकी अधिकारी ने 06.01.2023 से सहायक सचिव (प्रभारी) और संपदा अधिकारी (प्रभारी), टी बोर्ड की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली।

- श्री सुब्रत बनर्जी, सिस्टम विश्लेषक को सरकारी भूमि सूचना प्रणाली (जीएलआईएस) पोर्टल पर टी बोर्ड की संपत्तियों का विवरण 21.02.2023 से नियमित आधार पर अपलोड करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े समुदायों, विकलांग व्यक्तियों और पूर्व सैनिकों की श्रेणियों के लिए 09.03.2023 से संपर्क अधिकारियों का पुनर्गठन किया गया है।.
- टी बोर्ड में कार्यरत किसी भी महिला के यौन उत्पीड़न की शिकायत के निवारण के लिए समिति का पुनर्गठन 09.03.2023 से किया गया है।

त्यागपत्र एवं पदमुक्ति:

- डॉ. के.एन. राघवन, आईआरएस (सी एंड सीई:90) ने 02.05.2022 से टी बोर्ड, कोलकाता के अध्यक्ष का पदभार त्याग दिया।
- श्री मृत्युंजय चौबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने 22.04.2022 को बोर्ड की सेवा से इस्तीफा दे दिया
- श्री विकास कुमार, विकास अधिकारी ने 22.04.2022 को बोर्ड की सेवा से इस्तीफा दे दिया।
- चाय विकास के सहायक निदेशक श्री दिगंता बर्मन ने 14.03.2023 को बोर्ड की सेवा से इस्तीफा दे दिया।

नियुक्तियाँ:

- डॉ. एम. मुथुकुमार, आईएएस (ओडी:2008), टी बोर्ड, कुन्नूर के कार्यकारी निदेशक के पद पर दिनांक 23.06.2022 से नियुक्त किये गये ।

सेवानिवृत्ति:

- वर्ष 2022-2023 के दौरान विभिन्न संवर्गों के इक्कीस (21) अधिकारियों को बोर्ड की सेवाओं से सेवानिवृत्त किया गया।

टी बोर्ड का स्थापना दिवस:

- **01.04.2022** को टी बोर्ड का **69**वां स्थापना दिवस मनाया गया।

दिवंगतः

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान दो (02) अधिकारियों की मृत्यु हो गई।

एमएसीपी लाभ :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, एमएसीपी योजना के तहत कुल 24 (चौबीस) कर्मचारियों को विभिन्न संवर्गों में लाभ प्राप्त हुआ वह निम्नवत हैः

ग्रुप-ए	02
ग्रुप-बी	03
ग्रुप-सी	19
कुल	24

चिकित्सा नीति:

टी बोर्ड ने अपने कर्मचारियों और उनके वैध आश्रितों के इनडोर चिकित्सा उपचार के लिए पूरे भारत में सीजीएचएस दरों के तहत विभिन्न अस्पतालों के साथ तीन साल की अवधि के लिए समझौता किया है।

अनुलग्नक-I

भारत तथा विदेशों में स्थित टी बोर्ड कार्यालयों का पता

पश्चिम बंगाल और बिहार

टी बोर्ड 14, बी.टी.एम सरणी, कोलकाता - 700001, दूरभाष : 033-22351331/फ़ैक्स : 033-2221-5715 ईमेल : secytboard@gmail.com वेबसाइट : www.teaboard.gov.in	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, वीरपाड़ा, प्रथम तल,ऊषा कॉम्पलेक्स, (यूनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया के पास) एम.जी. रोड,पोस्ट-वीरपाड़ा,जिला- अलिपुरद्वार, पश्चिम बंगाल-735204 फो.8609952917 ई-मेलः teaboardbirpara@gmail.com
दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेव्लपमेंट सेंटर (डीटीआर एंड डीसी) आचार्य भानुपथ, कार्सियांग-734203, दार्जिलिंग फैक्सः 0354-2330218 दूरभाषः 0354-2330287 ईमेलः dtrdcteaboard@gmail.com	टी बोर्ड भारत क्षेत्रीय कार्यालय, ईस्लामपुर, पावर हाउस पाड़ा, मुख्य बस टरमीनस के विपरीत, पोस्ट ईस्लामपुर, जिला-उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल-733202 ईमेल: teaboardislampur@gmail.com
टी बोर्ड भारत, क्षेत्रीय कार्यालय, राहत बाड़ी, बाबुपाड़ा, वार्ड सं.*7*, पो. व जिलाः जलपाईगुड़ी-735101 पश्चिम बंगाल दूरभाष/ फैक्सः 03561-225146 ईमेल: teaboardjalpaiguri@gmail.com	टी बोर्ड,भारत आंचलिक कार्यालय "क्वालिटी कंट्रोल लैबोरेटरी बिल्डींग (3तल)", टी पार्क, भोला मोड़(न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पीछे) पो-साहुदांगी हाट, सिलीगुड़ी-735135, पश्चिम बंगाल ईमेल : siliguriteaboard@gmail.com
टी बोर्ड भारत, उप आंचलिक कार्यालय, सुरेश प्रसाद लिंह के परिसर में, नगर पंचायत ठाकुरगंज, फाराबाड़ी, वार्ड सं.-*2*, पोस्ट.+ पु.था.-ठाकुरगंज जिला– किशनगंज, राज्य-बिहार, पिन - 855116 ईमेल: *teaboardsrothakurganj@gmail.com*	टी बोर्ड भारत, अनुसंधान निदेशालय एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला टी पार्क, भोला मोड़, (न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पीछे),पोस्ट साहुदांगी हाट, सिलिगुड़ी - 735 135, पश्चिम बंगाल. इमेल आईडी: resdirteaboardqcl@gmail.com, qcl.tbi@gmail.com
टी बोर्ड भारत, उप-क्षेत्रीय कार्यालय,कार्सियांग दार्जिलिंग चाय अनुसंधान व विकास केन्द्र कैम्पस, आचार्य भानु पथ, पो-कार्सियांग, पिन-734203, जिला-दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल ई-मेलःphuriagri@gmail.com	

तमिलनाडु

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड, आंचलिक कार्यालय, "शेलवूड", लाईब्रेरी रोड , पोस्ट बॉक्स न. - 6,कून्नूर -643101, नीलगिरि, तमिलनाडु दूरभाष : 0423-2231638/2230316*[डी] फ़ैक्स : 0423-2232332, 2231484-आवास ईमेल : teaboardcoonoor@rediffmail.com teaboardcoonoor@rediffmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय को-ऑपरेटिव बैंक के सामने मैसूर रोड, गुडालूर-643212 द निलगिरिज, तमिलनाडु दूरभाष-04262-262316 ईमेल : teaboardgudalur@gmail.com
टी बोर्ड, 139, एलडैम्स रोड, तैनामपेट (2 तल) चेन्नई-600002, तमिलनाडु	टी रुम, टी बोर्ड चेन्नई सचिवालय, दुकान सं. 3, 4 सेन्ट. जॉर्ज, चेन्नई-600009 दूरभाष-044-24342754/फैक्सः044-24341650 ई मेलः teaboardchennai@sancharnet.in
टी बोर्ड भारत टी सेंटर तिरुचैंदुर मुरुगन मंदिर कोविल रोड उत्तर गेट के समीप,तिरुचैंदुर-628215	प्रभारी टी बोर्ड भारत टी सेंटर विंच स्टेशन के विपरीत पश्चिम गिरि स्ट्रीट,पालानी-624601

केरल

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय इन्दिरा गांधी रोड, विलिंगडॉन आइलैंड, कोचीन - 682003, केरल दूरभाष : 0484-2666523 फ़ैक्स : 0484-2666648 ईमेल : teaboardkochi@sancharnet.in	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, 511/1, कल्लोलिकल बिल्डिंग, पीयरमेड पोस्ट इदुक्की जिला, केरल - 685 509, दूरभाष : 04869 - 222628 ईमेल : teaboardpeermade@gmail.com

आंध्र प्रदेश

टी नूक, सी.आर.ओ. (जी) कार्यालय (रेलवे आरक्षण काउंटर के विपरित) तिरुमाला-517504, आंध्रप्रदेश

असम, त्रिपूरा, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम एवं मेघालय

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड उत्तर पश्चिम आंचलिक कार्यालय हाउसफेड कॉम्पलेक्स, 5वां व 6 वां तल, सेंट्रल ब्लॉक बेलतला बशिष्ठ रोड, दिसपुर, गुवाहाटी -781006, दूरभाष : 0361-2228944 / 2228945 ईमेल : teaboardguwahati@hotmail.com teaboard.guwahati@gov.in	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, आईटीआई रोड, पोस्ट-. इंद्रनगर, वाया-कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा-799006 दूरभाषः0381-2354639/फैक्सः0381-2354182 ईमेलः teaboard.agartala@gmail.com

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, जीग-जैग रोड, चौकीदींघी, शांतिनिकेतन अपार्टमेंट के विपरित, पोस्ट- डिब्रूगढ़-786001 दूरभाष :0373-2324982 ईमेल: teaboard.stgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, क्लब रोड, जिला – कछार, असम, सिल्चर -788 001, दूरभाष : 03842-232518, ईमेल : teaboardsilchar@gmail.com

टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, प्राइवेट रेसीडेंस, 2 तल, किंगकप स्कूल के निकट, वी.आई.पी. रोड, पोस्ट-इटानगर अरुणाचल प्रदेश - 791111 ईमेल आईडी: teaboarditanagar@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, टी रिसर्च एसोशिएशन कॉम्प्लेक्स , सिन्नामारा, जोरहाट - 785008, असम ईमेल : teaboardjorhat@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, चुनाव कार्यालय के विपरीत, जिला – सोनीतपुर, गणेश घाट, तेजपुर-784001, असम , दूरभाष : 03712-233664, ईमेल : tezpurteaboard@gmail.com	टी बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय एल.के. बरुआ रोड,अमोलापट्टी, जिला- सिवसागर, असम पिन- 785640 ईमेल: teaboard.sivsagar@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, "पुण्यालय"' मारवाड़ी पट्टी, वार्ड नंबर -1 पोस्ट व जिला – गोलाघाट (असम) पिन -78562, असम ईमेल: teaboardgolaghat@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, खर्गेस्वर रोड ,बीएसएनएल कार्यालय के निकट , जिला-तिनसुकिया, असम पिन-786125 Tel: 0374 2950019 ईमेल: tinsukiateaboard2019@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- मृणाल मोनी भट्टाचार्या, फार्म मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट के विपरीत , पोस्ट व जिला – बिस्वनाथ चारियाली,असम ई-मेल: gogoi.biswajit@yahoo.in gogoibiswajit74@gmail.com	टी बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय उदालगुड़ी, वार्ड सं-4. एच.एस स्कूल के करीब पोस्ट व जिला: उदालगुड़ी, पिन: 784509,असम ई-मेल: jibantamang14@yahoo.com
टी बोर्ड, उप क्षेत्रीय कार्यालय, लुमनॉनग्रीम,उम्सनिंग, जिलाः रि-भोई, मेघालय, पिन-793105 ईमेल: teaboardumsning@gmail.com	टी बोर्ड, उप क्षेत्रीय कार्यालय, नाकारी सुंदर नगर, वार्ड सं.2 पोस्ट- लखीमपूर जिला: लखीमपूर, असम-787001 ई-मेल:: mohanjadab@gmail.com
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- श्री हेमकांत खानीकर, 14 नंबर लाइन रोड,इलाहाबाद बैंक राजगढ़,डिब्रुगढ़ के विपरीत असम, पिन- 786611 ईमेल:neel.cent11@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, जेमाबाव्क, आइज़ोल, मिज़ोरम, पिन-796017 ईमेल:teaboard.aizawlmz@gmail.com

टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, पोस्ट – धर्मनगर, जिलाः उत्तर त्रिपुरा, त्रिपुरा, पिन-799250 ईमेल: teaboard.dharmanagar@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, राजाधाप ,पशु अस्पताल के निकट पोस्ट – सोनारी ,जिला- चराईडिओ, पिन-785690 असम । ईमेल: teaboard.sonari@gmail.com

दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व महाराष्ट्र

उ.प.भा. हेतु विशेषाधिकारी टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय 13/2 जाम नगर हाउस, शाहजहाँ रोड , नई दिल्ली -110011, टेली फ़ैक्स: 011-23074179, मोबाईल : 09818007168 ईमेल:smnasrullah.tbi@nic.in, daktboard@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, कालु दी हट्टी, पालमपुर, कांगड़ा, हि.प्र. दूरभाष : 01894-238171/फैक्स: 01894238178 ई-मेल: teaboardpalampur2022@gmail.com
टी बोर्ड उप क्षेत्रीय कार्यालय, लिंक रोड ,थापलिया, अल्मोड़ा, जिलाः- अल्मोड़ा, उत्तराखंड, पिन-263601 ई:मेल-teaboardalmora@gmail.com	टी बोर्ड रेशम भवन , 78, वीर नरीमन रोड, मुंबई - 400002, टेलीफोन : 022-22041699/फैक्सः022-22041699 जी.एच (टेली) 23675401 ईमेल : mumteaboard@gmail.com

रुस

टी बोर्ड ऑफ इंडिया 4, वोरोंत्स्वो पोलये भारतीय दूतावास, मॉस्को रशियन फ़ैडरेशन, दूरभाष/ फ़ैक्स: +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 एक्स: 293 + 7(495)917 1657 आवास : +7(495)952 0524 मो. : +0079653862273 ईमेल : teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

बोर्ड के सदस्यों की सूची			
क्र.सं	**16 अगस्त, 2022 से 15 अगस्त, 2025 तक के बोर्ड के सदस्यों का नाम**		
1.	प्रधान सचिव, उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग, असम सरकार	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
2.	श्री प्रशांत कुमार बरई , डब्लूबीसीएस (एक्सी), अपर सचिव, उद्योग, वाणिज्य और उद्यम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
3.	सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, त्रिपूरा सरकार, अगरतला	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
4.	मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडकोसर्व, तमिलनाडु सरकार	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
5.	**हिमाचल प्रदेश सरकार के सचिव/प्रधान सचिव/अपर मुख्य सचिव** (**कृषि**)	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
6	**रिक्त** (**केरल सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यक्ति**)	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ए) के तहत नियुक्त प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकार का प्रतिनिधित्व करना।
7.	श्री होरेन सिंह बे, संसद सदस्य, लोक सभा	सदस्य	नियम 4 के उपनियम (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व करना।
8.	श्री राजू बिष्ठ, संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य	नियम 4 के उपनियम (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व करना।
9.	श्री कामाख्या प्रसाद तासा, संसद सदस्य, राज्य सभा	सदस्य	नियम 4 के उपनियम (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व करना।
10.	श्री.टी.के. तुलसीधरन पिल्लई, कनाट्टू हाउस, इडुक्की कांजीकुझी, पोस्ट कांजीकुझी- इडुक्की, केरल- 685606	सदस्य	नियम-4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
11.	श्री. ई.पी.शिवदसन, अरविंदम, मट्टीलयम, वेलामुंडम, वायनाड, केरल-670731	सदस्य	नियम-4 के उप-नियम (1) के खंड (डी) के तहत चाय बागानों और बागानों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।

12.	श्री राजेश चंदर, 21/29, डैनी कौटेज, कोटागिरी, द नीलगिरिज़, तमिलनाडु- 643217	सदस्य	नियम-4 के उप-नियम (1) के खंड (ई) के तहत चाय के निर्यातक और आंतरिक व्यापार दोनों सहित डीलरों का प्रतिनिधित्व करना।
13	उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, कोलकाता	पदेन- सदस्य	नियम-4 के उपनियम (1) के खंड (एए) के तहत नियुक्त किया गया।
14	श्री सुशील के बरलिया, बरलिया कॉम्प्लेक्स, 2रा माइल, सेवोक रोड, सिलिगुड़ी – 734001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
15	श्री अशोक के गोयल, सेवोक रोड, 2.5 माईल्स, सिलिगुड़ी - 734001, प.बं	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
16	श्री मृगेन्द्र जालान, जालान इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 2C एवं D, पैरामाउंट अपार्टमेंट, 25 बालीगंज सरक्यूलर रोड, कोलकाता - 700019	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
17	श्री राजीब के गोहेन, शांतिपूर, वार्ड सं 3, गोलाघाट टाउन, गोलाघाट - 785621, असम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
18	श्री दिनेशभाई करिया, श्री बल्लभ, 39, श्रीमाद पार्क, बी/एच बीग बाइट रेस्टरांट, रेस कोर्स रिंग रोड, राजकोट - 360001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
19	श्री धनंनजयन कृष्णामुर्ती, नानकेम अस्पताल परिसर, बेड फोर्ड, कूनूर, नीलगिरिज़, तमिलनाडु	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
20	श्री आनंद कुमार गोयल, कुसुम अपार्टमेंट, 11,गुरुसदेय रोड, फ्लैट 31, कोलकात- 700019	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय बागानों और बागानों के मालिकों और चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करना।
21	श्री नबीन चंद्र केयोट, माइजान नतून गाँव,पोस्ट हिलाइधारी जिला डिब्रुगढ़, पिन - 786002	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (डी) के तहत चाय बागानों और बागानों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।
22	श्री के के मनोज कुमार, डी/सं. 3/394, कोझीचल मुन्नानदी (पोस्ट) अय्यनकोल्ली, नीलगिरी, तमिलनाडु - 643253	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (डी) के तहत चाय संपदाओं और बागानों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।
23	श्री डी. डेविड आईटीओ, नुल्लाथन्नी एस्टेट , मुन्नार, इडुक्की जिला , केरल- 685612	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (डी) के तहत चाय संपदाओं और बागानों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।

24	**रिक्त**	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (डी) के तहत चाय संपदाओं और बागानों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।
25	श्री मिलिंद जगदीशचंद्र शाह, गिरनार फूड एंड बेवरेजेज, 401, सेंटर प्येंट, डॉ.बी.आर.अम्बेंडकर मार्ग, भारतमाता सिनेमा के विपरीत, पारेल मुम्बई - 400012	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (ई) के तहत चाय के निर्यातक और आंतरिक व्यापार दोनों सहित डीलरों का प्रतिनिधित्व करना।
26	श्री विरेन शाह, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टी ट्रेडर्स एसोसिएशन (एफएआईटीटीए) और अध्यक्ष एवं एमडी,जीवराज टी लिमिटेड	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एफ) के तहत चाय के निर्माता व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।
27	श्री पुरजीत बक्शी गुप्ता, असमोड़, मोहितनगर, जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी - 735102	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एफ) के तहत चाय के निर्माता व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करना।
28	श्री प्रफुल्ल रंजन वर्मा, राजेन्द्र नगर मधुबनी,जिला- पुर्णिया, बिहार - 854301	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (जी) के तहत चाय के उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करना।
29	श्री महेश चौहान, ग्राम: बास हरिया, जिला गुरुग्राम, हरयाणा	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (जी) के तहत चाय के उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करना।
30	श्री विनय शर्मा, होटेल द ब्लीज़, खिलड़ु, पोस्ट- बिंद्राबान, पालमपूर, जिला. कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश - 176061	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एच) के तहत व्यक्तियों के अन्य हितों का प्रतिनिधित्व करना।
31	श्री विरेंद्र सिंह चौधरी, सी-178, सेक्टर - 48, जिला गौतम बुद्ध नगर, नएडा, उत्तर प्रदेश - 201301	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एच) के तहत व्यक्तियों के अन्य हितों का प्रतिनिधित्व करना।

अध्याय -2

वैश्विक और भारतीय चाय परिदृश्य का व्यापक अवलोकन

वैश्विक चाय परिदृश्य

उत्तरी अमेरिका को छोड़कर जॉर्जिया और अर्जेंटीना के बीच सभी महाद्वीपों में फैले 36 से अधिक देश, जहां विभिन्न प्रकार की कृषि-जलवायु स्थितियां हैं, चाय उगाई जाती है। 2022 के दौरान वैश्विक चाय उत्पादन और खपत क्रमशः 6478 मिलियन किलोग्राम और लगभग 6209 मिलियन किलोग्राम थी। 2022 के दौरान उत्पादक देशों से कुल निर्यात बढ़कर 1831 मिलियन किलोग्राम हो गया। प्रमुख चाय उत्पादक और निर्यातक देश चीन, भारत, केन्या और श्रीलंका हैं और इनका विश्व उत्पादन और निर्यात में क्रमशः 82% और 73% योगदान है। (तालिका नंबर-1)

तालिका -1

2022 के दौरान प्रमुख उत्पादक और निर्यातक देशों का उत्पादन और निर्यात का अंश

देश	उत्पादन		निर्यात	
	मिलियन किग्रा	वैश्विक हिस्सेदारी	मिलियन किग्रा	वैश्विक हिस्सेदारी
चीन	3181	49	375	20
भारत	1366	21	231	13
केन्या	535	8	450	25
श्रीलंका	252	4	247	13
अन्य	1144	18	528	29
विश्व कुल	6478	100	1831	100

स्रोतः- भारत को छोड़कर आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2023

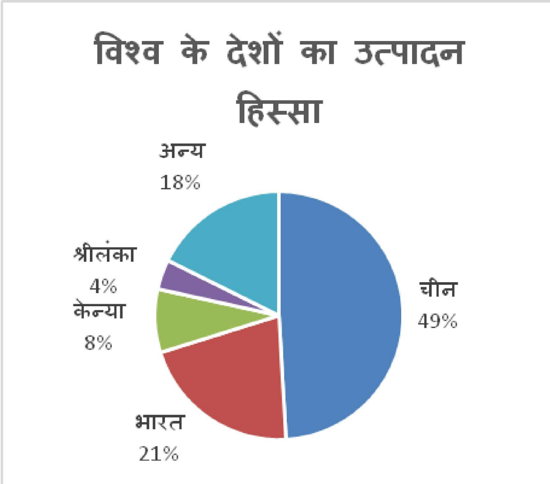

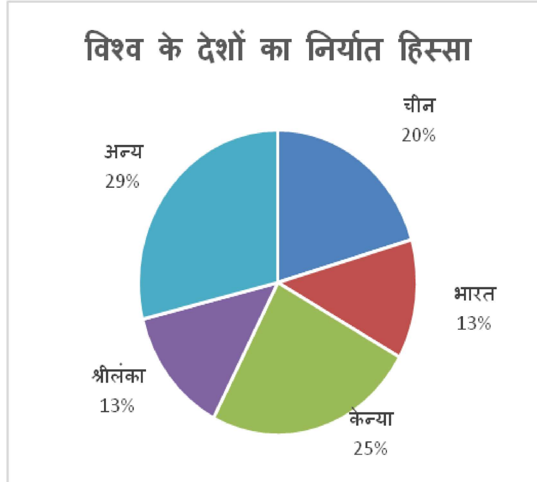

भारत और बांग्लादेश को छोड़कर 2022 के दौरान सभी प्रमुख उत्पादक देशों में विश्व नीलामी की कीमतें बढ़ीं।

तालिका - 2 : चाय की विश्व नीलामी कीमत (अमेरिकी डॉलर/ किग्रा में)

देश	2022	2021	>/< समाप्त 2021
भारत	2.28	2.35	-0.07
श्रीलंका	3.86	3.11	0.75
केन्या	2.33	1.97	0.36
मालवी	1.42	1.38	0.04
बांग्लादेश	2.10	2.32	-0.22

स्रोत:- भारत को छोड़कर आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2023

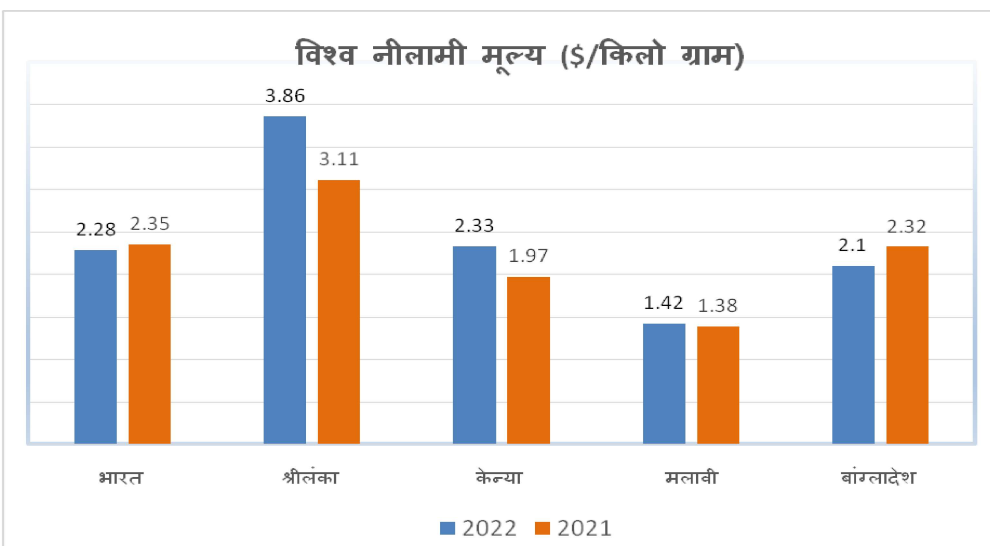

वर्ष 2022 के दौरान स्पष्ट वैश्विक खपत 6209 मि.कि ग्रा थी और भारत की जनसंख्या के कारण वैश्विक खपत का 19% हिस्सा है, भले ही प्रति व्यक्ति खपत कम है। कुल उत्पादन का लगभग 81% उपभोग देश में ही होता है। यह विशिष्ट स्थिति अन्य उत्पादक देशों, विशेष रूप से केन्या और श्रीलंका के बिल्कुल विपरीत है, जिसकी शायद ही कोई प्रबल घरेलू मांग हो और इसलिए वे अपने अधिकांश उत्पादन का निर्यात करने में सक्षम हैं।

वर्ष 2022 में वैश्विक चाय की स्थिति:

उत्पादन:

श्रीलंका को छोड़कर, 2022 के दौरान कुल वैश्विक चाय उत्पादन में वर्ष 2021 की तुलना में 28.78 मि.कि ग्रा की वृद्धि हुई (तालिका-3)। भारत में भी, वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 के दौरान चाय का उत्पादन 23.30 मि.कि ग्रा की वृद्धि हुई।

तालिका - 3 : प्रमुख चाय उत्पादक देशों में चाय उत्पादन (मि.किग्रा)

देश	2022	2021	>/< समाप्त 2021
भारत	1366.36	1343.06	23.30
श्रीलंका	251.50	299.34	-47.84
केन्या	535.04	537.83	-2.79
चीन	3181.04	3063.15	117.89
अन्य	1143.91	1205.69	-61.78
कुल वैश्विक उत्पादन	6477.85	6449.07	28.78

स्रोत:- भारत को छोड़कर आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2023

निर्यात :

वर्ष 2022 में कुल वैश्विक चाय निर्यात 2021 की तुलना में 93.55 मिलियन किलोग्राम कम हो गया (तालिका-4)। जबकि केन्या और श्रीलंका के चाय निर्यात में कमी आई, भारत और चीन ने चाय निर्यात में क्रमशः 34.54 मि.कि ग्रा और 5.89 मि.कि ग्रा का सुधार किया।

तालिका - 4: प्रमुख उत्पादक देशों का निर्यात (मिलियन किलोग्राम)

देश	2022	2021	>/< over 2021
केन्या	450.33	558.93	-108.60
चीन	375.25	369.36	5.89
श्रीलंका	247.15	282.84	-35.69
भारत	231.08	196.54	34.54
अन्य	526.73	516.42	10.31
कुल वैश्विक निर्यात	1830.54	1924.09	-93.55

स्रोत:- भारत को छोड़कर आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2023

* केन्या के निर्यात में पड़ोसी अफ्रीकी देशों की उपज शामिल है

भारतीय चाय परिदृश्य :

भारत में चाय का उत्पादन 15 राज्यों में की जाती है जिनमें से असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल प्रमुख चाय उत्पादक राज्य हैं। वे कुल उत्पादन का 97% हिस्सा हैं। अन्य पारंपरिक राज्य जहां चाय उत्पादन की जाती है वे हैं त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और कर्नाटक। भारत के चाय मानचित्र में शामिल गैर-पारंपरिक राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम शामिल हैं।

दुनिया की बेहतरीन चाय जैसे दार्जिलिंग, असम, सिक्किम, नीलगिरी और कांगड़ा जो अपने उत्कृष्ट स्वाद, कड़ापन और चमक के लिए प्रसिद्ध हैं, भारत में उत्पादित की जाती हैं। विविध कृषि जलवायु परिस्थितियों के साथ, भारत उपभोक्ताओं के विभिन्न स्वादों और प्राथमिकताओं के अनुकूल चाय का मिश्रण तैयार करता है। प्रत्येक क्षेत्र की विशेषताएं अलग-अलग हैं, जो उन्हें कई अलग- अलग तरीकों से एक-दूसरे से अलग करती हैं।

उत्पादन:

वर्ष 2022-23 के दौरान भारत में चाय का उत्पादन 1374.97 मिलियन किलोग्राम है, जो 2021-22 की तुलना में 30.57 मिलियन किलोग्राम अधिक है।

निर्यात:

वर्ष 2022-23 के दौरान चाय का निर्यात 228.40 मिलियन किलोग्राम मात्रा में हुआ और मूल्य प्राप्ति रु. 6385.81 करोड़. यह मात्रा में 27.61 मिलियन किलोग्राम अधिक था और मूल्य 970.03 करोड़ रुपये था और इकाई मूल्य प्राप्ति 279.59 रुपये प्रति किलोग्राम थी,जिससे 9.87 रुपये प्रति किलोग्राम का सुधार हुआ।

प्राथमिक विपणन:

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान देश में उत्पादित कुल चाय का लगभग 43% सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचा गया और शेष अन्य माध्यमों से बेचा गया।

घरेलू प्रतिधारण :

वर्ष 2022-23 में चाय का स्पष्ट घरेलू प्रतिधारण लगभग 1176 मिलियन किलोग्राम था। जबकि 2021-22 में 1170 मी. किग्रा

अध्याय - 3

वित्त

परिचय :

टी बोर्ड को भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। टी बोर्ड आंतरिक अतिरिक्त बजटीय (टीईबीआर) के माध्यम से अनुज्ञापन पर शुल्क, ऋण और अग्रिम पर ब्याज और तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, आवेदन पत्रों की बिक्री और अन्य प्रकाशनों आदि जैसी विविध प्राप्तियों से एक छोटी राशि उत्पन्न करता है।

टी बोर्ड को उपलब्ध सभी धनराशि वार्षिक केंद्रीय बजट के माध्यम से दी जाती टी बोर्ड को उपलब्ध सभी धनराशि वार्षिक केंद्रीय बजट के माध्यम से दी जाती अधिनियम की धारा 10 में निहित है, जो सरकार की वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के अधीन है।

उपकर आय :

वर्ष 2022-23 के दौरान सरकार द्वारा टी बोर्ड को चाय अधिनियम, 1953 की धारा 26 के तहत उपकर की आय के लिए 8250.00 लाख रुपये (प्रारंभिक शेष को छोड़कर) की राशि स्थापना योगदान के रूप में दी गई थी। जिसका अर्थ शेष और समापन शेष 1.65 लाख और 15.05 लाख रुपया था ।

अनुसंधान एवं विकास अनुदान :

वर्ष 2022-23 के दौरान सरकार से अनुसंधान एवं विकास अनुदान के रूप में 1229.00 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई। जिसका अथशेष 04.02 लाख रुपया था।

अनुसंधान (एएसआईडीई)

अथशेष और समापन शेष रु. 96.17 लाख और 42.15 लाख रुपये और 2.18 लाख रुपये की अन्य प्राप्तियां।

सहायिकी

वर्ष के दौरान सरकार से सहायिकी के रूप में 3109.57 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। जिसका अथशेष और समापन शेष 6.26 लाख रुपया और 25.32 लाख रुपया था और 447.77 लाख रुपये की अन्य प्राप्तियां थीं।

विशेष प्रयोजन चाय निधि – पूंजी

वर्ष के दौरान सरकार से एसपीटीएफ पूंजी योगदान के लिए कोई राशि प्राप्त नहीं हुई।

स्थापना प्राप्तियां एवं भुगतान :

ए. प्राप्तियां

वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत प्राप्तियाँ इस प्रकार हैं :

(रु. लाख में)

चाय अधिनियम की धारा 26 के तहत प्राप्त धन	8250.00
आवेदन शुल्क सहित अनुज्ञापन/टीएमसीओ 2003 के कारण प्राप्त शुल्क	316.00
तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, प्रकाशनों की बिक्री, सावधि जमा पर ब्याज आदि सहित विविध प्राप्तियां।	261.49
अग्रिम पर ब्याज	4.40
डीसीटीएम, असम, डुआर्स और नीलगिरी ट्रेड मार्क और लोगो प्रशासन के कारण पंजीकरण शुल्क वसूला गया	30.84
अन्य प्राप्तियाँ (शेष राशि सहित)	136.02
कुल	**8998.75**

बी. भुगतान :

वर्ष 2022-23 के दौरान स्थापना भुगतान निम्नानुसार थे : (रु. लाख में)

पुस्तकालय सहित प्रशासन	3138.98
भारत में चाय संवर्धन	283.58
भारत बाह्य चाय संवर्धन	0.00
ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण सहित पेंशन	3144.37
अन्य स्थापना व्यय	200.05
नई पेंशन योजना में नियोक्ता का योगदान और विदेश सेवा योगदान	211.91
अन्य प्रशासन व्यय	560.64
अचल संपत्ति खरीदी गई	54.74
अन्य भुगतान	1404.48
कुल	**8998.75**

योजना गतिविधियाँ प्राप्तियां और भुगतान

सी. प्राप्तियां

वर्ष **2022-23** के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्तियाँ इस प्रकार हैं:

(रु. लाख में)

चाय रोपण विकास सहायिकी योजना	1503.30
अनुसूचित जाति उपयोजना	342.38
नीति फोरम के लिए क्षेत्र विशिष्ट योजना	319.43
मानव संसाधन विकास योजना	322.46
बाजार संवर्धन योजना	210.00
चाय के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम विनियमन	100.00
अनुसंधान एवं विकास योजना	1229.00
जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	312.00
अन्य प्राप्तियाँ (शेष राशि सहित)	490.17
कुल	**4828.74**

डी. <u>भुगतान - अनुसंधान एवं विकास अनुदान</u>

(रु. लाख में)

टीआरए/उपासी को सहायता अनुदान	1153.66
टीआरए/उपासी के अलावा वित्तीय सहायता	0.00
डीटीआर एवं डीसी का उन्नयन	57.20
कार्यशाला/संगोष्ठी आदि	0.16
क्यूसीएल सिलीगुड़ी व्यय	70.90
परिसंपत्तियों की खरीद	1.32
मूल्यांकन एवं निगरानी	0.00
अन्य भुगतान	6.88
कुल	**1290.12**

ई. <u>भुगतान (एफडी सहित)– सहायिकी</u>

(रु. लाख में)

रोपण सहायिकी योजना	1502.24
गुणवत्ता उन्नयन एवं उत्पाद विविधीकरण योजना	0.34
मानव संसाधन विकास योजना	322.51
अर्थोडक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	1.55
बाजार संवर्धन योजना	199.73
अनुसूचित जाति उपयोजना	342.90
चाय के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम विनियमन	544.66
जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	305.01
नीति फोरम के लिए क्षेत्र विशिष्ट योजना	319.39
कुल	3538.32

एफ. भुगतान-अनुसंधान योजना (एएसआईडीई)

(रु. लाख में)

व्यय	0.30
कुल	0.30

ऋण योजना के लिए परिक्रामी कॉर्पस निधि :

जी. <u>भुगतान - ऋण योजना और चाय केंद्र</u>

(रु. लाख में)

ऋण योजना के लिए परिक्रामी कॉर्पस निधि	774.02
एसपीटीएफ	2083.64
चाय केंद्र	105.52
कुल	2963.18

<u>वर्ष 2022-23 के दौरान योजना गतिविधियों पर कुल भुगतान :</u>

= (डी +ई + एफ) = रु. 4828.74 लाख

स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)

भारत सरकार के निदेशानुसार, टी बोर्ड ने बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों और चाय बागानों में स्वच्छता कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए पहल की। स्वच्छता पर स्वच्छता संबंधी गतिविधियों और कार्यशालाओं के लिए 49.99 लाख रुपये की राशि व्यय की गई।

चाय बागान क्षेत्रों के चाय बागानों और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम

अध्याय - 4

चाय विकास

परिचय :

चाय अधिनियम के तहत टी बोर्ड का एक महत्वपूर्ण कार्य चाय उत्पादन और बागानों की उत्पादकता बढ़ाने, निर्मित चाय की गुणवत्ता में सुधार, चाय प्रसंस्करण, पैकेजिंग व मान संवर्धन सुविधाओं का आधुनिकीकरण, उत्पाद मिश्रण एवं लघु चाय उत्पादकों के बीच सहकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विकास योजनाओं का निरूपण और कार्यान्वयन है तथा चाय बागान श्रमिकों के लिए कल्याणकारी उपाय भी करना है, जो बागान श्रम अधिनियम के प्रावधानों के पूरक हैं।

उपरोक्त गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता अनुमोदित योजनाओं के माध्यम से प्रदान की जाती है।

विकास समिति:

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विकास समिति का गठन निम्नलिखित सदस्यों को लेकर हुआ है:

1. उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, समिति के पदेन अध्यक्ष
2. श्री अभिषेक चंद्र, आईएएस, सचिव, त्रिपुरा सरकार
3. सुश्री मोनिका राणा, आईएएस, सीईओ, इंडकोसर्व, तमिलनाडू
4. श्री मृगेन्द्र जालान
5. श्री राजेश चंदर बी
6. श्री राजीब के गोहेन
7. श्री सुशील के बरलिया

बोर्ड/विकास समिति की बैठकें :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 248वीं बैठक के लिए बोर्ड/विकास समिति की बैठक दिनांक 28 फरवरी, 2023 को कोलकाता में हुई। बैठक हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित की गई थी।

1. 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 हेतु चाय विकास एवं संवर्धन योजना

15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान चाय विकास एवं संवर्धन योजना को जारी रखने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार द्वारा कुल 967.78 करोड़ रुपये के परिव्यय के लिए ईएफसी की मंजूरी पत्र संदर्भ संख्या K-57013(11)/1/2021-Plant (A) दिनांकित 16 जुलाई, 2021 के माध्यम से प्रदान की गई थी। योजना के लिए घटकवार, वर्षवार वित्तीय परिव्यय इस प्रकार है:

सारणी :1 - 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान चाय विकास एवं संवर्धन योजना के लिए घटकवार, वर्षवार वित्तीय परिव्यय:

क्र.सं.		करोड़ रु. में					
	घटक	**वि.व** 21	**वि.व** 22	**वि.व** 23	**वि.व** 24	**वि.व** 25	**कुल**
1.	बागान विकास - लघु चाय उत्पादक	8.73	10.08	10.57	9.33	10.05	48.76
2.	उत्तर पूर्व के लिए नीति फोरम के तहत क्षेत्र विशिष्ट कार्य योजना	13.04	19.95	21.59	21.81	21.69	98.08
3.	बाज़ार संवर्धन	1.85	2.10	2.10	2.10	2.70	10.85
4.	श्रमिकों का कल्याण - लघु चाय उत्पादकों के आश्रित	1.18	1.38	1.38	1.38	1.88	7.20

5.	अनुसंधान एवं विकास	10.53	12.29	12.29	12.29	12.39	59.79
6.	नीलामी सुधारों सहित विनियामक कार्य	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	5.00
7.	लंबित देयता	298.76	0.00	0.00	0.00	0.00	298.76
8.	स्थापना	74.32	83.12	88.71	93.91	99.28	439.34
	कुल	**409.41**	**129.92**	**137.64**	**141.82**	**148.99**	**967.78**

योजना का उद्देश्य वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए भारतीय चाय के उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार करना, लघु चाय उत्पादकों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना, मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने के लिए उनका सामूहिकीकरण करना, बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिए चाय में मान संवर्धन करना और निर्यात बाजारों में हिस्सेदारी, उत्तर पूर्वी राज्यों में चाय उगाने की क्षमता का पता लगाना, चाय की प्रति व्यक्ति खपत में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करना, उच्च मूल्य वाले बाजारों में भारत से चाय निर्यात में सुधार करना, संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता लाने के लिए अनुसंधान तथा विकास और अन्य तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करना है, जो चाय अधिनियम, 1953 में परिकल्पित है।

लाभार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन जमा करने और डीबीटी के माध्यम से वित्तीय सहायता के संवितरण के लिए योजना घटकों को सर्विस प्लस पोर्टल पर शामिल किया गया था।

2. वर्ष 2022-23 हेतु प्राप्ति एवं व्यय

वर्ष 2022-23 हेतु विकास निदेशालय के अंतर्गत घटकों के तहत प्राप्ति एवं भुगतान इस प्रकार है:

सारणी:**-2** 2022-23 के दौरान चाय विकास और संवर्धन योजना के एससीएसपी और टीएएसपी सहित विकास घटक के तहत प्राप्त धनराशि और वितरित धनराशि:

क्र.सं	योजनाएं/घटक	प्राप्ति (रु० करोड़ में)	व्यय (रु० करोड़ में)
1	लघु चाय उत्पादकों के लिए बागान विकास	15.03	15.02
2	उत्तर पूर्व के लिए नीति फोरम की कार्य योजना	3.19	3.19
3	श्रमिकों का कल्याण	3.22	3.23
4	अनुसूचित जाति उपयोजना	3.42	3.43
5	जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	3.12	3.05
	कुल	**28.00**	**27.91**

3. भारत में विकास कार्यालयों की उपस्थिति:

पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए गुवाहाटी (असम) और पूरे दक्षिण भारत के लिए कुन्नूर (तमिलनाडु) में दो अंचल कार्यालयों के अलावा जमीनी स्तर पर उद्योग के हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 15 क्षेत्रीय कार्यालय और 12 उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

सारणी: ***3 -*** विकास निदेशालय के अंतर्गत क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय कार्यालयों का स्थान:

राज्य	राज्य क्षेत्रीय कार्यालय (आर.ओ.)	उप क्षेत्रीय कार्यालय (एस.आर.ओ.)
अरुणाचल प्रदेश	1. ईटानगर	
असम	2. जोरहाट	1. शिवसागर
	3. सिलचर	2. बिश्वनाथ चारियाली
	4. डिब्रूगढ़	3. राजगढ़
	5. गोलाघाट	4. लखीमपुर
	6. तेजपुर	5. सोनारी
	7. तिनसुकिया	6. उदालगुरी
मेघालय		7. उमसिनिंग
मिजोरम		8. आइजोल
त्रिपुरा	8. अगरतला	9. धर्मनगर
बिहार		10. ठाकुरगंज
हिमाचल प्रदेश	9. पालमपुर	
उत्तराखंड		11. अल्मोड़ा
पश्चिम बंगाल	10. सिलीगुड़ी	12. कर्सियोंग, दार्जिलिंग
	11.जलपाईगुड़ी	
	12.इस्लामपुर	
	13.बीरपारा	
केरल	14.पीरमाडे, इडुक्की	
तमिलनाडु	15. गुडलूर	

4. लघु चाय उत्पादकों की गणना और क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र जारी करना :

लघु चाय उत्पादकों की गणना एक सतत प्रक्रिया है और दिनांक 31.03.2023 तक गणना की गई लघु चाय उत्पादकों की कुल संख्या इस प्रकार है:

सारणी: 4. दिनांक 31.03.2023 तक जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र की स्थिति:

क्र. सं.	**राज्य**	**चिन्हित उत्पादकों की संख्या***	**क्षेत्रफल (हेक्टेयर)***	**जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित कार्डों की संख्या**
1.	अरुणाचल प्रदेश	3526	7852	--
2.	असम	125484	117304	90968
3.	बिहार	2856	2546	2101
4.	हिमाचल प्रदेश	1526	710	560
5.	मणिपुर	473	347	--
6.	मेघालय	734	936	399
7.	मिजोरम	450	248	250

8.	नगालैंड	2509	5005	2169
9.	सिक्किम	35	14	--
10.	त्रिपुरा	2875	1423	856
11.	उत्तराखंड	1489	678	394
12.	पश्चिम बंगाल	38210	24762	30988
	कुल उत्तर भारत	**180167**	**161825**	**128685**
13.	कर्नाटक**	--	--	--
14.	केरल	7985	5343	3542
15.	तमिलनाडु	48916	35697	25728
	कुल उत्तर भारत	**56901**	**41040**	**29270**
	कुल सम्पूर्ण भारत	**237068**	**202865**	**157955**

*अनंतिम, संशोधन के अधीन।

** कर्नाटक राज्य में कोई लघु चाय उत्पादक नहीं है।

लघु चाय उत्पादकों (एसटीजी) की गणना एक सतत प्रक्रिया है। पहले की गणना, लघु उत्पादकों की संख्या और चाय क्षेत्र दोनों मूल्यांकन पर आधारित थे। टी बोर्ड ने लघु चाय उत्पादकों को पंजीकृत करना और क्यूआर कोड आधारित कार्ड जारी करना शुरू कर दिया, जो एसटीजी का विवरण, जैसे एसटीजी का नाम, भूमि जोत, जिला और राज्य आदि दर्ज करता है, जो बोर्ड को एसटीजी संबंधी आंकड़ा प्रदान करने में मदद करता है और विभिन्न प्लान योजनाओं आदि की तैयारी करने में भी मदद करता है।

5. जिला हरी पत्ती मूल्य निगरानी समितियों के माध्यम से हरी पत्ती की कीमत की निगरानी:

हरी पत्ती की कीमत की निगरानी के लिए विभिन्न चाय उत्पादक जिलों में जिला स्तरीय मूल्य निगरानी समिति की बैठकें आयोजित की गई थी।
चाय उत्पादक जिलों के जिला मजिस्ट्रेट और लघु उत्पादकों, बॉट लीफ फैक्टरियों और एस्टेट फैक्टरियों के प्रतिनिधियों वाली समितियों ने लघु उत्पादकों से संबंधित मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए नियमित बैठकें कीं।

समिति के संयोजक होने के नाते बोर्ड के अधिकारियों ने ऐसी बैठकें आयोजित करने में सहायता की।

6. लघु चाय उत्पादकों पर ध्यान केन्द्रित करना

लघु चाय उत्पादक वर्तमान में देश के कुल चाय उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हालाँकि, बगानों की बिखरी हुई प्रकृति के कारण वे असंगठित हैं। बोर्ड लघु चाय उत्पादकों को मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। बोर्ड लघु उत्पादकों को अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी), अच्छी विनिर्माण पद्धतियों (जीएमपी), जैविक चाय के उत्पादन और पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) के प्रोटोकॉल का पालन करने हेतु प्रशिक्षण भी दे रहा है। उन्हें बाज़ार की स्थिति के बारे में जानकारी देने के लिए नियमित अंतराल पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
बोर्ड लघु उत्पादकों की निर्यात क्षमता के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि उन्हें अपनी उपज के लिए प्रीमियम मूल्य भी मिल सके। यह ध्यान देने योग्य है कि लघु उत्पादकों ने पिछले कुछ वर्षों में छोटी और बड़ी चाय फैक्ट्रियाँ स्थापित करके मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाया है:

सारणी 5: लघु चाय उत्पादकों द्वारा स्थापित मिनी चाय फैक्ट्रियाँ -

क्र.सं.	राज्य/वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	कुल
1.	असम	5	11	22	6	5	8	**57**
2.	बिहार		1					**1**
3.	हिमाचल प्रदेश	1	3	8	2	1		**15**
4.	केरल			2		1		**3**
5.	मेघालय			1	2	1		**4**
6.	नगालैंड			1				**1**
7.	तमिलनाडु	1		2		2		**5**
8.	उत्तराखंड			1				**1**
9.	पश्चिम बंगाल	2		1	4		4	**11**
	कुल	**9**	**15**	**38**	**14**	**10**	**12**	**98**

सारणी 6: - लघु चाय उत्पादकों द्वारा स्थापित बड़ी चाय फैक्ट्रियाँ-

क्र.सं.	राज्य	स्थापना वर्ष	कारखाने का नाम	स्वामित्व का स्वरूप	संस्थापित क्षमता (मि.कि.ग्रा.)
1	नागालैंड	2012	इचहाबा चाय फैक्ट्री	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
2	पश्चिम बंगाल	2013	पानबारी लघु चाय उत्पादक सोसायटी (एसएचजी)	सोसायटी	0.7
3	पश्चिम बंगाल	2013	नबजागरण लघु चाय उत्पादक स्वयं सहायता समूह	सोसायटी	0.6
4	पश्चिम बंगाल	2013	जय जल्पेश लघु चाय उत्पादक सोसायटी (एसएचजी)	सोसायटी	0.7
5	असम	2015	बेगोटी टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	1.00
6	केरल	2016	मेसर्स थैंकामनी सहकारी चाय फैक्ट्री	सहकारी	0.90
7	असम	2017	अंजलि चाय फैक्ट्री	सहकारी	0.30
8	असम	2017	शांतिबाड़ी चाय फैक्ट्री	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
9	त्रिपूरा	2018	बसुमति खुद्र चाय उत्पादक स्वनिर्भर कल्याण समिति	सहकारी	0.17
10	असम	2018	मेज़ेंगा चाय फैक्ट्री	किसान उत्पादक कंपनी	0.45

11	असम	2018	मदर टी को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड	सहकारी	0.17
12	असम	2019	डिगबोई टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
13	असम	2019	वामकेन वैली टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.40
14	असम	2019	गंगमौ स्व-सहायता चाय उत्पादक एवं चाय उद्योग सहकारी समिति	सहकारी	0.60
15	पश्चिम बंगाल	2019	पूर्व हरमतिखुद्र चा चासि स्वनिर्भर गोष्ठी	सोसाइटी	0.35
16	असम	2020	जोगीभेटा चाय फैक्ट्री	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
17	असम	2020	भैरबी टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
18	पश्चिम बंगाल	2020	कवागुब खुद्र चा चसि स्वनिर्भर गोष्ठी	सोसाइटी	0.6
19	नागालैंड	2021	अटोका चाय फैक्ट्री	किसान उत्पादक कंपनी	0.50
20	असम	2021	राउडम्शा एसटीजी सोसायटी	किसान उत्पादक कंपनी	0.30
21	असम	2022	गामिरी टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.60
22	असम	2022	यूगीनन टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.50
23	असम	2022	ज्वंगलरी एग्रो एंड टी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.55
24	असम	2022	स्वर्णलता फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.50

7. चाय के शीर्ष उत्पादक :

ए. 2022-23 **के दौरान चाय उत्पादन के मामले में शीर्ष** 5 **एस्टेट फ़ैक्टरियाँ इस प्रकार हैं -**

सारणी: 7

क्र. सं.	**फैक्टरी का नाम**	**राज्य**
1	कल्लार एस्टेट चाय फैक्ट्री	केरल
2	वेन्नियर चाय फैक्ट्री	तमिलनाडु
3	रुंगमुट्टी चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
4	चुंडावुरई एस्टेट चाय फैक्ट्री	केरल
5	काकाजन चाय फैक्ट्री	असम

(स्रोत- फॉर्म ई उत्पादन रिटर्न्स)

बी. 2022-23 के दौरान चाय उत्पादन के मामले में शीर्ष 5 बॉट लीफ फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं -

सारणी: 8

क्र. सं.	फैक्टरी का नाम	राज्य
1	डालमिया टी प्लानटेंशन एंड इंडस्ट्रीज़	पश्चिम बंगाल
2	हिमालय चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
3	बड्स टी फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
4	कुंजबिहारी चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
5	एस्सेल्स चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल

(स्रोत- फॉर्म ई उत्पादन रिटर्न्स)

सी. 2022-23 के दौरान सीटीसी और ऑर्थोडॉक्स चाय की नीलामी में सबसे अधिक कीमत हासिल करने वाली शीर्ष 5 एस्टेट चाय फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं:

सारणी: 9

क्र. सं.	सीटीसी चाय		क्र. सं.	ऑर्थोडॉक्स चाय	
	फैक्टरी का नाम	राज्य		फैक्टरी का नाम	राज्य
1.	हल्मारी टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	1.	बोराही चाय फैक्ट्री	असम
2.	बनमाली टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	2.	मीनग्लास चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
3.	बेहुबोर टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	3.	लीश रिवर चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
4.	गैटूंगा टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	4.	चलौनी चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
5.	सोताई टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	5.	संकोस चाय फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल

(स्रोत एनएसई.iT)

डी. 2022-23 के दौरान दार्जिलिंग चाय की नीलामी में सबसे अधिक कीमत पाने वाली शीर्ष 5 एस्टेट फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं:

सारणी: 10

क्र. सं.	दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)
	फैक्टरी का नाम
1.	गिद्दापहाड़ टी एस्टेट फैक्ट्री
2.	हैप्पी वैली टी एस्टेट फैक्ट्री
3.	बालासुन और मुरमा चाय एस्टेट फैक्ट्री
4.	जंगपाना टी एस्टेट फैक्ट्री
5.	स्प्रिंगसाइड टी एस्टेट फैक्ट्री

(स्रोत-एनएसई .iT)

ई. 2022-23 के दौरान सीटीसी और ऑर्थोडॉक्स चाय की नीलामी में सबसे अधिक कीमत प्राप्त करने वाली शीर्ष 5 बॉट लीफ चाय फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं:

सारणी: 11

क्र सं	सीटीसी चाय		क्र. सं.	ऑर्थोडॉक्स चाय	
	फैक्ट्री का नाम	**राज्य**		**फैक्ट्री का नाम**	**राज्य**
1.	रियल असम टी इंडस्ट्रीज़	असम	1.	अवाता बिवेरेजेस	तमिलनाडू
2.	महालक्ष्मी टी इंडस्ट्रीज़	असम	2.	सिरुरिजो टी फैक्ट्री	अरुणाचल प्रदेश
3.	बिष्णुप्रिया टी इंडस्ट्रीज़	असम	3.	बोहनिमन चाय फैक्ट्री	असम
4.	लैंग्टो टी इंडस्ट्रीज़	नागालैंड	4.	सृष्टि टी इंडस्ट्री	असम
5.	पापम पारे चाय फैक्ट्री	अरुणाचल प्रदेश	5.	राजजुली चाय फैक्ट्री	असम

8. बंद किए गए फैक्ट्री:

घटिया चाय के उत्पादन पर अंकुश लगाने और गुणवत्ता में सुधार के लिए उत्तर भारत में शीतकालीन निष्क्रियता की अवधि (दिसंबर, 2022 से मार्च, 2023) के दौरान चाय विनिर्माण इकाइयाँ बंद कर दी गई थी।

9. बंद चाय बागान:

ए. सामान्य

देश में 1567 बड़े चाय बागान हैं, जिनमें से फिलहाल 06 के बंद होने की खबर है। चाय बागानों में श्रमिकों को मुख्य रूप से बागान श्रम अधिनियम, 1951 के प्रावधानों द्वारा संरक्षित किया जाता है, जिसके प्रावधान संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लागू किए जाते हैं।

बी. **बंद/तनाव के कारण**

चाय अधिनियम के अनुसार बंद/तनावग्रस्त चाय बागानों के लिए कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। संबंधित राज्य सरकार से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर टी बोर्ड द्वारा किसी बागान को बंद/तनावग्रस्त माना जाता है। मुख्य कारणों में इस्टेट की खराब उपज, चाय झाड़ी का बूढ़ा होना और चाय क्षेत्र में उच्च रिक्ति प्रतिशत, वर्षों से पुरानी चाय की झाड़ियों को उखाड़ने / पुनर्रोपन कार्य नगण्य या शून्य होना, खराब बागान प्रबंधन प्रथाओं, गिरती गुणवत्ता और कम कीमत की प्राप्ति, औद्योगिक संबंधों में तनाव, विकास के दृष्टिकोण का समग्र अभाव, अत्यधिक ऋण-उन्मुख वित्त पोषण रणनीति, स्वामित्व विवाद आदि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

देश में बंद हुए चाय बागानों का विवरण इस प्रकार है-

सारणी:12- देश में बंद हुए चाय इस्टेट

<table>
<tr><th rowspan="2">क्र.सं.</th><th rowspan="2">टी इस्टेट का नाम</th><th rowspan="2">चाय के तहत क्षेत्रफल (एकड़)</th><th rowspan="2">राज्य</th><th rowspan="2">बंद होने की तिथि</th><th colspan="2">श्रमिकों की संख्या</th><th rowspan="2">वर्तमान स्थिति</th></tr>
<tr><th>स्थायी</th><th>अस्थायी</th></tr>
<tr><td>1</td><td>पानीघाटा टी इस्टेट</td><td>460.15</td><td rowspan="3">पश्चिम बंगाल</td><td>10.10.2015</td><td>787</td><td>--</td><td>मजदूरों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने से मजदूरों में रोष है।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>लंकापाड़ा टी इस्टेट</td><td>758.45</td><td>-</td><td>1705</td><td>816</td><td>चाय अधिनियम की धारा 16 (ई) के तहत अधिसूचित किया गया था । माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिनांक 20 सितंबर, 2016 के आदेश द्वारा डंकन बागान प्रबंधन को लंकापाड़ा सहित सात अधिसूचित बगानों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया था। हालांकि डंकन इंडस्ट्रीज लिमिटेड बगीचे को फिर से खोलने में विफल रहा। इस बीच, एनसीएलटी, कोलकाता बेंच के निर्देश के अनुसार, डंकन इंडस्ट्रीज की सभी संपत्तियां/बागान इंसोल्वेंसी रेजलूशन प्रॉफेश्नल (आईआरपी) के कब्जे में हैं। आईआरपी समाधान योजना को अंतिम रूप देने के अंतिम चरण में है।</td></tr>
<tr><td>3</td><td>दूतेरियाह टी इस्टेट</td><td>444.92</td><td>09.06.2019</td><td>1248</td><td>4</td><td>श्रमिकों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने और कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति ।</td></tr>
</table>

4	पीरमिड व लोनेट्री टी इस्टेट	679.79	केरल	01.04.2016	220	--	श्रमिकों की बकाया आदि का भुगतान न करने के कारण श्रमिक अशांति। केरल सरकार टी इस्टेट को फिर से चालू करने की प्रक्रिया में है।
5	कोट्टामाला व बोनामी टी इस्टेट टी इस्टेट	677.51		23.12.2013/ 11.10.2014	375	--	कंपनी को वर्तमान में चाय अधिनियम के तहत कंपनी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए केरल उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश मिला है।. बोर्ड स्थगन हटवाने की प्रक्रिया में है।
6	बोन्नाकोर्ड टी इस्टेट	378.00		05.03.2015	220	--	वितीय संकट के कारण इस्टेट प्रबंधन ने इस्टेट को छोड़ दिया है।
	कुल	**3398.82**			**4555**	**820**	

10. चाय बागान श्रमिकों की मजदूरी

असम और पश्चिम बंगाल में चाय बागानों में कार्यरत श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए मजदूरी, प्रबंधन और श्रमिक संघों के बीच हुई बातचीत की प्रक्रिया के माध्यम से तय की जाती है। पश्चिम बंगाल के लिए वेतन वार्ता, श्रम आयुक्त की उपस्थिति में आयोजित की जाती है।

असम के मामले में द्विपक्षीय स्तर पर वार्ता संपन्न होती है और उसके बाद समझौता राज्य सरकार को भेजा जाता है। राज्य सरकार द्वारा इसकी जांच की जाती है और बागान श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत अधिसूचित किया जाता है।

केरल राज्य में, इस्टेट प्रबंधन, ट्रेड यूनियनों और राज्य सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से मजदूरी का निर्धारण किया जाता है। इसके बाद इसे अधिसूचित भी की जाती है। तमिलनाडु के मामले में, चाय उत्पादक संघों और एस्टेट प्रबंधन के बीच सामूहिक सौदेबाजी के माध्यम से मजदूरी तय की जाती है और कर्नाटक के मामले में मजदूरी निर्धारण राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है।

सारणी :13- चाय बागानों में वर्तमान राज्यवार मजदूरी :

क्र.सं	**राज्य का नाम**	**चाय रोपण वाले जिलों के नाम**	**प्रभावी तिथि/अवधि**	**दैनिक मज़दूरी**
1	असम	क) ब्रह्मपुत्र वैली	01-08-2022	232.00
		ख) बराक वैली		210.00
2	पश्चिम बंगाल	क) डुअर्स ख) तराई ग) दार्जिलिंग	01-01-2022	232.00
3	त्रिपुरा		01-01-2022	176.00
4	तमिलनाडू	क) अन्नामलाई, ख) नीलगिरिज एवं ग) नीलगिरी-वायनाड	01-09-2021	412.65
5	केरल	क) इडुक्की, ख) वायनाड	01-01-2019 व संशोधित मजदूरी दिनांक 01-01-2023 से लागू	435.03
6	कर्नाटक		23-12-2017	376.78
7	हिमाचल प्रदेश		01-04-2022	350.00
8	उत्तराखंड		01-08-2022	347.00
9	सिक्किम		11-07-2022	500.00
10	बिहार		01-01-2020	175.00

सारणी: 14- चाय विकास एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के दौरान क्षेत्रवार निधि उपयोग एवं उपलब्धियां : विकास गतिविधियां

14.1	चाय विकास एवं संवर्धन योजना: एससीएसपी और टीएएसपी सहित वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अखिल भारतीय भौतिक और वित्तीय उपलब्धि															
		पूर्वोत्तर			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड			कुल (अखिल भारत)		
घटक	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी
क. पीडीए स- एसटीजी	1. यांत्रिकीकरण	41.39	79	758	102.74	173	894	60.38	300	406	0.34	5	6	204.85	557	2064
	2. एसएचजी को सहायता	334.87	2314	89	1.25	308	1	52.05	353	17	2.68	30	2	390.85	3005	109
	3. एफपीओ को सहायता	454.69	1983	38	503.93	5272	51	181.79	3018	72	24.40	350	14	1164.81	10623	175
	4. वार्षिक पुरस्कार	1.80	3	3	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1.80	3	3
	5. मिनी फैक्ट्री के लिए सहायता	59.70	26	5	--	--	--	--	--	--	7.85	1	1	67.55	27	6
	6. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	124.60	12460	623	20.74	3080	154	16.92	2302	46	5.04	1656	37	167.30	19498	860
	7. फील्ड कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	36.80	--	--	10.84	--	--	34.18	--	--	1.00	--	--	82.82	--	--
	8. कौशल उन्नयन / एनएएफसीसी/ट्रेसेबिलिटी/न्यूज़लेटर प्रकाशन	13.67	25	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	13.67	25	--
	9. मृदा परीक्षण	3.11	1016		0.14	50	50	0.88	4	0	0.00	0	0	4.13	1070	50
	10. . जैविक कृषि इनपुट	--	--	--	--	--	--	0.55	4	--	--	--	--	0.55	4	--

	11 अन्य शासकीय व्यय/बैंक शुल्क	0.01	--	--	0.10	--	--	0.39	--	--	0.01	--	--	0.51	--	--
	अंश योग	**1070.64**	**17906**	**1516**	**639.74**	**8883**	**1150**	**347.14**	**5981**	**541**	**41.31**	**2042**	**60**	**2098.83**	**34812**	**3267**
ख. नीति फोरम	1. चाय के नमूनों की गुणवत्ता जांच और नमूने प्राप्त करना व परीक्षण सुनिश्चित करना	18.60	67	83	--	--	--	--	--	--	--	--	--	18.60	67	83
	2. जैविक रूपांतरण	33.71	11	40.31	--	--	--	--	--	--	--	--	--	33.71	11	40.31
	3. निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन	160.95	10	8.05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	160.95	10	8.05
	4. पूर्वोत्तर में उत्पादित चाय का ब्रांड निर्माण	105.49	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	105.49	--	30
	अंश योग	**318.75**	**88**	**161.36**	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**318.75**	**88**	**161.36**
ग. श्रमिकों का कल्याण	1. शैक्षिक वृति	62.34	666	--	34.17	235	--	134.86	806	--	8.80	44	--	240.17	1751	--
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	32.02	400	--	27.12	366	--	8.40	104	--	--	--	--	67.54	870	--
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	20.70	207	--	33.30	333	--	12.00	120	--	0.20	2	--	66.20	662	--
	अंश योग	**115.06**	**1273**	--	**94.59**	**934**	--	**155.26**	**1030**	--	**9.00**	**46**	--	**373.91**	**3283**	--
	कुल योग	**1504.45**	**19267**	**1677.36**	**734.33**	**9817**	**1150**	**502.40**	**7011**	**541**	**50.31**	**2088**	**60**	**2791.49**	**38183**	**3428.36**

14.2 चाय विकास और संवर्धन योजना: एससीएसपी और टीएएसपी सहित वित्त वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर पूर्वी राज्यों (एनईआर) के लिए भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

पूर्वोत्तर राज्यवार		असम		त्रिपुरा		अरुणाचल प्रदेश		नागालैंड		मेघालय		मिजोरम		मणिपुर		कुल पूर्वोत्तर	
घटक	प्रमुख गतिविधि	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या
क. पीडीएस-एसटीजी	1. यांत्रिकीकरण	41.39	79	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	41.39	79
	2. एसएचजी को सहायता	260.37	2127	--	--	--	--	74.50	187	--	--	--	--	--	--	334.87	2314
	3. एफपीओ को सहायता	384.27	1781	3.98	26	--	--	66.09	149	0.35	27	--	--	--	--	454.69	1983
	4. वार्षिक पुरस्कार	1.80	3	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1.80	3
	5. मिनी फैक्ट्री के लिए सहायता	59.70	26	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	59.70	26
	6. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	116.60	11660	3.60	360	4.00	400	--	--	0.40	40	--	--	--	--	124.60	12460
	7. फील्ड कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	34.14	--	1.45	--	0.68	--	--	--	0.18	--	0.35	--	--	--	36.80	--
	8. कौशल उन्नयन/ एनएएफसीसी/ ट्रेसेबिलिटी/ न्यूज़लेटर प्रकाशन	13.67	25	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	13.67	25
	9. मृदा परीक्षण	3.11	1016	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	3.11	1016
	10. अन्य शासकीय व्यय/बैंक शुल्क	0.01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0.01	--
	अंश योग	**915.06**	**16717**	**9.03**	**386**	**4.68**	**400**	**140.59**	**336**	**0.93**	**67**	**0.35**	--	--	--	**1070.64**	**17906**
ख. उत्तर पूर्व के लिए नीति फोरम	1. चाय के नमूनों की गुणवत्ता जांच और नमूने प्राप्त करना व परीक्षण सुनिश्चित करना	18.60	67	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	18.60	67
	2. जैविक रूपांतरण	1.00	1	--	--	--	--	32.71	10	--	--	--	--	--	--	33.71	11
	3. निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन (मि.कि.ग्रा.)	160.95	10	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	160.95	10
	4. पूर्वोत्तर में उत्पादित चाय का ब्रांड निर्माण	91.08	--	5.37	--	4.75	--	0.97	--	0.96	--	--	--	2.36	--	105.49	--
	अंश योग	**271.63**	**78**	**5.37**	--	**4.75**	--	**33.68**	**10**	**0.96**	--	--	--	**2.36**	--	**318.75**	**88**

ग. श्रमिकों का कल्याण	1. शैक्षिक वृति	60.34	647	1.23	13	--	--	0.66	4	0.11	2	--	--	--	--	62.34	666
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	31.14	389	0.16	2	--	--	0.64	8	0.08	1	--	--	--	--	32.02	400
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	20.00	200	0.50	5	--	--	0.20	2	--	--	--	--	--	--	20.70	207
	अंश योग	**111.48**	**1236**	**1.89**	**20**	--	--	**1.50**	**14**	**0.19**	**3**	--	--	--	--	**115.06**	**1273**
	कुल योग	**1298.17**	**18031**	**16.29**	**406**	**9.43**	**400**	**175.77**	**360**	**2.08**	**70**	**0.35**	**0**	**2.36**	--	**1504.45**	**19267**

14.3 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एससीएसपी और टीएएसपी सहित उत्तर पूर्वी राज्यों के अलावा अन्य (ओएनईआर) के लिए भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

ओएनईआर राज्यवार		दार्जिलिंग जीआई		पश्चिम बंगाल (दार्जिलिंग जीआई के अलावा)		बिहार		तमिलनाडु		केरल		हिमाचल प्रदेश		उत्तराखंड		कुल ओएनईआर	
घटक	**प्रमुख गतिविधि**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (लाख रूपये में)**	**लाभार्थियों की संख्या**
क. **पीडीएस-एसटीजी**	1. यांत्रिकीकरण	9.03	21	92.89	148	0.82	4	58.03	282	2.35	18	0.34	5	0.00	0	163.46	478
	2. एसएचजी को सहायता	1.25	308			0	0	36.70	323	15.35	30	2.68	30	0.00	0	55.98	691
	3. एफपीओ को सहायता	13.4	143	490.5	5129	0	0	156.53	2810	25.26	208	21.46	270	2.94	80	710.12	8640
	4. मिनी फैक्ट्री के लिए सहायता			0	0	0	0	0.00	0	0.00	0	7.85	1	0.00	0	7.85	1
	5. कार्यशाला	1.7	280	17.6	2560	1.44	240	14.98	1994	1.94	308	4.46	1472	0.58	184	42.70	7038

	एवं प्रशिक्षण																
	6. फील्ड कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	0.44		9.59		0.81	0	29.26	0	4.92	0	0.00	0	1.00	0	46.02	0
	7. मृदा परीक्षण			0.14	50	0	0	0.88	4	0.00	0	0.00	0	0.00	0	1.02	54
	8. जैविक कृषि इनपुट			0	0	0	0	0.15	1	0.40	3	0.00	0	0.00	0	0.55	4
	9. अन्य शासकीय व्यय/बैंक शुल्क			0.1	0	0	0	0.22	0	0.00	0	0.01	0	0.00	0	0.33	0
	अंश योग	**25.82**	**752**	**610.85**	**7887**	**3.07**	**244**	**296.75**	**5414**	**50.22**	**567**	**36.78**	**1778**	**4.52**	**264**	**1028.02**	**16906**
ख. कल्याण	1. शैक्षिक वृति	5.69	35	27.15	193	1.33	7	131.13	782	3.73	24	8.05	40	0.76	4	177.83	1085
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	0.32	4	26.48	358	0.32	4	6.32	78	2.08	26	0.00	0	0.00	0	35.52	470
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	0.2	2	33.1	331	0	0	9.60	96	2.40	24	0.20	2	0.00	0	45.50	455
	अंश योग	**6.21**	**41**	**86.73**	**882**	**1.65**	**11**	**147.05**	**956**	**8.21**	**74**	**8.25**	**42**	**0.76**	**4**	**258.85**	**2010**
	कुल योग	**32.03**	**793**	**697.6**	**8769**	**4.72**	**255**	**443.80**	**6370**	**58.43**	**641**	**45.03**	**1820**	**5.28**	**268**	**1286.87**	**18916**

14.4 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए क्षेत्रवार लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व	बिहार सहित पश्चिम बंगाल	दक्षिण भारत	हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड	कुल(अखिल भारतीय)										
घटक	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	क्षेत्रफल (एकड़) / मि. किग्रा. / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की सं./एसटीजी
क. पीडीस-एसटीजी	1. यांत्रिकीकरण	41.39	79	758	102.74	173	894	60.38	300	406.00	0.34	5	6.00	204.85	557	2064
	2. एसएचजी को सहायता	334.87	2314	89	1.25	308	1	52.05	353	17.00	2.68	30	2.00	390.85	3005	109
	3. एफपीओ को सहायता	454.69	1983	38	503.93	5272	51	181.79	3018	72.00	24.40	350	14.00	1164.81	10623	175
	4. वार्षिक पुरस्कार	1.80	3	3	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1.80	3	3
	5. मिनी फैक्ट्री के लिए	59.70	26	5	--	--	--	--	--	--	7.85	1	1.00	67.55	27	6

	सहायता															
	6. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	124.60	12460	623	20.74	3080	154	16.92	2302	46.00	5.04	1656	37.00	167.30	19498	860
	7. मृदा परीक्षण	3.11	1016	--	0.14	50	50	0.88	4	--	--	--	--	4.13	1070	50
	8. जैविक कृषि इनपुट (हे)	--	--	--	--	--	--	0.55	4	--	--	--	--	0.55	4	--
	अंश योग	**1020.16**	**17881**	**1516**	**628.80**	**8883**	**1150**	**312.57**	**5981**	**541**	**40.30**	**2042**	**60**	**2001.83**	**34787**	**3267**
ख. नीति फोरम	1. चाय के नमूनों की गुणवत्ता जांच और नमूने प्राप्त करना व परीक्षण सुनिश्चित करना	18.60	67	83.00	--	--	--	--	--	--	--	--	--	18.60	67	83
	2. जैविक रूपांतरण	33.71	11	40.31	--	--	--	--	--	--	--	--	--	33.71	11	40
	अंश योग	**52.31**	**78.00**	**123.31**	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**52.31**	**78**	**123.31**
	कुल योग	**1072.47**	**17959**	**1639.31**	**628.80**	**8883**	**1150**	**312.57**	**5981**	**541**	**40.30**	**2042**	**60**	**2054.14**	**34865**	**3390.31**

14.5 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर पूर्व (एनईआर) में राज्यवार लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

		असम		त्रिपुरा		अरुणाचल प्रदेश		नागालैंड		मेघालय		कुल उत्तर पूर्व	
क्र. सं.	गतिविधि	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या
1	यांत्रिकीकरण	41.39	79	--	--	--	--	--	--	--	--	41.39	79
2	एसएचजी को सहायता	260.37	2127	--	--	--	--	74.50	187	--	--	334.87	2314
3	एफपीओ को सहायता	384.27	1781	3.98	26	--	--	66.09	149	0.35	27	454.69	1983
4	मिनी फैक्ट्री के स्थापना लिए सहायता (एसटीजी)	59.70	26	--	--	--	--	--	--	--	--	59.70	26
5	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	116.60	11660	3.60	360	4.00	400	--	--	0.40	40	124.60	12460
6	मृदा परीक्षण	3.11	1016	--	--	--	--	--	--	--	--	3.11	1016
7	वार्षिक पुरस्कार	1.80	3	--	--	--	--	--	--	--	--	1.80	3
8	जैविक रूपांतरण	1.00	1	--	--	--	--	32.71	10	--	--	33.71	11
9	चाय के नमूनों की गुणवत्ता जांच और नमूने प्राप्त करना व परीक्षण सुनिश्चित करना	18.60	67	--	--	--	--	--	--	--	--	18.60	67
	कुल	**886.84**	**16760**	**7.58**	**386**	**4.00**	**400**	**173.30**	**346**	**0.75**	**67**	**1072.47**	**17959**

14.6 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक और वित्तीय उपलब्धि, उत्तर पूर्व के अलावा अन्य (ओएनईआर) के राज्यवार

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लघु चाय उत्पादकों (एसटीजी) के तहत राज्यवार उपलब्धि - उत्तर पूर्व क्षेत्र को छोड़कर															
		पश्चिम बंगाल		बिहार		तमिलनाडु		केरल		हिमाचल प्रदेश		उत्तराखंड		कुल ओएनईआर	
क्र. सं.	गतिविधि	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या
1	यांत्रिकीकरण	101.92	169	0.82	4	58.03	282	2.35	18	0.34	5.00	--	--	163.46	478
2	एसएचजी को सहायता	1.25	308	--	--	--	323	15.35	30	2.68	30.00	--	--	55.98	691
3	एफपीओ को सहायता	503.93	5272	0.00	0.00	156.53	2810	25.26	208	21.46	270.00	2.94	80	710.12	8640
4	मिनी फैक्ट्री के स्थापना लिए सहायता (एसटीजी)	--	--	--	--	--	--	--	--	7.85	1.00	--	--	7.85	1
5	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	19.30	2840	1.44	240.00	14.98	1994	1.94	308	4.46	1472.00	0.58	184	42.70	7038
6	मृदा परीक्षण	0.14	50	0.00	0.00	0.88	4	--	--	--	--	--	--	1.02	54
7	वार्षिक पुरस्कार	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
8	जैविक रूपांतरण	--	--	--	--	0.15	1	0.40	3	--	--	--	--	0.55	4
	कुल	**626.54**	**8639**	**2.26**	**244**	**267.27**	**5414**	**45.30**	**567**	**36.78**	**1778**	**3.52**	**264**	**981.67**	**16906**

14.7. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लघु चाय उत्पादकों के आश्रितों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए श्रमिकों के कल्याण के तहत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड		कुल(अखिल भारतीय)	
घटक	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या
श्रमिकों का कल्याण	1. शैक्षिक वृत्ति	62.34	666	34.17	235	134.86	806	8.80	44	240.17	1751
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	32.02	400	27.12	366	8.40	104	0.00	0	67.54	870
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	20.70	207	33.30	333	12.00	120	0.20	2	66.20	662
	अंश योग	**115.06**	**1273**	**94.59**	**934**	**155.26**	**1030**	**9.00**	**46**	**373.91**	**3283**

14.8 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राज्यवार लघु चाय उत्पादकों के आश्रितों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

राज्य→	असम	त्रिपुरा	नागालैंड	मेघालय	पश्चिम बंगाल	बिहार	तमिलनाडू	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल
वित्तीय (लाख रूपये में)	111.48	1.89	1.5	0.19	92.94	1.65	147.05	8.21	8.246	0.756	**373.91**
लाभार्थियों की संख्या	1236	20	14	3	923	11	956	74	42	4	**3283**

14.9. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए क्षेत्रवार अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल(अखिल भारतीय)		
घटक	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण /एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण /एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या
क. पीडीएस-एसटीजी	1.यांत्रिकीकरण	17.59	40	452	67.48	99	624	46.00	140	201	--	--	--	131.07	279	1277
	2. एसएचजी को सहायता	28.31	346	14	--	--	--	28.65	155	8	--	--	--	56.96	501	22
	3. एफपीओ को सहायता	--	--	--	68.46	623	6	26.14	79	3	2.44	48	2	97.04	750	11
	4. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	20.00	2000	100	--	--	--	1.85	167	5	2.48	781	18	24.33	2948	123
	अंश योग	**65.90**	**2386**	**566**	**135.94**	**722**	**630**	**102.64**	**541**	**217**	**4.92**	**829**	**20**	**309.40**	**4478**	**1433**
ख. श्रमिकों का कल्याण	1. शैक्षिक वृति	2.61	28	--	6.44	53	--	0.75	5	--	0.18	1	--	9.98	87	--
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	0.48	6	--	10.96	137	--	--	--	--	--	--	--	11.44	143	--
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	0.20	2	--	11.90	119	--	--	--	--	--	--	--	12.10	121	--
	अंश योग	**3.29**	**36**	**--**	**29.30**	**309**	**--**	**0.75**	**5**	**--**	**0.18**	**1**	**--**	**33.52**	**351**	**--**
	कुल योग	**69.19**	**2422**	**566**	**165.24**	**1031**	**630**	**103.39**	**546**	**217**	**5.10**	**830**	**20**	**342.92**	**4829**	**1433**

14.10. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राज्यवार अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

राज्यवार	असम	त्रिपुरा	पश्चिम बंगाल	बिहार	तमिलनाडु	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल
वित्तीय(लाख रूपये में)	68.59	0.60	165.16	0.08	93.74	9.65	2.08	3.02	342.92
लाभार्थियों की संख्या	2362	60	1030	1	537	9	598	232	4829

14.11. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए क्षेत्रवार जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल(अखिल भारतीय)		
मुख्य शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/ उप घटक	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या/उपकरण/ एसटीजी की संख्या
क. पीडीएस-एसटीजी	1. यांत्रिकीकरण	23.51	36	303	33.25	60	252	6.52	26	41	--	--	--	63.28	122	596
	2. एसएचजी को सहायता	94.72	433	19	--	--	--	15.63	108	4	0.15	15	1	110.50	556	24
	3. एफपीओ को सहायता	69.76	201	8	2.19	32	1	18.30	1172	40	--	--	--	90.25	1405	49
	4. मिनी फैक्ट्री के स्थापना लिए सहायता	10.59	3	3	--	--	--	--	--	--	--	--	--	10.59	3	3
	5. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण (प्रशिक्षण की संख्या)	4.20	420	21	0.90	100	5	5.51	800	13	1.72	490	10	12.33	1810	49
	अंश योग	202.78	1093	354	36.34	192	258	45.96	2106	98	1.87	505	11	286.95	3896	721

ख. श्रमिकों का कल्याण	1. शैक्षिक वृति	5.79	59	--	1.73	15	--	--	--	--	1.01	6	--	8.53	80	--
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	5.04	63	--	0.16	2	--	--	--	--	--	--	--	5.20	65	--
	3. बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्दार्थियों को पुरस्कार	3.50	35	--	0.50	5	--	--	--	--	--	--	--	4.00	40	--
	अंश योग	**14.33**	**157**	**--**	**2.39**	**22**	**--**	**--**	**--**	**--**	**1.01**	**6**	**--**	**17.73**	**185**	**--**
	कुल योग	**217.11**	**1250**	**354**	**38.73**	**214**	**258**	**45.96**	**2106**	**98**	**2.88**	**511**	**11**	**304.68**	**4081**	**721**

14.12. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के तहत राज्यवार भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए टीएएसपी के तहत राज्यवार उपलब्धि											
राज्यवार	**असम**	**त्रिपुरा**	**नागालैंड**	**मेघालय**	**पश्चिम बंगाल**	**बिहार**	**तमिलनाडु**	**केरल**	**हिमाचल प्रदेश**	**उत्तराखंड**	**कुल**
वित्तीय (लाख रूपये में)	95.24	0.79	120.14	0.94	38.33	0.40	40.86	5.10	2.52	0.36	**304.68**
लाभार्थियों की संख्या	831	26	323	70	174	40	2017	89	509	2	**4081**

11. अन्य गतिविधियाँ:

बोर्ड की योजना के कार्यान्वयन के अतिरिक्त, क्षेत्र अधिकारी लघु चाय उत्पादकों, बॉट लीफ़ फैक्ट्री को सलाहकार सेवाएं प्रदान करने, स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ और एफपीसी के गठन में लघु चाय उत्पादकों के सामूहिकीकरण, कच्चे माल के साथ-साथ निर्मित चाय के गुणवत्ता पर निगरानी रखने, पीपीसी अनुपालन का कार्यान्वयन, विभिन्न सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रहण, जो विभिन्न नीतियों के निर्माण में मदद करता है, विभिन्न तकनीकी मुद्दों पर विभिन्न कार्यशालाओं / सेमिनारों का आयोजन, चाय संवर्धन, घरेलू खपत बढ़ाने के लिए विभिन्न गुणवत्ता चाय और स्वास्थ्य लाभों पर जागरूकता पैदा करना, लघु चाय उत्पादकों को अन्य सरकारी निकायों/एमएसएमई की से सहायता प्राप्त करने के लिए सहायता पहुंचाना, विभिन्न गुणवत्ता मानकों के तहत विश्लेषण के लिए चाय के नमूने एकत्र करना, उत्पादकों को बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिए जैविक चाय की खेती के लिए प्रोत्साहित करना, उत्पाद विविधीकरण के लिए कारखाने के मालिकों को प्रोत्साहित करना और मूल्यवर्धन आदि के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी होते हैं। ऐसी सभी गतिविधियों का उद्देश्य आत्म निर्भर भारत की ओर एक कदम योजना के तहत उन्हे आत्म-चिरस्थायी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके आय को दोगुना करना है।

क. देश में 2022-23 के दौरान बोर्ड के कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं / संगोष्ठियों / जागरूकता कार्यक्रम का विवरण :

सारणी: 15

क्षेत्र	वित्तीय (लाख रूपये में)	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या
उत्तर बंगाल और बिहार	20.74	3080	154
उत्तर पूर्व	124.60	12460	623
दक्षिण भारत	16.92	2302	46
हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड	5.04	1656	37
कुल	**167.30**	**19498**	**860**

ख. उत्तर पूर्वी राज्यों में महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रम :

लघु उद्योग भारती (Laghu Udyog Bharati) द्वारा दिनांक 22.04.2022 से 25.04.2022 के दौरान खानापारा, गुवाहाटी में 7वां भारतीय औद्योगिक मेला, उद्यम' 2022 आयोजित किया गया। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्री सोम प्रकाश ने दिनांक 25 अप्रैल, 2022 को अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण " परिवार कल्याण और निवारक चिकित्सा निदेशालय", त्रिपुरा सरकार द्वारा दिनांक 09-04-2022 को "ईट राइट मेला" आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री बिप्लब कुमार देब द्वारा किया गया।

मेघालय सरकार के खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय द्वारा शिलांग में दिनांक 5 से 7 मई, 2022 तक नॉर्थ ईस्ट फूड शो आयोजित किया गया। मेघालय और सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री ने दिनांक 5 मई, 2022 को बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया ।

दिनांक 25.06.2022 को डिब्रूगढ़, असम में भारतीय पैकेजिंग संस्थान, कोलकाता के माध्यम से पैकेजिंग मानकों के निर्माण पर हितधारकों को परामर्श दिया गया।

दिनांक 27-28 जुलाई, 2022 को भारतीय उद्दमिता संस्थान, गुवाहाटी के सहयोग से गोलाघाट, असम के लघु चाय उत्पादकों के लिए दो दिवसीय उद्दमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लघु चाय उत्पादकों के बागान से मृदा के नमूनों का संग्रहण

कार्यशालाएँ, संगोष्ठियों, आभासी बैठकें, सलाहकार सेवाएँ, नियामक गतिविधियाँ

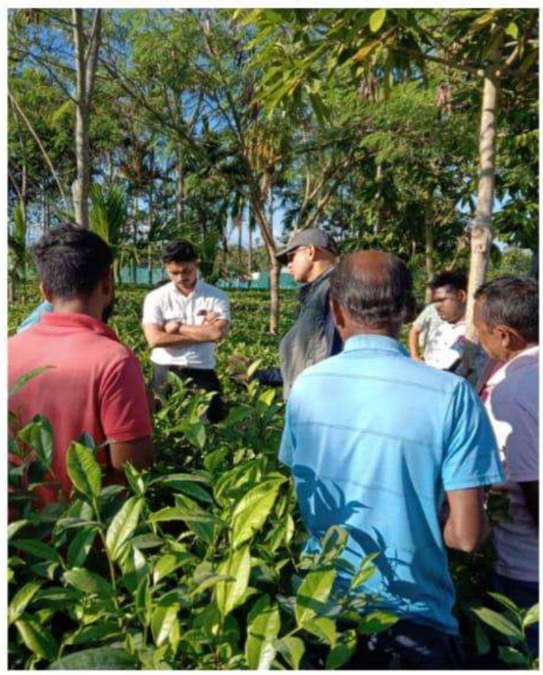

गुणवत्ता जांच: पीपीसी अनुमोदित रसायनों के अनुपालन का निरीक्षण

ग. दक्षिण भारत में महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रम :

आविन, ऊटी, नीलगिरी में दिनांक 12.12.2022 को विशेष चाय बुटीक का उद्घाटन डॉ. एम.मुथुकुमार, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, टी बोर्ड भारत, अंचल कार्यालय, कुन्नूर एवं श्री एस.पी.अमृत,आईएएस, जिला कलेक्टर, नीलगिरी, द्वारा किया गया।

जनजातीय उत्पादकों के लिए दिनांक 07.03.2023 को अध्ययन यात्रा नेचुरल फ़ार्मिंग, पंडालूर, द नीलगिरीज , तमिलनाडु में आयोजित की गई ।

दिनांक 20.06.2022 को पसुपारा, पीरमाडे, इडुक्की, केरल में लघु चाय उत्पादकों के समूह को सहायता किया जाना और प्रशिक्षण प्रदान करना

दिनांक 12.1.2023 को थम्बट्टी, सी. मनिहट्टी, नीलगिरी में प्रशिक्षण/कार्यशाला आयोजित की गई

दिनांक 20.1.2023 को रौसदामुल्लई चाय फैक्ट्री और कोल्लीमलाई, नीलगिरी में प्रशिक्षण/कार्यशाला आयोजित की गई

श्री सौरभ पहाड़ी, आईएएस, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड और डॉ. एम. मुथुकुमार, आईएएस, कार्यकारी निदेशक-दक्षिण भारत द्वारा हितधारकों के साथ बैठक और कृषि उपकरणों का वितरण

घ. उत्तर बंगाल क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रम :

टी बोर्ड भारत का 69वां स्थापना दिवस को बोर्ड के अंचल कार्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा मनाया गया।

बोर्ड कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिनांक 1 अप्रैल, 2022 को टी बोर्ड भारत के 69वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ आभासी बैठक में भाग लिया।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, भारत सरकार की अध्यक्षता में बैठक दिनांक 19 नवंबर, 2022 को राज्य अतिथि गृह, सिलीगुड़ी में लघु चाय उत्पादकों के प्रतिनिधियों सहित।

श्री सुनील बर्थवाल, आईएएस, केंद्रीय वाणिज्य सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार का उत्तर बंगाल में दिनांक 20.01.2023 से 22.01.2023 तक दौरा

दिनांक 20.12.2022 को नयाहाट (सुदामगाच), दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में शीत ऋतु में अपनाए जाने वाली कृषि प्रथाओं के संबंध में प्रूनिंग और प्रशिक्षण कार्यक्रम का निदर्शन

लटागुरी, क्रांति ब्लॉक, जिला-जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में लघु चाय उत्पादकों के लिए शीत ऋतु में अपनाए जाने वाली कृषि प्रथाओं के संचालन एवं स्पेशलिटी चाय के संबंध में दिनांक 22.11.2022 को एक दिवसीय कार्यशाला सह संगोष्ठी आयोजित किया गया

रवीन्द्र एफपीसी**,** फुलकाडाबरी**,** मेखलीगंज**,** कूचबिहार में दिनांक 29.07.2022 को प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

ड़. हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की झलकियाँ

वाणिज्य सचिव श्री सुनील बर्थवाल, आईएएस, पालमपुर में दिनांक 16.12.2022 से 19.12.2022 के दौरे के दौरान कांगड़ा चाय उद्योग के हितधारकों के साथ बातचीत

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, पालमपुर द्वारा ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम और ऑफ कैंपस फील्ड दौरे का आयोजन किया गया

अध्याय-5:
चाय अनुसंधान

टी बोर्ड भारत का अनुसंधान निदेशालय पूरे भारत में चाय अनुसंधान और विकास गतिविधियों के संचालन में संलग्न तीन चाय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) अर्थात उत्तर भारत के लिए चाय अनुसंधान संघ (टीआरए), दक्षिण भारत के लिए उपासी-चाय अनुसंधान फाउंडेशन एवं दार्जिलिंग के लिए दार्जिलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआरडीसी)की सहायता से चाय अनुसंधान का समन्वय और मूल्यांकन करता है । वर्ष 2022-2023 के दौरान की गई अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का सारांश नीचे दिया गया है:-

5.1 चाय अनुसंधान संघ (टीआरए):

वर्ष 2022-23 में उद्योग ने धीरे-धीरे स्वयं को कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के चंगुल से मुक्त कर लिया। हालाँकि, असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में खराब मौसम की स्थिति ने इन क्षेत्रों में स्थित बागान की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। टीआरए को भी ज्यादातर मौजूदा वित्तीय संकट के कारण कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी कई प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करने में कामयाब रहा।

5.1.1 जलवायु परिवर्तन के प्रवृत्तीयों का विश्लेषण:

वर्षा पैटर्न में प्रवृत्तीयों की पहचान करने के लिए असम के दक्षिण तटीय क्षेत्र में कुल वर्षा से संबंधित आंकड़ा तैयार किया गया था और समय के साथ कुल वर्षा में कमी का संकेत देते हुए गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई। 1918 से कमी की कुल मात्रा 200 मिमी से अधिक पाई गई। 2022 में कुल वर्षा 1869.4 मिमी पाई गई जो कि 2003.6 मिमी के दीर्घकालिक सामान्य से 134.2 मिमी कम है। 1923 से असम के दक्षिण तट क्षेत्र में दीर्घकालिक तापमान डेटा के विश्लेषण से अधिकतम तापमान में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है, जिसमें पिछले दो वर्षों के दौरान विशेष रूप से तेज वृद्धि हुई है। एक बागानी फसल होने के नाते चाय स्वाभाविक रूप से जलवायु परिवर्तन के जोखिमों और प्रभावों के प्रति संवेदनशील है। इसलिए सुधारात्मक उपायों को अपनाना महत्वपूर्ण है। चाय बागानों में वर्षा जल संचयन को एक ऐसे दृष्टिकोण के रूप में पहचाना गया है, जो शुष्कता की अवधि के दौरान सिंचाई उद्देश्यों के लिए वर्षा जल के उत्कृष्ट भंडार के रूप में काम कर सकता है। परियोजना "हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन - कृषि पर कार्यबल" के तहत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अनुकूलन उपाय के रूप में एक क्षेत्र के माइक्रॉक्लाइमेट पर वर्षा जल संचयन के प्रभाव पर एक अध्ययन शुरू किया गया था। चाय में कार्बन डाइऑक्साइड के मान के नाजुक/दहलीज रेखा निर्धारित करने के लिए कुछ लोकप्रिय बागान श्रृंखला के क्लोन गमलों में लगाए गए थे। इन गमलों में लगे पौधों को फिर बढ़े हुए तापमान और परिवेशी वातावरण में रखा गया था। प्रारंभिक पौध आंकड़े जैसे पौधे की ऊंचाई, कॉलर व्यास, शाखा संख्या और पत्ती संख्या को मापा गया। एक कक्ष में पौधों को आरंभ में 550 पीपीएम कार्बन डाइऑक्साइड से समृद्ध किया गया था। समृद्धिकरण के एक सौ घंटे के बाद, पौधे के रूपात्मक मापदंडों को मापा गया और विकास की निगरानी की गई। कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को 650 पीपीएम और 750 पीपीएम तक बढ़ाने के बाद प्रत्येक सौ घंटे के अंतराल के बाद रूपात्मक मापदंडों को मापा गया। 850 पीपीएम तक कार्बन डाइऑक्साइड स्तर का समृद्धिकरण पूरा किया गया और तदनुसार समान रूपात्मक मापदंडों को मापा गया।

5.1.2 चाय कृषि विज्ञान:

ड्रिप सिंचाई पर एक प्रयोग के तहत 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम (एज़ोटोबैक्टर + एज़ोस्पिरिलम + पीएसबी) के एकीकरण के साथ उपचार में संशोधन किया गया और 11 उपचार और 3 प्रतिकृति के साथ रैनडम ब्लॉक डिजाइन में रखा गया। 2022-23 की अवधि के दौरान, चाय झाड़ियों को बिना प्रून किए छोड़ दिया गया और परिणामों से पता चला कि 100% ईटीलॉस + 100% आरडीएफ + 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम पर सिंचाई के साथ उपचार से उपज में 21.46% की वृद्धि हुई, जो वर्षा आधारित नियंत्रण से अधिक महत्वपूर्ण पाई गई। दूसरी तरफ, 100% ईटीलॉस + 75% आरडीएफ + 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम पर उपचार और 100% ईटीलॉस + 50% आरडीएफ + 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम पर उपचार बराबर पाया गया, जो वर्षा आधारित नियंत्रण से उपज में 19.24% और 19.06% वृद्धि दर्शाता है। हालाँकि, ड्रिप के माध्यम से 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम के एकमात्र अनुप्रयोग के साथ उपचार में उपज में 4.05% की वृद्धि हुई थी। विशेष रूप से, 2% माइक्रोबियल कंसोर्टियम के साथ सिंचाई और उर्वरक के सभी तीन स्तरों ने उपज पर समान प्रभाव दिखाया, जो N व K की खुराक में 50% आरडीएफ के स्तर तक कटौती का संकेत देता है।

खरपतवार नियंत्रण के वैकल्पिक तरीकों पर प्रयोगों से पता चला कि कंट्रोल के तुलना में सबसे अधिक उपज जल-जलकुंभी मल्च (टी-3) में पाई गई, इसके बाद धान-पुआल मल्च (टी-4) और पीपी गैर-बुना सिंथेटिक मल्च (टी-2) में पाई गयी। विभिन्न उपचारों के तहत मिट्टी का तापमान बराबर पाया गया। हालाँकि, लोबिया, मूंग और उड़द जैसी फसलों की वृद्धि वांछित स्तर तक नहीं हो सकी। काले प्लास्टिक, पीपी गैर-बुना सिंथेटिक, जल-जलकुंभी और धान-पुआल मल्च के उपचार में 90 दिनों तक खरपतवार की वृद्धि नहीं देखी गई। चीलिंग प्लॉटों में खरपतवार की वृद्धि 30 दिनों के बाद ही दिखाई दे रही थी।

पॉलीहैलाइट्स पर एक प्रयोग 2021 में शुरू किया गया था और इसे रैंडम ब्लॉक डिज़ाइन के अनुसार तैयार किया गया था, जिसमें तीन प्रतिकृति के साथ सात उपचार थे। 2022 में किए गए प्रयोग के सांख्यिकीय विश्लेषण से दर्ज फसल उपज आंकड़े में मामूली अंतर का पता चला।

5.1.3 कीट प्रबंधन:

त्रिपुरा, सिलचर और ऊपरी असम से जीवित लकड़ी दीमकों की पहचान की गई। तीन अलग-अलग बगीचों (नाम्बुरनाडी, हाथीकुली और टोकलाई) के दीमकों से तीन आंत के नमूने (टीजी-एन, टीजी-एच, टीजी-टी) को पृथक किया गया और दीमक आंत के अंदर बैक्टीरिया के विभिन्न समूहों की पहचान करने के लिए मेटागेनोमिक अनुक्रमण के लिए भेजा गया। दीमकों के कवक शल्क से प्राप्त कवक को ग्लिसरॉल स्टॉक में संरक्षित किया गया तथा सब-कल्चर किया गया। अज्ञात कवक नमूनों का डीएनए पृथककरण प्रगति पर है। एक कवक शल्क को मेटागेनोमिक अनुक्रमण के लिए भेजा गया था।

टी लूपर्स (हाइपोसिड्रेटालाका) के विरुद्ध एक सहायक (मकाडजुवोल) के साथ संयोजन में क्विनालफोस, डेल्टामेथ्रिन, इमामेक्टिन बेंजोएट और फ्लुबेडियामाइड की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए संकोस, गांद्रापारा और होप टीगार्डन में प्रयोगशाला परीक्षण किए गए। इसी तरह, मैकडजुवोल के साथ संयोजन में क्विनालफोस, डेल्टामेथ्रिन और थियामेथोक्साम का हरी मक्खी (एम्पोस्काफ्लेवेसेंस), थ्रिप्स (स्कर्टोथ्रिप्स डोर्सलिस), और टी मॉस्किटो बग (हेलोपेल्टिस्टीवोरा) के विरुद्ध परीक्षण किया गया था। सभी मामलों में, उपचारों के संयोजन ने सभी कीटों के विरुद्ध बढ़ी हुई मृत्यु दर प्रदर्शित की।

टी मॉस्किटो बग और लूपर कैटरपिलर के विरुद्ध बीटासायफ्लुथ्रिन 90जी/एल+ इमिडाक्लोप्रिड 210जी/एलओडी (सोलोमन) की जैव-प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया गया था। टी मॉस्किटो बग और लूपर कैटरपिलर के खिलाफ फील्ड परीक्षण एनबीआरआरडीसी, नागराकाटा में प्रायोगिक प्लॉट पर 200 मिली, 250 मिली और 300 मिली प्रति हेक्टेयर बीटासीफ्लुथ्रिन 90 G/L + इमिडाक्लोप्रिड 210 जी/एल OD (सोलोमन) के संयोजन उत्पाद के साथ तीन अलग-अलग सांद्रता में लगातार दो सीज़न के लिए आयोजित किए गए थे। 15 दिनों के अंतराल पर दो बार छिड़काव किए गए और परिणामों की तुलना कुछ सीआईबी-अनुमोदित कीटनाशकों डेल्टामेथ्रिन 2.8% EC और थियामेथोक्साम 25% WG के साथ की गई। छिड़काव के चौथे सप्ताह के बाद, 300 मिली/हेक्टेयर की दर से कीटनाशक के संयोजन उत्पाद के मुकाबले टी मॉस्किटो बग में लगभग 81% की कमी दर्ज की गई और लूपर कैटरपिलर के मामले में, 300 मिली/हेक्टेयर दर से कीटनाशक के संयोजन उत्पाद के मुकाबले लगभग 82% नियंत्रण दर्ज किया गया।

एनबीआरआरडीसी में प्रायोगिक प्लॉट पर सीज़न-I के लिए BCS-CW64991 के कोडित उत्पाद के साथ तीन अलग-अलग सांद्रता 200 मिली, 250 मिली और 300 मिली प्रति हेक्टेयर पर लाल मकड़ी घुन (रेड स्पाइडर माइट) के विरुद्ध एक फील्ड परीक्षण आयोजित किया गया था। 15 दिनों के अंतराल पर दो छिड़काव किए गए और परिणामों की तुलना सीआईबी-अनुमोदित एसारिसाइड्सप्रॉपरगाइट 57% EC से की गई। छिड़काव के चौथे सप्ताह के बाद, 300 मिली/हेक्टेयर की दर से कोडित उत्पाद के मुकाबले नियंत्रण पर लाल मकड़ी घुन में लगभग 95% की कमी दर्ज की गई।

चयनित चाय किस्मों पर टी लूपर (हाइपोसिड्रेटालाका) की परिवर्तनशील वरीयता और पोषण सूचकांक पर एक अध्ययन शुरू किया गया था। एच. टैलाकालार्वे की परिवर्तनशील वरीयता का पता लगाने के लिए, चार चयनित चाय किस्मों की पत्तियां पर इंस्टार II, III, IV और V को अलग-अलग रखा गया। चयनित चाय की किस्मों में एच. तालका के लार्वा द्वारा भोजन की खपत और वजन में काफी अंतर देखा गया। III इंस्टार लार्वा द्वारा शरीर का वजन बढ़ना भी टीवी-20 पर खिलाए जाने पर सबसे अधिक पाया गया, इसके बाद सूनगाची-38, TV-1 और 107/17 का स्थान रहा।

5.1.4 <u>रोग प्रबंधन</u>:

कुछ माइक्रोबियल स्ट्रेंसों के विरुद्ध फ्यूसेरियम प्रजाति के लिए इन-विट्रो एंटागोनिस्टिक स्क्रीनिंग परख की गई और प्रतिशत अवरोध 27.15-59.95% की सीमा में दर्ज किया गया।

गंभीर कीट और बीमारी की समस्या वाले डिफ्लू चाय बागान में एक फील्ड परीक्षण किया गया था, जहां मिट्टी में ट्राइकोडर्मा के दो राउंड और पत्ते पर छिड़काव के रूप में बैसिलस सबटिलिस को 15 दिनों के अंतराल पर प्रयोग किया गया था, जिससे बेहतर रिकवरी देखी गई। फ्यूसेरियम डाइबैक के खिलाफ डोरिया चाय बागान में एक अन्य परीक्षण में 49.6% तक की कमी देखी गई जब BST को 2% सांद्रता पर प्रयोग किया गया था और इसके बाद एक्टिनोमाइसेट्स को 42.2% नियंत्रण के साथ प्रयोग किया गया था ।

सात हर्बल प्रजातियों के अर्क का उपयोग करके लाल रतुआ रोग (रेड रस्ट डिजिज) के खिलाफ टिटाबोर के रंगाजान में परीक्षण किए गए। हर्बल अर्क कंसोर्टियम के अनुप्रयोग के कारण रोग में अधिकतम 73.55% तक कमी प्राप्त की गई।

ओकेटी और पथरझोरा से प्राप्त जीवाणु आइसोलेट्स और पथरझोरा से ट्राइकोडर्मा रीसी का मूल्यांकन 2022 में एनबीआरआरडीसी, नागराकाटा (रेड रस्ट, ग्रे ब्लाइट, फ्यूसेरियम डाइबैक) में एक अनुसंधान प्लॉट सहित जिति चाय बागान (फ्यूजेरियम डाइबैक, रेड रस्ट), गूमटी चाय बागान (ब्लिस्टर ब्लाइट, फुसैरियम डाइबैक), रूंगामाटी चाय बागान (फ्यूजेरियम डाइबैक, रेड रस्ट), और सन्न्यासिथान चाय बागान (फ्यूजेरियम

डाइबैक और रेड रस्ट) के विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर क्षेत्र परीक्षणों के माध्यम से फ्यूजेरियम डाइबैक, ग्रे ब्लाइट, ब्लिस्टर ब्लाइट और रेड रस्ट के विरुद्ध किया गया था। क्षेत्र परीक्षण के लिए, प्रत्येक जीवाणु प्रतिपक्षी का 2%, 5%, और 10% जलीय घोल और टी. रीसी का 1%, 2%, और 5% जलीय घोल सड़न रोकने वाली स्थितियों के तहत ब्राथ कल्चर से स्टाराइल जल में अलग से तैयार किया गया था। प्रत्येक स्थान पर 15 दिनों के अंतराल पर दो दौर का छिड़काव किया गया। परिणामों से पता चला कि बैक्टीरिया आइसोलेट्स ने प्रत्येक स्थान पर रेड रस्ट रोग को कम करने में संभावित प्रभावकारिता प्रदर्शित की और उपयोग की गई सांद्रता के बीच, 5% को 2% से अधिक प्रभावी पाया गया लेकिन दोनों मान सांख्यिकीय रूप से नगण्य थे।

प्रूनिंग कूड़े को विघटित करने में टी. रीसी, माइक्रोबैक्टीरियम पैराऑक्सिडन्स और बैसिलस सबटिलिस की क्षमता का मूल्यांकन विकसित जलीय घोल के 2%, 5% और 10% खुराक पर गमला प्रयोगों के माध्यम से किया गया था। परिणामों से पता चला कि छिड़काव के दो दौर के 20 दिनों के बाद, कंट्रोल की तुलना में प्रूनिंग कूड़े के वजन में 5 ग्राम की कमी देखी गई।

रूपात्मक-आण्विक लक्षण वर्णन के लिए पश्चिम बंगाल के विभिन्न चाय बागानों से 27 ग्रे ब्लाइट नमूने एकत्र किए गए थे। रूपात्मक-आणविक (आईटीएस अनुक्रमण) अध्ययन से पता चला कि ये आइसोलेट्स तीन जेनेरा अर्थात स्यूडो पेस्टलोटिओप्सिस, नियो पेस्टालोटिओप्सिस और पेस्टालोटिओप्सिस से संबंधित थे। जहरीले खाद्य विधि का उपयोग करके प्रतिरोधी/सहिष्णु आइसोलेट्स की पहचान करने के लिए पीपीसी-सूचीबद्ध कवकनाशी के विरुद्ध आइसोलेट्स की जांच की गई। यह देखा गया कि इंडोंग, दलगांव, भाटपारा, संन्यासीथान, पहाड़घुमिया, सेलिम-हिल और रंगारून चाय बागान के आइसोलेट्स कार्बेन्डाजिम + मैनकोजेब के प्रति असंवेदनशील थे।

स्यूडोपेस्टालोटिओप्सिसथी के विरुद्ध पृथक ट्राइकोडर्मा और जीवाणु प्रजातियों की इन-विट्रो प्रतिपक्षी गतिविधि का मूल्यांकन किया गया। विभिन्न चाय बागानों से पृथककृत ट्राइकोडर्मा और जीवाणु प्रजातियों का ग्रे ब्लाइट रोगजनकों के विरुद्ध उनकी प्रभावकारिता के लिए मूल्यांकन किया गया था। यह स्पष्ट है कि पृथककृत ट्राइकोडर्मा प्रजातियों में से, पाथरझोरा (TRPATH01), टिंडहरिया (TRTIND02), ओकेटी (TROK01), सेयोक (TRSEY01) और गिंग (TRGING01) से अलग-अलग प्रजातियों में उल्लेखनीय रूप से ($P<0.001$) उच्च प्रतिपक्षी गतिविधि (>75%) प्रदर्शित हुई है।

पौधों के विकास को बढ़ावा देने (पीजीपी) गतिविधि और एंटीफंगल लक्षणों पर अध्ययन किए गए और पीजीपी (अमोनिया उत्पादन, इंडोल एसिटिक एसिड उत्पादन, और फॉस्फेट घुलनशीलता) और एंटीफंगल (सेल्यूलस, प्रोटीज, चिटिनेज, और β-1,3 ग्लूकेनेस लक्षण) के लिए संभावित प्रतिपक्षी का मूल्यांकन किया गया। सभी प्रतिपक्षी आइसोलेट्स ने IAA उत्पादन दिखाया, TRPATH01 (178.21 µg/ml) और TRGING01 (176.19 µg/ml) को IAA-उत्पादक आइसोलेट्स से अधिक पाया गया।

5.1.5 <u>विश्लेषणात्मक सेवाएँ</u>:

"उत्तर-पूर्व भारत में चाय में पाइरोलिज़िडिन अल्कलॉइड्स (पीए) के स्रोत और इसकी उपस्थिती पर अध्ययन" नामक एक शोध परियोजना ने पीए द्वारा चाय के संदूषण के संभावित स्रोतों की पहचान करने में मदद की, जिससे असम, पश्चिम बंगाल और कुन्नूर के चाय में घटना पैटर्न पर आंकड़ा तैयार हुआ। एक अन्य परियोजना जिसका शीर्षक है "हरी चाय की पत्ती से अस्वीकृत कीटनाशकों के विश्वसनीय ऑनसाइट तीव्र गुणात्मक और अर्ध-मात्रात्मक पता लगाने के लिए पॉलीक्लोनल और रीकॉम्बिनेंट मोनोक्लोनल एंटीबॉडी लेपित लेटरल फ्लो इम्यूनोक्रोमैटोग्राफिक स्ट्रिप्स (एलएफआईसीएस) का विकास" ने LC-MS/MS QQQ का उपयोग करके लक्ष्य कीटनाशक के मात्रात्मक विश्लेषण के माध्यम से तकनीक को मान्य किया है।

5.1.6 <u>जैवरसायन</u>:

विकसित एचपीएलसी विधि का उपयोग करके ऑक्सीकरण चरण के दौरान और तैयार उत्पाद में पृथक-पृथक थियाफ्लेविन की बदलती प्रोफ़ाइल पर अध्ययन किए गए थे। नियंत्रित वातावरण में ऑक्सीकरण के दौरान किण्वित तत्व से थियाफ्लेविन निकाला गया। चाय आस्वादकों के मूल्यांकन और TF प्रोफाइल के बीच संबंध का भी अध्ययन किया गया।

हरी पत्तियों से कच्चे कैटेचिन को क्रमिक विलायक निष्कर्षण और डिकैफ़िनेशन द्वारा निकाला और शुद्ध किया गया। कुल और पृथक-पृथक कैटेचिन की मात्रा निर्धारित करने के लिए आईएसओ विधि- आईएसओ 14502-2:2005 का पालन करते हुए एचपीएलसी द्वारा नमूनों का विश्लेषण किया गया।

कैटेचिन के निष्कर्षण के लिए बेहतर किस्मों को खोजने के प्रयास में, एचपीएलसी का उपयोग करके प्रमुख कैटेचिन अर्थात् ईजीसीजी, कुल पॉलीफेनॉल और कैफीन तत्व की उपस्थिति के लिए 35 लोकप्रिय चाय किस्मों का विश्लेषण किया गया।

सुगंध घटकों पर विशेष जोर देने के साथ-साथ दार्जिलिंग ऑर्थोडॉक्स चाय की जैव रासायनिक जांच के लिए एक संस्थागत परियोजना आरंभ की गई थी। वाणिज्यिक चाय कारखानों में संसाधित ब्लैक ऑर्थोडॉक्स चाय के नमूने पहले फ्लश, दूसरे फ्लश, रेन फ्लश और शरद ऋतु फ्लश के दौरान एकत्र किए गए थे। प्रसंस्करण परिस्थितियों को नोट किया गया और TF, TR, BR, TC, कैफीन, कैटेचिन अंश और थेनाइन जैसे गैर-वाष्पशील घटकों के नमूनों का विश्लेषण किया गया। एक ऑर्गेनोलेप्टिक आस्वादन की रिपोर्ट भी प्राप्त की गई है। दार्जिलिंग ऑर्थोडॉक्स चाय का VFC अनुमान कार्य पहले ही आउटसोर्स किया जा चुका है और काम प्रगति पर है।

5.1.7 <u>चाय विनिर्माण एवं अभियांत्रिकी</u>:

उत्तर-पूर्व भारतीय चाय बागानों के लिए चाय हार्वेस्टिंग मानवरहित रोबोटिक प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए एक MeitY- वित्त पोषित परियोजना शुरू की गई थी। यह टीआरए, सी-डैक, जादवपुर विश्वविद्यालय और सीआईएई के बीच एक सहयोगी परियोजना है, जिसमें दो अलग-अलग रोबोटिक चाय हार्वेस्टर विकसित किए जा रहे हैं, जिनकी तुलना बाद में जापान से आयातित 'राइड-ऑन हार्वेस्टिंग मशीन' से की जाएगी। विकसित किए जा रहे रोबोटिक चाय हार्वेस्टर चाय की पत्तियों की चयनात्मक तोड़ाई के लिए एआई का उपयोग करेंगे। चाय में गुणवत्ता वाले यौगिकों के ऑन-साइट आकलन के लिए पोर्टेबल स्पेक्ट्रोस्कोपिक उपकरणों के विकास में तेजी लाई गई और पोर्टेबल नियर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर का एक प्रोटोटाइप उद्योग में प्रदर्शित किया गया। स्पेक्ट्रोमीटर चाय की गुणवत्ता वाले बायोमार्कर के त्वरित, ऑन-साइट आकलन की सुविधा प्रदान करता है। यह टीआरए और जादवपुर विश्वविद्यालय के बीच एक सहयोगी परियोजना है और डीबीटी-बीआईआरएसी द्वारा वित्त पोषित है। लघु चाय उत्पादकों के लिए हरी पत्ती परिवहन प्रणाली और कम लागत वाले चाय ड्रायर के विकास पर भी प्रगति हुई।

2022-23 के दौरान, चाय विनिर्माण सलाहकार सेवा (टीएमएएस) टीम ने दस चाय बागानों को विनिर्माण सलाहकार सेवाएं प्रदान कीं। टीपीएमए विभाग ने असम के लघु चाय उत्पादकों के लिए आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और निदर्शन कार्यशालाओं के साथ-साथ बागान अधिकारियों के लिए कई अभियांत्रिकी और विनिर्माण कार्यशालाएं आयोजित कीं।

5.1.8 <u>जैवप्रौद्योगिकी प्रगति</u>:

मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल और जैव रासायनिक लक्षणों के आधार पर जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन टोकलाई के 95 जर्मप्लाज्म और नागराकाटा के 20 जर्मप्लाज्म में किया गया था। कुल प्रोलाइन, कुल मुक्त अमीनो एसिड, कुल प्रोटीन, कुल घुलनशील शर्करा, प्रकाश संश्लेषण अनुमान, कुल क्लोरोफिल तत्व, कैरोटीनॉयड और एपिक्यूटिकुलर मोम तत्व का अनुमान लगाया गया।

नई पत्ती और परिपक्व पत्ती के लक्षणों के लिए 115 जर्मप्लाज्म का डीयूएस(DUS) लक्षण वर्णन किया गया। जर्मप्लाज्म सेट में मौजूद फेनोटाइपिक परिवर्तनशीलता के आकलन के लिए 3,400 उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियों वाले अनियोजित डेटासेट के निर्माण के लिए 95 जर्मप्लाज्म (प्रत्येक में 20 प्रतिकृति) और 30 टीवी क्लोन (प्रत्येक में 50 प्रतिकृति) के लिए पत्ती छवि अधिग्रहण किया गया था। चाय में मान संवर्धन और उत्पाद विविधीकरण के लिए, शुद्ध थियाफ्लेविन की साइटोटोक्सिसिटी; थियाफ्लेविन (TF-1), थियाफ्लेविनमोनोगैलेट (TF-2), थियाफ्लेविनडिगैलेट (TF-3) और क्रूड थियाफ्लेविन का मूल्यांकन HT-29 (मानव कोलोन कोशिकाएं) और A-549 (मानव फेफड़े की कोशिका) में किया गया। इसके अलावा, HT-29 कोशिकाओं में TF-3 की गैर-साइटोटॉक्सिक सांद्रता का मूल्यांकन मेनाडायोन (तनाव प्रेरक) उपचारित कोशिकाओं में एंटी-ऑक्सीडेंट क्षमता के लिए किया गया था। मैलोन-डाई-एल्डिहाइड (एमडीए) परख के साथ 75μg/ml की प्रभावी सांद्रता की पुष्टि की गई। प्रभावी एकाग्रता के किसी भी जीनोटॉक्सिक प्रभाव के आकलन के लिए डब्ल्यूएचओ-अनुशंसित साइटोकाइनेसिस ब्लॉक माइक्रो-न्यूक्लीज (सीबीएमएन) जाँच की गई थी, जो एक सुरक्षित खुराक पाई गई थी।

कीटों में संभावित कीटनाशक प्रतिरोध तंत्र को समझने के प्रयास में, 16S rRNA जीन का उपयोग करके आणविक पहचान के साथ-साथ हाइपोसिड्राटालाका से 13 आंत बैक्टीरिया और एटेरुसियाएडिया से 6 आंत बैक्टीरिया का पृथककरण और लक्षण वर्णन किया गया था। क्यूपीसीआर का उपयोग करके चाय लूपर से साइटोक्रोम पी450, जनरल एस्टरेज़ और ग्लूटाथियोन-एस-ट्रांसफरेज़, और हाउसकीपिंग जीन एक्टिन-ए3 और जीएपीडीएच की जीन अभिव्यक्ति के लिए प्रोटोकॉल का मानकीकरण भी शुरू किया गया था।

5.1.9 <u>मृदा एवं खाद डालना</u>:

विभिन्न उर्वरक खुराकों, जैविक खादों और माइक्रोबियल कंसोर्टिया के साथ परिपक्व चाय में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) पद्धतियों पर एक क्षेत्र परीक्षण संचालित किया गया था। प्रयोग के नतीजे से पता चला कि N और K की 25% अनुशंसित खुराक और P की 50% अनुशंसित खुराक को मृदा के पोषक तत्वों के स्तर और मृदा के स्वास्थ्य को प्रभावित किए बिना माइक्रोबियल जैव-उर्वरक घोल के एक कॉन्सॉर्टियम के विवेकपूर्ण उपयोग से बदला जा सकता है। चाय का उत्पादन यद्यपि आईएनएम पद्धतियों के शुरुआती वर्षों के दौरान उत्पादन की लागत अधिक हो सकती है, लेकिन लंबे समय में, उत्पादन की लागत को कम करना संभव हो सकता है, बशर्ते कि जैविक खाद का उत्पादन यथास्थान किया जाए।

मृदा में बायोचार-आधारित खाद की विभिन्न खुराक के साथ एक पॉट प्रयोग किया गया और परिणामों से पता चला कि बायोचार के अनुप्रयोग के कारण, मृदा का पीएच नियंत्रण (27%) की तुलना में काफी बढ़ गया था। बायोचार और वर्मीकम्पोस्ट के संयुक्त अनुप्रयोग से मिट्टी में कार्बनिक कार्बन तत्व को कंट्रोल की तुलना में 33% तक बढ़ाया गया। बायोचार, वर्मीकम्पोस्ट और बायोफर्टिलाइज़र उपचार संयोजनों से मृदा में उपलब्ध N और K तत्व में कंट्रोल की तुलना में क्रमशः 42% और 63% की वृद्धि पाई गई।

उत्तर-पूर्व भारत में चाय की उपज और गुणवत्ता पर तरल नैनो यूरिया की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक रैनडम ब्लॉक डिजाइन (आरबीडी) क्षेत्र परीक्षण किया गया था। अध्ययन तीन प्रतिकृति के साथ विभिन्न उपचार संयोजनों के साथ संचालित किया गया था। परिणामों से पता चला कि यूरिया प्रतिस्थापन उपचारों में नैनो-यूरिया की खुराक 100% से घटाकर 50% करने पर फसल की उपज में धीरे-धीरे कमी (3.62% से 11.89%) हो गई। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि चाय में स्थायी उपज बनाए रखने और मृदा में नाइट्रोजन का पर्याप्त स्तर बनाए रखने के लिए यूरिया के जमीनी अनुप्रयोग के केवल 25% प्रतिस्थापन को नैनो-यूरिया के पर्ण छिड़काव के 4 स्पिलट द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है। हालाँकि, अंतिम अनुशंसा प्रयोग पूरा होने के बाद ही दी जा सकती है।

K के वैकल्पिक स्रोतों का पता लगाने के लिए, प्रयोगशाला में दो अलग-अलग कार्बनिक स्रोतों जैसे कि K-राख और K-लवण(गन्ना उद्योग के उप-उत्पादों में क्रमशः 21% और 50% पानी में घुलनशील पोटेशियम होता है) के साथ एक ऊष्मायन अध्ययन संचालित किया गया था। कार्बनिक K-विमोचन क्षमता पर परिणामों के आधार पर यह पाया गया कि K-लवण और K-राख में MoP की तुलना में लंबी अवधि के लिए अकार्बनिक पोटाश जारी करने पर सकारात्मक और महत्वपूर्ण प्रभाव पाया गया। K-लवण को K-राख से काफी बेहतर नहीं पाया गया, लेकिन K-लवण को K-राख दोनों ही मिट्टी में उपलब्ध पोटेशियम और पानी में घुलनशील पोटेशियम को काफी समय तक जारी करने में MoP की तुलना में काफी बेहतर थे। K-लवण को K-राख भी MoP की तुलना में पोटेशियम उर्वरक इनपुट की लागत को क्रमशः 30% और 47% तक कम करते पाए गए। K आधार पर इन ऊष्मायन अध्ययन परिणामों के अनुसार, K-लवण और K-राख दोनों चाय की खेती के लिए MoP की तुलना में पोटेशियम के संभावित आर्थिक वैकल्पिक स्रोत हो सकते हैं। हालांकि, किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए इन परिणामों को खेतों में सत्यापित करने की आवश्यकता है।

चाय की झाड़ियों की नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और उत्पादकता पर सिलिकेट उर्वरक (एग्रीसिलिका) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए बानरहाट चाय एस्टेट में गोदरेज एग्रोवेट द्वारा वित्त पोषित एक परीक्षण संचालित किया गया था। अध्ययन में सुझाव दिया गया कि मृदा में 75 किलोग्राम/हेक्टेयर एग्रीसिलिका के प्रयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन की उपलब्धता बढ़ गई। पहले वर्ष के परीक्षण के बाद, एग्रीसिलिका और 80% अनुशंसित यूरिया और MoP के अनुप्रयोग ने अनुशंसित खुराक में यूरिया और MoP के अनुप्रयोग की तुलना में 2.5% अधिक चाय उत्पादकता दर्ज की।

चाय की मृदा में कार्बन पूल के संवर्धन और चाय-अपशिष्ट के पुनर्चक्रण द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए एक बाहरी वित्त पोषित परियोजना शुरू की गई थी। प्रयोग के एक भाग के रूप में, तीन महीने के भीतर चाय-कचरे से खाद तैयार करने के लिए एक विधि विकसित और मानकीकृत की गई। अंतिम खाद की लक्षण वर्णन उसके रासायनिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी गुणों के आधार पर की गई थी। गमला प्रयोग के माध्यम से चाय-अपशिष्ट खाद के प्रभाव का युवा चाय पौधों और मिट्टी के रासायनिक गुणों पर भी परीक्षण किया गया।

5.1.10 **<u>विशिष्ट रोपण सामग्री का विकास</u>:**

असम संकर किस्म के गुणवत्ता क्लोन (एस.3ए/3) और हल्की पत्ती वाली असम किस्म (टीआरए/बोरमाजन 19) का द्वि-क्लोनल संयोजन टीएस 520 (कंट्रोल) की तुलना में अधिक आशाजनक पाया गया। चाय आस्वादक द्वारा सीटीसी चाय एवं St. 673 को इसके मूल्यांकन के आधार पर चमक, तीव्रता, कड़ापन और गुणवत्ता के लिए उच्च अंक प्राप्त हुए, जो टीएस 520 पर इसकी श्रेष्ठता को दर्शाता है। इस नए संयोजन को बाद में उद्योग में जारी करने पर विचार किया जाएगा। परियोजना "गामा विकिरण का उपयोग करके चाय में उन्नत रोपण सामग्री का विकास" के तहत, 750 विकिरणित पौधों को टोकलाई के नए वनस्पति क्षेत्र में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया था, जिनमें से ग्यारह चाय रोपण सामग्री को रूपात्मक, शारीरिक और जैव रासायनिक पैरामीटर आधार पर प्रकृति में विविध के रूप में चिह्नित किया गया है। चल रही परियोजना "पीपीवीएफआरए के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना: डीयूएस(DUS) परीक्षण केंद्र की स्थापना" के तहत, डीयूएस परीक्षण के लिए कुल मिलाकर 260 विविध चाय रोपण तत्व का उपयोग किया गया और आंकड़ा संकलित किया गया। इसके अलावा, चार चाय किस्मों (TV-31, TTRI-1, TTRI-2 और TSS-1) का पंजीकरण पीपीवीएफआरए के मानदंडों के अनुसार संसाधित किया गया था। शुष्कता तनाव प्रबंधन के लिए सैलिसिलिक एसिड@1.0 एमएम का उपचार प्रभावी पाया गया। नई आशाजनक चाय रोपण सामग्री विकसित करने के लिए निम्नलिखित संयोजनों के साथ दो चाय बागानों (सॉकलेटिंगा और बोकाहोला) में दो दीर्घकालिक परीक्षण शुरू किए गए - St. 811, St. 812, St. 814, St. 815, डांगरी, TS-520, TSS-1, St. 673, St. 643, St. 668, TS-491 और बेतजान। इन-सीटू संरक्षण कार्यक्रम के तहत, सात विविध पुराने बीज जाटों को एकत्र किया गया और 2022-2023 के दौरान सॉकलेटिंगा टी एस्टेट में एक नर्सरी परीक्षण आरंभ किया गया।

5.1.11 **<u>सलाहकारी सेवाएं</u>:**

उद्योग के हित में सलाहकार सेवाएँ महत्वपूर्ण रही हैं। अत्यधिक प्रेरित सलाहकार अधिकारियों की एक टीम यह सुनिश्चित करती है कि टीआरए प्रयोगशालाओं में विकसित प्रौद्योगिकियों को चाय बागानों में निर्बाध रूप से स्थानांतरित किया जाए। 2022-23 में विशेष दौरों की संख्या बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किया गया। संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, क्षेत्री निदर्शनों और सामयिक मुद्दों पर बुलेटिनों के प्रकाशन ने समय पर बागानों तक सूचना का प्रसार सुनिश्चित किया है। बागान प्रबंधन और चाय विनिर्माण पर अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में चाय बागानों के अधिकारियों द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया गया। लगातार बढ़ते असंगठित क्षेत्र को अपने उत्पादों को मुख्यधारा के साथ एकीकृत करने में मदद करने के लिए लघु चाय उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए गए।

5.2 **<u>उपासी-चाय अनुसंधान संस्थान (उपासी-टीआरएफ)</u>:**

5.2.1 **<u>वनस्पति विज्ञान</u>:**

5.2.1.1 **<u>चाय में उपज, मेटाबोलाइट्स और तनाव सहनशीलता के लिए जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन, जीनोमिक विश्लेषण और जीन खोज</u>:** अनुसंधान परियोजना को असम कृषि विश्वविद्यालय, हिमालयी जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, टोकलाई प्रायोगिक स्टेशन और उपासी चाय अनुसंधान संस्थान के सहयोग से डीबीटी द्वारा वित्त पोषित किया गया है। चूंकि टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) चाय के प्रमुख कीट के रूप में उभरा है, जिससे फसल को काफी नुकसान हुआ है, इसलिए टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोधी आबादी को अलग करने हेतु चाय में मैपिंग आबादी विकसित करने के लिए जनक के रूप में उपयुक्त चाय क्लोन की पहचान करने के लिए उनकी संवेदनशीलता/प्रतिरोध के लिए उपलब्ध भारतीय चाय जर्मप्लाज्म की जांच करने की आवश्यकता है। चाय में टीएमबी प्रतिरोध की आनुवंशिक मैपिंग और ट्रांसक्रिप्टोमिक्स अध्ययनों के माध्यम से टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोध के आणविक आधार से भी प्रजनन की पूरी प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। उपासी-चाय अनुसंधान संस्थान को सौंपे गए उद्देश्यों में टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोध के लिए दक्षिण भारतीय चाय जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन करना, SNP मार्कर का उपयोग करके टीएमबी के लिए मार्कर लक्षण साहचर्य की स्थापना करना और टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोध के लिए चाय को अलग करने में आबादी की मैपिंग का विकास करना शामिल है।

\

5.2.1.2 **<u>दक्षिण भारत में मशीनीकरण के अनुरूप जापानी मॉडल पर कृषि संबंधी प्रथाएं:</u>** एनटीआरएफ-वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना के तहत, वनस्पति प्रसार हेतु एसओपी का पालन करते हुए उपासी-9, टीआरएफ-4 और टीआरआई-2043 की डबल नोडल कटिंग को पॉलिथीन-आस्तीन के बजाय मिट्टी-क्यारी में लगाया गया। औसतन, डबल-नोडल कटिंग से उगाए गए पौधों की ऊंचाई सिंगल-नोडल कटिंग से उगाए गए पौधों की तुलना में अधिक दर्ज की गई। सिंगल-नोडल कटिंग की तुलना में डबल-नोडल कटिंग में पत्तियों की संख्या भी अधिक थी। डबल-नोडल कटिंग से सिंगल-नोडल कटिंग की तुलना में अधिक संख्या में शाखाएँ उत्पन्न हुई।

जमीन से 8-10 परिपक्व पत्तियों को छोड़कर सेंटरिंग की मौजूदा अनुशंसा की तुलना के लिए जापानी मॉडल के अनुसार युवा क्लोनल पौधों में जमीन से 10 सेमी कम पर सेंटरिंग की गई थी। जब TRF-4 के क्लोनल पौधों को मल्टी-स्टेज टिपिंग के बाद 10 सेमी पर कम सेंटरिंग किया गया, तो पौधों ने सेंटरिंग की पारंपरिक विधि की तुलना में अधिक संख्या में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शाखाओं का उत्पादन किया। पारंपरिक विधि की तुलना में कम सेंटरिंग पर कैनोपी कवर भी अधिक होता है।

जापानी शैली की रिवर्स हार्वेस्टिंग तकनीक के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक प्रयोग किया गया। रिवर्स हार्वेस्टिंग तकनीक के कारण एक वर्ष में प्लकिंग राउंड की संख्या कम होकर आठ हो गई, जबकि हस्त प्लकिंग और सिअर हार्वेस्टिंग विधियों के उपचार के तहत एक वर्ष में प्लकिंग राउंड की संख्या चौबीस हो गई। रिवर्स हार्वेस्टिंग तकनीक के कारण उपज में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं देखी गई। हालाँकि, जब हस्त प्लकिंग को सिअर हार्वेस्टिंग के साथ एकीकृत किया गया तो प्रति हेक्टेयर अधिक उपज प्राप्त हुई, जबकि निरंतर मशीन हार्वेस्टिंग विधि में उत्पादकता काफी कम हो गई थी।

युवा चाय पौधों की संस्थापन के लिए युवा चाय खाद के साथ उर्वरक को शामिल करने की उपयोगिता का अध्ययन करने के लिए एक बड़े पैमाने पर क्षेत्र प्रयोग किया गया और युवा चाय पौधों के लिए युवा चाय मिश्रण की पारंपरिक/मौजूदा सिफारिश की तुलना की गई। NPK उर्वरकों के साथ-साथ जैविक स्रोतों को शामिल करने के कारण युवा चाय के पौधों की संस्थापन बेहतर ढंग से हुई और पौधों की ऊंचाई, पत्तियों की संख्या, शाखाओं के व्यास और कैनोपी कवर के संदर्भ में जोरदार वनस्पति प्रसार भी देखा गया।

जापानी शैली के अनुसार प्रसारण और बैंड अनुप्रयोग विधि के माध्यम से NK उर्वरकों के अनुप्रयोग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक क्षेत्र प्रयोग किया गया था। मृदा और पौधों के पोषक तत्वों की स्थिति के भौतिक-रासायनिक मापदंडों पर अवलोकन दर्ज किए जा रहे हैं। विभिन्न अंतरालों(0, 7वें, 14वें और 21वें दिन) पर ब्रॉड कास्ट और बैंड एप्लिकेशन विधि द्वारा उर्वरकों के अनुप्रयोग के बाद पर दर्ज किए गए प्रयोगात्मक परिणामों से पता चला कि अनुप्रयोगों के विभिन्न तरीकों के कारण कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

5.2.1.3 **<u>चाय के लिए डीयूएस(DUS) परीक्षण केंद्र की स्थापना</u>:** अनुसंधान परियोजना को पीपीवीएफआरए, कृषि मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था। डीयूएस परीक्षण केंद्र में लगाए गए सभी 33 क्लोनों का रखरखाव किया गया और मुक्त रूप से उगाए गए पेड़ों का उपयोग नियंत्रण संकरण के साथ-साथ चाय अनुसंधान संस्थान के सभी प्रभागों द्वारा विभिन्न जैव रासायनिक विश्लेषण के लिए हरी पत्ती के नमूने एकत्र करने के लिए किया जाता है।

5.2.1.4 **<u>नियंत्रित संकरण कार्यक्रम:</u>** प्रजनन कार्यक्रम के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र में स्थापित नए प्रजनन प्लॉट का उपयोग किया गया। जनवरी से मार्च, 2022 के फूलों के उगने के मौसम के दौरान, निम्नलिखित पैतृक संयोजनों को शामिल करते हुए कुल 5009 फूलों का परागण किया गया: UPASI-2 x UPASI-26, UPASI-26 x UPASI-2, UPASI-9 x Cr-6017, CR-6017 x UPASI-9, UPASI-3 x UPASI-2, UPASI-10 x UPASI-2, UPASI-9 x UPASI-2, UPASI-28 x UPASI-2.

5.2.1.5 **<u>नियंत्रित संकरण के माध्यम से शुष्कता सहिष्णु क्लोनों का विकास:</u>** विभिन्न पैतृक क्लोनों के बीच नियंत्रित संकरण के माध्यम से विकसित F1 संतति को शारीरिक और जैव रासायनिक मापदंडों का उपयोग करके शुष्कता सहिष्णुता के लिए जांचा गया। UPASI-9 x Yabukita, UPASI-9 x SA-6, एवं UPASI-9 x TRI-2024 के बीच संकरण के माध्यम से विकसित कुल 25 F1 आबादी की पहचान शुष्कता सहिष्णुता के लिए की गई थी।

<u>CR-6017 x UPASI-8 के बीच एक संकरण के माध्यम से विकसित F1 संततियों की जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल:</u> चाय जीनोम अनुक्रम चरण- I और चरण- II के तहत एनटीआरएफ द्वारा आरंभ किया गया था। चाय जीनोम अनुक्रम परियोजना के भागीदार संस्थानों में से केवल उपासी चाय अनुसंधान संस्थान में ही लिंकेज ग्रुप को विकसित करने के लिए मैपिंग जनसंख्या की आवश्यक संख्या संरक्षित है। चाय जीनोम अनुक्रम परियोजना में उपासी चाय अनुसंधान संस्थान का महत्वपूर्ण उद्देश्य दो मैपिंग आबादी को फेनोटाइप करना है, एक गुणवत्ता के लिए और दूसरा शुष्कता सहिष्णुता के लिए। चरण-I के उद्देश्य के अनुसार गुणवत्ता लक्षणों के लिए फेनोटाइपिंग के लिए सिद्ध गुणवत्ता क्लोन CR-6017 के माध्यम से विकसित F1 संततियों को मादा जनक के रूप में चुना गया था और UPASI-8 को नर जनक के रूप में चुना गया था। चाय में गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार चार महत्वपूर्ण जैव रासायनिक घटकों की सीमा का अध्ययन करने के लिए CR-6017 x UPASI-8 के बीच नियंत्रित संकरण के माध्यम से विकसित F1 संततियों को कैफीन के साथ-साथ पॉलीफेनोल्स, कैटेचिन, अमीनो एसिड और कैरोटीनॉयड के साथ एंथोसायनिन के लिए जांचा गया। नर जनक UPASI-8 में कुल पॉलीफेनोल्स का औसत मान 26.53 ग्राम/100 ग्राम है, जो मादा जनक CR-6017 में दर्ज मानों से अधिक है। F1 संततियों में पॉलीफेनोल तत्व का औसत मान 24.78 ग्राम/100 ग्राम है, जबकि F1 संततियों में से एक में 34.77 ग्राम/100 ग्राम की उच्चतम पॉलीफेनोल तत्व दर्ज की गई है। जब उपासी द्वारा जारी क्लोनों में मात्रा निर्धारित पॉलीफेनोल तत्व की तुलना की जाती है, तो F1 संततियों में से एक में सबसे अधिक पॉलीफेनोल तत्व की पहचान की जाती है।

नर जनक UPASI-8 में 18.03 ग्राम/100 ग्राम का औसत कैटेचिन मान दर्ज किया गया जो कि मादा मादा जनक CR-6017 में देखे गए से अधिक है। हालाँकि F1 संततियों का औसत 15.74 ग्राम/100 ग्राम है, F1 संततियों में से एक में कैटेचिन की मात्रा सबसे अधिक 20.20 दर्ज की गई है। मादा जनक क्लोन CR-6017 में कुल अमीनो एसिड 1.09 ग्राम/100 ग्राम है, जो नर जनक UPASI-8 में दर्ज की गई तुलना में थोड़ा अधिक है। हालाँकि, F1 संतति में से एक ने 2.16 ग्राम/100 ग्राम का उच्चतम मान दर्ज किया।

नर और मादा जनक दोनों में दर्ज कैरोटीनॉयड 0.03 mg/g के मान के साथ लगभग बराबर है। इसी प्रकार, कैरोटीनॉयड के लिए सभी F1 संततियों का औसत भी 0.03 mg/g है, जबकि एक संतति में 0.07 mg/g का उच्चतम मान दर्ज किया गया है। गुणवत्ता संबंधी लक्षणों के लिए जनक संयोजन CR-6017 x UPASI-8 के माध्यम से विकसित F1 संततियों की 190 संख्या की जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल का उपयोग किसी लक्षण को नियंत्रित करने वाले जीनोम में क्षेत्रों की पहचान करने के लिए लिंकेज ग्रुप स्थापित करने के लिए किया जाएगा।

5.2.1.7 <u>पर्पल चाय के लिए उपयुक्त नए चाय क्लोनों का विकास:</u> पर्पल टी के लिए उपयुक्त अभिवृद्धि का चयन करने के लिए उपासी प्रायोगिक फार्म के साथ-साथ उपासी के चाय एस्टेट में उपलब्ध खुले-परागित अंकुर आबादी में क्लोनल चयन कार्य किया गया था। एंथोसायनिन तत्व के लिए जांचे गए 30 अभिवृद्धियों में से, 4 अभिवृद्धियों में उच्चतम एंथोसायनिन तत्व 0.336 से 0.396 मिलीग्राम/ग्राम तक दर्ज की गई जो मानक क्लोन टीआरआई-2043 से अधिक है।

5.2.1.8 चाय में अंतर-फसल के रूप में उनकी उपयुक्तता के लिए फल की फसलों का मूल्यांकन: भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर) और उपासी के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार चाय में फसल को अंतर-फसल के रूप में उनकी उपयुक्तता के लिए विभिन्न फल के फसलों का मूल्यांकन करने के लिए एक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम लागू किया गया है। मैंगोस्टीन, लोंगन, एवाकाडो, रामबूटन, सीडलेस लाइम, स्वीट ऑरेंज, नींबू, कुमक्वेट, ग्रेपफ्रूट, ब्लड ऑरेंज, क्लेमेंटाइन और मंदारिन जैसी फलों की फसलों के पौधे विभिन्न नर्सरी से खरीदे गए और उपासी प्रायोगिक फार्म, वालपराई में लगाए गए। मूल्यांकन प्लॉट में विभिन्न विकास मापदंडों जैसे पौधे की ऊंचाई, तने की परिधि, शाखाओं की संख्या, पत्तियों की संख्या और कैनोपी कवर का अवलोकन किया जा रहा है। इसी तरह के परीक्षण प्लॉट वंदिपेरियार में उपासी प्रायोगिक फार्म और वालपराई और मुन्नार में कुछ सदस्य एस्टेट में भी स्थापित किए गए हैं।

5.2.1.9 नए ग्राफ्ट संयोजनों की संस्तुति के लिए संगत ग्राफ्ट पार्टनर की पहचान: चाय क्लोन TRF-1, TRF-2 एवं UPASI-28 को प्रमाणित शुष्कता सहिष्णु रूट स्टॉक क्लोन UPASI-9, ATK-1 एवं UPASI-2 पर ग्राफ्ट किया गया और उनके क्षेत्र प्रदर्शन का अध्ययन करने के लिए खेत में लगाया गया।

5.2.1.10 चाय में खरपतवार नियंत्रण के लिए तृणनाशक का मूल्यांकन: एक प्रायोजित अध्ययन में, चाय में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण के लिए मेसर्स टैग्रोस केमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई सैफ्लुफेनासिल 70% WG की जैव-प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए दो स्थानों पर एक क्षेत्र प्रयोग किया गया था। 75 ग्राम/हेक्टेयर की न्यूनतम दर पर परीक्षण किए गए तृणनाशक सैफ्लुफेनासिल 70% WG ने छिड़काव के बाद तीसरे सप्ताह के दौरान अधिकतम 98% नियंत्रण दिया। जब सैफ्लुफेनासिल 70% WG की दर 100 ग्राम/हेक्टेयर तक बढ़ा दी गई, तो इससे छिड़काव के बाद पहले चार हफ्तों के लिए परीक्षण किए गए तृणनाशक की खरपतवार नियंत्रण दक्षता 99% तक बढ़ गई। सैफ़्लुफ़ेनासिल 70% WG का 75 ग्राम/हेक्टेयर पर परीक्षण करने से पहले तीन हफ्तों में ही सभी चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को 98% नष्ट कर दिया गया। 100 ग्राम/हेक्टेयर पर परीक्षण किए गए तृणनाशक द्वारा प्राप्त खरपतवार नियंत्रण ने सभी चौड़ी पत्ती वाली खरपतवार प्रजातियों को नियंत्रित किया और परिणामस्वरूप पहले चार हफ्तों में 99% मार डाला और छिड़काव के आठ सप्ताह बाद तक संतोषजनक नियंत्रण देना जारी रखा। सेफ्लुफेनासिल 70% WG द्वारा 100 ग्राम/हेक्टेयर पर प्राप्त खरपतवार नियंत्रण कारफेंट्राजोन एथिल 0.43% + ग्लाइहोसेट 30.82% EW 3000 मिली/हेक्टेयर से बेहतर था और 3000 मिली/हेक्टेयर पर ग्लाइफोसेट 41% के बराबर था।

अध्ययनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि मेसर्स टैग्रोस केमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 100 ग्राम/हेक्टेयर की दर से आपूर्ति की गई तृणनाशक सेफ्लुफेनासिल 70% WG ने प्रायोगिक भूखंडों और खरपतवारों में होने वाले सभी चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर उत्कृष्ट नियंत्रण दिया। प्राप्त नियंत्रण 3000 मिली/हेक्टेयर पर ग्लाइफोसेट 41% SL के बराबर था। क्लोरोसिस, नेक्रोसिस, विल्टिंग, झुलसा, हाइपोनेस्टी और एपिनेस्टी जैसे विशिष्ट मापदंडों के लिए तृणनाशक के अनुप्रयोग के बाद 1, 3, 5, 7 और 10 दिनों में फाइटोटॉक्सिसिटी का दृश्य मूल्यांकन किया गया और दर्ज किया गया था। मेसर्स टैग्रोस केमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आपूर्ति किए गए सेफ्लुफेनासिल 70% WG के उपयोग के कारण चाय के पौधों पर कोई फाइटोटॉक्सिसिटी लक्षण नहीं देखा गया।

5.2.2 पादप कार्यिकी (प्लांट फिजियोलॉजी) और जैवप्रौद्योगिकी:

5.2.2.1 चाय में उपज और गुणवत्ता घटकों पर रैपिग्रो का प्रभाव: रैपिग्रोइनोन उपज और चाय की गुणवत्ता घटकों के प्रभाव का लिखित प्रमाण देने के लिए एक व्यापक पीजीआर क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया था। सक्रिय घटक उत्पाद प्रोटीन हाइड्रोलाइज़ेट्स (पीएच) और पौधे के स्रोत यानी मक्का से प्राप्त अमीनो एसिड से बना है। अनुपचारित कंट्रोल और वर्तमान सूक्ष्म पोषक अनुशंसा सहित चार प्रतिकृति के साथ पांच उपचार हैं। अध्ययन में उपज और पैदावार के घटक, हरी पत्तियों/फसल के अंकुरों की शारीरिक और जैव रासायनिक विशेषताएं, चाय

की गुणवत्ता के मापदण्डों और पेशेवर चाय आस्वादकों द्वारा संवेदी मूल्यांकन/ऑर्गेनोलेप्टिक मूल्यांकन शामिल हैं। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.2 <u>चाय में फसल वृद्धि पर एम्बिशन की जैव-प्रभावकारिता</u>: चाय में एम्बिशन की जैव-प्रभावकारिता का लिखित प्रमाण देने के लिए एक व्यापक पीजीआर क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया था। चार प्रतिकृतियों के साथ छह उपचार हैं, जिनमें अनुपचारित कंट्रोल और वर्तमान सूक्ष्म पोषक तत्व की सिफारिश शामिल है। अध्ययन में उपज और पैदावार के घटक, हरी पत्तियों/फसल के अंकुरों की शारीरिक और जैव रासायनिक विशेषताएं, चाय की गुणवत्ता के पैरामीटर और पेशेवर चाय आस्वादकों द्वारा संवेदी मूल्यांकन/ऑर्गेनोलेप्टिक मूल्यांकन शामिल हैं। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.3 <u>बायोजाइम टी+ की जैव-प्रभावकारिता:</u> चाय की उपज और उपज लक्षणों पर बायोजाइम टी+ की जैव-प्रभावकारिता का लिखित प्रमाण देने के लिए एक पीजीआर क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया था। इस उत्पाद के सक्रिय तत्व समुद्री शैवाल (एस्कोफिलुम्नोडोसम) किण्वित बायोमास हैं, जिनमें एल्गिनिक एसिड 0.1% Min और एल-एमिनो एसिड होते हैं। चार प्रतिकृतियों के साथ छह उपचार हैं, जिनमें अनुपचारित कंट्रोल और वर्तमान सूक्ष्म पोषक तत्व की सिफारिश शामिल है। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.4 <u>चाय कार्यिकी में कीटनाशकों के बार-बार प्रयोग के प्रभाव:</u> क्रियात्मक और जैव रासायनिक गतिविधियाँ पौधों की वृद्धि और विकास को नियंत्रित करती हैं। चाय की गुणवत्ता नई पत्तियों पर निर्भर करती है, क्योंकि उनमें पॉलीफेनोल्स, कैटेचिन और पॉलीसेकेराइड जैसे द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का उच्च संचय होता है। विभिन्न कीट और बीमारियाँ इन नई टहनियों को प्रभावित करती हैं और इन जैविक तनावों के प्रबंधन के लिए कीटनाशकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। हालाँकि, कीटनाशकों का निरंतर उपयोग चाय में क्रियात्मक (प्रकाश संश्लेषक रंगद्रव्य और प्रकाश संश्लेषक दर) और जैव रासायनिक (पॉलीफेनॉल, कैटेचिन, अमीनो एसिड आदि) गतिविधियों को प्रभावित करके पौधों के मेटबोलिज्म को प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में हमने देखा है कि चाय बागानों में कीटनाशकों के लगातार प्रयोग के बाद पौधों के स्वास्थ्य में गिरावट और पत्ते गिरने लगे हैं, जिसके बाद फसल देर से ठीक हुई है। इसलिए हमने चाय बागानों में कीटनाशकों के निरंतर उपयोग के बाद क्रियात्मक और जैव रासायनिक विश्लेषण के माध्यम से पौधों की प्रतिक्रियाओं की खोज पर ध्यान केंद्रित किया है। दो प्रमुख कीटनाशकों, क्विनालफोस और प्रोपरगाइट का चयन किया गया, जिनका उपयोग क्रमशः टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) और रेड स्पाइडर माइट (आरएसएम) के प्रबंधन के लिए किया जाता है। अध्ययन में चार प्रतिकृति के साथ चार उपचार , जैसे कि T1 (असंक्रमित पत्तियों पर प्रयोग किया गया कीटनाशक), T2 (संक्रमित पत्तियों पर प्रयोग किया गया कीटनाशक), T3 (संक्रमित पत्तियों पर कंट्रोल का प्रयोग), और T4 (असंक्रमित पत्तियों पर कंट्रोल का प्रयोग) थे। अध्ययन के नतीजों से पता चला कि दोनों कीटनाशकों के उपयोग से क्रियात्मक मापदंडों यानी प्रकाश संश्लेषण वर्णक और प्रकाश संश्लेषण दर में काफी कमी आई है। इसी प्रकार, कीटनाशकों के उपयोग से जैव रासायनिक मापदंडों यानी पॉलीफेनोल्स, कैटेचिन और अमीनो एसिड में काफी कमी आई है। परिणामों से पता चला कि लगातार कीटनाशकों के प्रयोग से चाय के पौधों की महत्वपूर्ण मेटाबोलिज्म गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं।

5.2.2.5 <u>चाय में फसल वर्धक और जैव उर्वरकों की जैव-प्रभावकारिता:</u> यह टीएनएयू, कोयंबटूर के सहयोग से 'चाय में फसल वर्धक और जैव उर्वरकों की जैव-प्रभावकारिता' पर एक प्रयोग है। यह अध्ययन डीबीटी-एनईआर सहयोगित अनुसंधान परियोजना का एक हिस्सा है। यह प्रयोग चाय में फसल वर्धक और जैव उर्वरकों के मूल्यांकन पर केंद्रित है, जो टीएनएयू द्वारा विकसित किए गए हैं। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.6 <u>चाय में नैनो यूरिया के अनुप्रयोग का प्रभाव:</u> यह अध्ययन उत्पादकता में प्रभाव के लिए नैनो यूरिया के पर्ण अनुप्रयोग के माध्यम से यूरिया के जमीनी अनुप्रयोग के प्रतिस्थापन पर केंद्रित है। यह प्रयोग आरबीडी में चार प्रतिकृति के साथ पांच उपचारों के रूप में संचालित किया गया था। इस अध्ययन में विश्लेषण किए जाने वाले प्रमुख मापदण्ड उपज, उपज गुण, पोषक तत्व, शारीरिक और जैव रासायनिक मापदण्ड हैं। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.7 **<u>ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से चाय में रोग प्रतिक्रिया और गुणवत्ता के आणविक तंत्र की खोज:</u>** जीनोमिक्स पर अध्ययन विशेष रूप से ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण प्रस्तावित किया गया है, जो शोधकर्ताओं को जीनोम स्तर पर एक क्लोन की क्रियात्मक और जैव रासायनिक प्रतिक्रिया का पता लगाने में सहायता करता है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन में ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से रोग प्रतिक्रिया और गुणवत्ता के लिए चाय जीनोम की प्रतिक्रिया की जांच की गई है। परिणामों से पता चला कि रोग प्रतिक्रिया के लिए 80,150 अपग्रेडेड और 75,006 डाउनरेगुलेटेड ट्रांस्क्रिप्ट की पहचान की गई। गुणवत्ता के लिए, 76,444 अपग्रेडेड और 72,389 डाउनरेगुलेटेड ट्रांस्क्रिप्ट की पहचान की गई। P सूचक के आधार पर

तुलना के डीजीई सारांश पर विश्लेषण से पता चला कि रोग प्रतिक्रिया के लिए क्रमशः 1,900 और 4,114 जीनों को अपग्रेड और डाउनरेगुलेट करने का संकेत दिया गया था। गुणवत्ता के लिए, P सूचक के आधार पर पता चला कि क्रमशः 2,128 और 5,010 जीनों को अपग्रेड और डाउनरेगुलेट करने का संकेत दिया गया था। इसके अलावा, क्योटो इनसाइक्लोपीडिया ऑफ जीन्स एंड जीनोम्स (केईजीजी) संवर्धन और मार्ग विश्लेषण ने रोग प्रतिक्रिया और गुणवत्ता से संबंधित चयापचय संबंधी मार्गों से जुड़े प्रमुख जीनों का पता लगाया।

5.2.3 <u>रसायन</u>:

5.2.3.1 <u>चाय में गैनेक्सा (एक ऑर्थो सिलिका अम्ल घोल) का प्रभाव:</u> गैनेक्सा एफ़सी एक ऑर्थो ऑर्थो सिलिका अम्ल घोल (2.0% v/v) है, जिसमें 0.6% सिलिकॉन होता है और यह छोटे अनुपात में N, K, Zn, B और Mg जैसे अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। चाय में गैनेक्सा की प्रभावकारिता का पता लगाने के लिए एक क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया था। क्षेत्र प्रयोग के दो वर्षों के बाद सिर्फ 6 मिलीलीटर/लीटर की दर से या मानक सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ गैनेक्सा एफ़सी के उपयोग से मानक अनुशंसा की तुलना में उपज में काफी सुधार हुआ है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि GAINEXA FC (6 मिली/लीटर) को अकेले या सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण के साथ मिलाकर उपयोग करने से चाय की उत्पादकता में सुधार हो सकता है।

5.2.3.2 <u>पारंपरिक चाय क्षेत्र में के-ऐश (शीरा से प्राप्त पोटाश) का मूल्यांकन</u>: K-राख में जल में घुलनशील K2O के रूप में लगभग 20% K होता ,है जिसका चाय में वैकल्पिक K के स्रोत के रूप में मूल्यांकन किया गया था। इस प्रयोग में चार प्रतिकृति के साथ मानक अनुशंसा सहित छह उपचार शामिल हैं। परिणामों से पता चला कि K-राख को शामिल करने वाले उपचारों के लिए मृदा का पीएच एक आदर्श स्तर पर बनाए रखा गया था, जबकि कंट्रोल (कोई अनुप्रयोग नहीं) और मानक उपचार (MoP के रूप में 100% K2O) ने घटती प्रवृत्ति प्रदर्शित की। दूसरे वर्ष के अंत में, K-राख से उपचारित मृदा में उपलब्ध K तत्व भी MoP द्वारा उपचारित मिट्टी (359 पीपीएम) के जैसी ही उपासी-टीआरएफ मानकों के अनुसार उच्च (>300 पीपीएम) (MoP में 25% और 50% की कमी और खाद का समावेश) थी। इसके अलावा, प्रयोग किए गए K-राख उपचारों में उपलब्ध Ca और Mg तत्व ने मानक अनुशंसा की तुलना में बढ़ी हुई सांद्रता दिखाई। पिछले दो वर्षों के क्षेत्र प्रयोग से, 25% K-राख उपचारों के साथ शामिल खाद ने अन्य सभी उपचारों से बेहतर प्रदर्शन किया, अनुप्रयोग की लागत मानक अनुशंसा की तीन गुना होगी। इसलिए, MoP के लागत प्रभाव को देखने के लिए चाय के खेतों में 50% तक MoP को के K-राख से बदलने का सुझाव दिया जा सकता है।

5.2.3.3 <u>जैविक चाय खेत में K-राख (शीरा से प्राप्त पोटाश) का मूल्यांकन:</u> यह प्रयोग पौधों या मिट्टी द्वारा के के अवशोषण को निर्धारित करने के लिए है, इसके साथ-साथ यह उत्पाद चाय उत्पादन को कैसे प्रभावित करता है। जैविक क्षेत्र में प्रयोग में छह उपचार शामिल हैं, जिनमें वर्तमान खाद डालने की प्रथाओं के साथ संयोजन में K-ऐश के अनुप्रयोग की विभिन्न अनुपातों में जांच की जाती है। उपचार में एक नियंत्रण, एक मानक अनुशंसा, K स्रोत के रूप में लकड़ी की राख के साथ मानक NPK, और K स्रोत के रूप में K-ऐश की विभिन्न खुराकें शामिल हैं। दो साल के प्रयोग के परिणामस्वरूप, K-राख के माध्यम से उपचार में के स्रोत की दोहरी खुराक (एनपीके 100:30:200) ने अन्य उपचारों की तुलना में बेहतर उपज प्रदर्शित की।

5.2.3.4 <u>चाय की उत्पादकता पर 'ग्रीन लेबल जिंक (जीएलजेड)' की उत्तेजकों:</u> चाय उत्पादकता पर तरल जीएलजेड के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक क्षेत्र प्रयोग किया गया था। प्रयोग में दस उपचार शामिल हैं, जिनमें बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों का अनुप्रयोग भी शामिल है; सूक्ष्म पोषक तत्वों की अनुशंसित खुराक; जीएलजेड की विभिन्न खुराकें जैसे यूरिया के साथ 250, 320 और 400 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर; मानक सूक्ष्म पोषक तत्वों (ZnSO4 के अलावा) के साथ 160 और 240 मिली; यूरिया के साथ ZnO और EDTA Zn; और ZnSO4 और यूरिया। यूरिया 4 किग्रा + 400 मिली जीएलजेड से युक्त उपचार से उपज में मानक अनुशंसा से अधिक वृद्धि हुई। यह स्पष्ट है कि जीएलजेड और जिंक सल्फेट जैसे जिंक पोषक स्रोतों के साथ-साथ यूरिया को शामिल करने से मानक अनुशंसा की तुलना में उपज में सुधार हुआ है।

5.2.3.5 <u>चाय में जैविक जैव-उत्तेजकों का प्रभाव:</u> इस अध्ययन का उद्देश्य पीट और सैप्रोपेल से प्राप्त ह्यूमिक और फुल्विक अम्ल से बने जैविक जैव-उत्तेजकों का उपयोग करके पारंपरिक क्षेत्रों में चाय की गुणवत्ता और उत्पादन को संरक्षित करते हुए उर्वरक की खपत को कम करना है। मृदा और पत्ती के पोषक तत्वों के विश्लेषण से पता चला कि उपचारों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। भारी धातु विश्लेषण के परिणामों से पता चला कि मापी गई मात्रा एफएसएसएआई की अनुमत सीमा के भीतर आती है। प्रयोग के पहले वर्ष से यह स्पष्ट है कि वर्तमान में सुझाए गए जमीनी अनुप्रयोगों में पारंपरिक

100% NPK जमीनी अनुप्रयोग की तुलना में सुझाए गए सूक्ष्म पोषक तत्वों और 75% NPK के साथ प्रति हेक्टेयर 600 से 800 मिलीलीटर असावा का उपयोग करने से उपज में 8% की वृद्धि हुई है।

5.2.3.6 <u>चाय में वॉटर प्रतिधारक (रिटेनर) का प्रभाव:</u> इस अध्ययन का लक्ष्य मृदा में प्रयोग करने के बाद चाय के पौधे के शुष्कता तनाव पर वॉटर रिटेनर (WR) कार्बनिक मृदा कंडीशनर के प्रभाव के साथ-साथ चाय उत्पादकता पर प्रभाव की जांच करना है। मिट्टी की नमी विश्लेषण के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि WR के अनुप्रयोग से उपचारित मृदा की नमी प्रतिशत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अध्ययन से पता चला कि WR (20 लीटर/हेक्टेयर) @ 2 मिली/एम2 ने कंट्रोल (WR की अनुपस्थिति) की तुलना में लगभग महत्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित किया। इसके अलावा, उपचार में हर 45 दिनों में तीन बार WR (15 लीटर/हेक्टेयर) के प्रयोग से उपज में कंट्रोल की तुलना में वृद्धि हुई और WR (10 लीटर/हेक्टेयर) की कम खुराक मिली।

5.2.3.7 <u>नैनो यूरिया से संबंधित क्षेत्र प्रयोग:</u> चाय में नैनो यूरिया की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक क्षेत्र प्रयोग आरंभ किया गया था। इफको की सिफारिश के अनुसार, 500 मिलीलीटर नैनो यूरिया, पारंपरिक यूरिया के एक बैग (45 किलोग्राम) की जगह ले सकता है, जिसकी खुराक 4 मिलीलीटर प्रति लीटर है। इस एक साल के प्रयोग के आधार पर, नैनो यूरिया के पर्ण छिड़काव के दो राउंड के पक्ष में जमीनी यूरिया उपचार के दो हिस्सों को छोड़ने के लिए इसे अस्थायी रूप से पहचाना गया है। चाय में नैनो यूरिया की मौजूदगी के बारे में अधिक जानने के लिए और अधिक अध्ययन किए जा रहे हैं।

5.2.3.8 <u>चाय क्लोनों पर नैनो यूरिया अवशोषण अध्ययन:</u> विभिन्न चाय क्लोनों में यूरिया के पर्ण छिड़काव और नैनो यूरिया के अवशोषण गुणों के साथ तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस जांच में, चयनित चाय क्लोनों पर 4 मिलीलीटर/लीटर पानी की दर से नैनो यूरिया का छिड़काव किया गया और पोषक तत्वों और गुणवत्ता सूचकांकों के आकलन के लिए समय-समय पर पत्तियों को एकत्र किया गया। तुलना के लिए उपासी-9 क्लोन पर यूरिया (2 किग्रा/हेक्टेयर) का छिड़काव किया गया। पोषक तत्वों में से केवल नाइट्रोजन ने नाइट्रोजन उर्वरक अनुप्रयोग में महत्वपूर्ण भिन्नता दिखाई, और कुल अमीनो एसिड का भी उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा।

5.2.3.9 <u>चाय पर नैनो यूरिया के साथ-साथ एल-थेनाइन के अनुप्रयोग का अध्ययन:</u> इस जांच में, दो अलग-अलग उपचार, पारंपरिक यूरिया प्रसारण और नैनो यूरिया (4 मिली/लीटर) छिड़काव का उपयोग किया गया। N और *L*-थेनाइन संचय का निरीक्षण करने के लिए, एन अनुप्रयोग से पहले और बाद में समय-समय पर जड़ों, तनों और पत्तियों के नमूने लिए गए। जमीन पर यूरिया डालने से जड़ों में एल-थीनाइन का उत्पादन तुरंत उत्तेजित हो जाता है, और 10 दिनों के बाद, इसका स्तर गिरना शुरू हो जाता है, जिससे पता चलता है कि एल-थीनाइन स्थानांतरित हो गया है। क्योंकि पत्तियों पर नैनो यूरिया का छिड़काव करने से चाय की जड़ों में एल-थेनाइन का निर्माण हुआ।

5.2.4 <u>कीटविज्ञान</u>:

5.2.4.1 <u>टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) के अंडनिधान (ओविपोजीशनल) व्यवहार पर अध्ययन:</u> टीएमबी के अंडनिधान व्यवहार पर एक व्यापक अध्ययन किया गया। अंडनिधान तरजीह का अध्ययन करने के लिए उपासी के प्रायोगिक फार्म से उपासी-9 के लगभग 175 चाय के अंकुर (तीन पत्तियां और कली) एकत्र किए गए थे। अध्ययन से पता चला कि लगभग 54% अंडे तीन पत्तियों और एक कली के डंठल पर दिए गए थे।

5.2.4.2 <u>टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) में बाँझ कीट प्रौद्योगिकी (एसआईटी) पर अध्ययन:</u> प्रारंभिक अध्ययन के रूप में कुंवारे नर को तीन अलग-अलग घनत्वों जैसे 70, 80 और 100Gy पर गामा विकिरणित किया गया था। विकिरणित कुंवारे नर को जीवन तालिका अध्ययन के लिए कुंवारी मादा टीएमबी के साथ जोड़ी बनाने की अनुमति दी गई थी। गामा विकिरण अर्थात, 70Gy, 80Gy और 100Gy पुरुष TMBs में बाँझपन पैदा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसके अलावा उच्च घनत्व के साथ नर बाँझपन उत्पन्न करने का कार्य प्रगति पर है।

5.2.4.3 <u>टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) के मैटिंग व्यवहार और उर्वरता पर अध्ययन:</u> टीएमबी के मैटिंग व्यवहार और उर्वरता का पता लगाने के लिए एक अध्ययन शुरू किया गया था। मैटिंग प्रयोगों से, लगभग 50% अंडे एकल-मैटेड मादाओं में व्यवहार्य थे। ऊष्मायन अवधि और कुल विकास अवधि में कोई अंतर नहीं होता है। कुंवारी मादाएं भी अपने पूरे जीवन काल में अनिषेचित अंडे देती हैं और उनमें से किसी का भी बच्चा नहीं निकलता। अध्ययन से पता चला कि एक ही संभोग उचित संतान पैदा करने के लिए पर्याप्त था।

5.2.4.4 <u>टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) के अंडों पर कुछ कीटनाशकों की डिंबवाहिनी (ओविसाइडल) गतिविधि पर अध्ययन:</u> प्रयोगशाला स्थितियों के तहत टीएमबी के अंडों पर सभी पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) अनुमोदित कीटनाशकों का मूल्यांकन किया जा रहा है। डेल्टामेथ्रिन (1 मिली/लीटर), थियामेथोक्सम (0.25 ग्राम/लीटर) और क्विनालफोस + थियामेथोक्सम (1 मिली+0.125 ग्राम/लीटर) जैसे उपचारों ने क्रमशः 85%, 55% और 45% हासिल किया। थियाक्लोप्रिड और इमामेक्टिनबेंजोएट टीएमबी के अंडों पर उल्लेखनीय ओविसाइडल कार्रवाई प्राप्त करने में विफल रहे और उपचारित अंडों से निकले युवती पर भी शून्य अवशिष्ट गतिविधि नोट की गई।

5.2.4.5 <u>टी मोस्कुइटों बग (टीएमबी) के खिलाफ कुछ नैनो जैव कीटनाशकों का मूल्यांकन:</u> नैनो जैव कीटनाशकों अर्थात नीम का तेल (3, 5, और 10 मिली/लीटर), पुंगम तेल (3, 5, और 10 मिली/लीटर), आर्टेमिसिया पत्ती का अर्क (3, 5, और 10 मिली/लीटर) और एडाथोडा पत्ती का अर्क (3, 5) , और 10 मिली/लीटर) का प्रयोगशाला स्थितियों के तहत टीएमबी के विरुद्ध मूल्यांकन किया गया। उपरोक्त में से किसी ने भी टीएमबी पर कोई मृत्यु दर उत्पन्न नहीं की लेकिन इसने आहाररोधी गतिविधि दिखाई। आगे की अध्ययन जारी है।

5.2.4.6 <u>टी मोस्कुइटों बग (टीएमबी) के खिलाफ नीम साबुन, पुंगम साबुन और नीम गोली का बगानी मूल्यांकन:</u> नीम साबुन, पुंगम साबुन और नीम गोली घोल का पृथक-पृथक रूप से और स्टैनमोर और शोलायारटी चाय एस्टेट्स में क्विनालफोस के साथ मूल्यांकन किया गया था। अध्ययन से पता चला कि क्विनालफोस (10 ग्राम + 1 मिली) के साथ पुंगम साबुन ने टीएमबी आबादी को काफी हद तक नियंत्रित किया और आगे बड़े पैमाने पर अध्ययन जारी हैं।

5.2.4.7 <u>टी मोस्कुइटों बग (टीएमबी) और शॉट होल बोरर (एसएचबी) के खिलाफ विभिन्न एआई-जेनिक्स ट्रैप का बगानी मूल्यांकन:</u> उपासी प्रायोगिक फार्म और मोनिका चाय एस्टेट में टीएमबी के खिलाफ ई-बायोनिक ऑलस्टार और ई-बायोनिक वेवस्टार जैसे दो एआई-जेनिक्स कीट जाल का मूल्यांकन किया गया था। दोनों जाल टीएमबी को आकर्षित करने में विफल रहे। इसी तरह, ब्रेवहॉक मोंज़ा ट्रैप का मूल्यांकन एसएचबी के विरुद्ध किया गया था और ट्रैप एसएचबी को आकर्षित करने में विफल रहा।

5.2.4.8 <u>क्राइसोपरलाज़ास्ट्रोविसिलेमियन रेड स्पाइडर माइट का नया रिकॉर्ड और परभक्षी क्षमता:</u> हाल के परभक्षी सर्वेक्षण में अन्नामलाई क्षेत्र में हरे लेसविंग, क्राइसोपरलाज़ास्ट्रोविसिलमी की उपस्थिति की सूचना दी गई थी और इसके अलावा, एकत्रित परभक्षी की पहचान COI जीन अनुक्रमण (NCBI परिग्रहण संख्या: OP740396) का उपयोग करके प्रजातियों के स्तर तक की गई थी) के माध्यम से की गयी थी। लाल मकड़ी कीट के विभिन्न जीवन चरणों के विरुद्ध क्राइसोपरलाज़ास्ट्रोविसिल्मी की शिकार क्षमता का मूल्यांकन किया गया था। अध्ययन से पता चला कि क्रिसोपरलाज़ास्ट्रोविसिलेमी के तीसरे इंस्टार लार्वा ने प्रति दिन दूसरे और पहले इंस्टार लार्वा की तुलना में अंडे (387), लार्वा (189), निम्फों (110) और वयस्क (90.2) शिकार के चरणों की अधिकतम संख्या को खाया। आगे की अध्ययन जारी है।

5.2.4.9 <u>टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) पर ऑक्सीओपेसबिरमैनिकस के ऊर्ध्वाधर वितरण और फीडिंग व्यवहार पर अध्ययन:</u> ऑक्सीओपेसबिरमैनिकस का वितरण शीर्ष स्तर पर अपेक्षाकृत बहुत अधिक (76%) था, मध्य स्तर पर बहुत कम (24%), और निचले स्तर पर अपेक्षाकृत शून्य था। चाय की झाड़ियों का स्तर मादा ओ. बिरमेनिकस की फीडिंग क्षमता काफी अधिक थी और वह प्रति दिन औसतन 11.2 वयस्कों और 11.4 निम्फों को भोजन देती थी। नर ओ. बिरमैनिकस की फीडिंग क्षमता निम्फों पर 9.6 व्यक्तियों के साथ अधिक थी और प्रति दिन 7.4 व्यक्तियों के साथ वयस्कों पर थोड़ी कम थी। वयस्क टीएमबी पर नर की फीडिंग क्षमता काफी कम थी। अध्ययन से पता चला कि ओ. बिरमैनिकस मकड़ियाँ घात लगाकर हमला करके छोटी टीएमबी आबादी को कम कर सकती हैं।

5.2.4.10 <u>कीट प्रबंधन के लिए ड्रोन छवियों का अध्ययन:</u> इस अध्ययन के दौरान, अलग-अलग ऊंचाई पर कीट-संक्रमित और स्वस्थ दोनों क्षेत्रों से ड्रोन छवियां ली गईं। कैप्चर की गई मल्टीस्पेक्ट्रल थर्मल छवियों को आगे के अध्ययन के लिए आईआईटी, खड़गपुर और सी-डैक, कोलकाता भेजा गया था।

5.2.4.11 <u>एनटीआरएफ-वित्त पोषित परियोजना 'चाय में कीटों और बीमारियों के प्रबंधन के लिए माइक्रोबियल एजेंटों और उनके नोवल बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स का विकास, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन':</u> परियोजनाओं के मुख्य विष्कर्ष परिणाम हैं - (i) देशी एंटोमोपैथोजेन के बड़े पैमाने पर उत्पादन पर एक तकनीक का मानकीकरण उन्नत उत्पादन माइक्रोबियल बायोपेस्टीसाइड्स, (ii) बी. बैसियाना के एक देशी सिद्ध स्ट्रेन को अनामलाई से एकत्रित टीएमबी के मृत शव से अलग किया गया था, (iii) बी. सबटिलिस ने एफ. एम्ब्रोसियम के खिलाफ एक प्रतिपक्षी प्रभाव दिखाया जिसके परिणामस्वरूप इन-विवो स्थितियों में एसएचबी आबादी में कमी आई और (iv) एंटोमोपैथोजेनिक कवक एम. अनिसोप्लिया ने बगानी परिस्थितियों में टीएमबी के खिलाफ मृत्यु दर का उच्च प्रतिशत दिखाया।

5.2.5 <u>कीटनाशक अवशेष</u>:

5.2.5.1 <u>दक्षिण भारतीय चाय में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी:</u> दक्षिण भारतीय चाय के कीटनाशक अवशेषों स्थिति की निगरानी के सर्वेक्षण के तहत, दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों (कुन्नूर, मेप्पाडी, मुन्नार, गुडलुर और कोप्पा) से एकत्र किए गए 47 ब्लैक चाय के नमूनों का प्रोपरगाइट, हेक्साकोनाज़ोल और ग्लाइफोसेट के अवशेषों के लिए विश्लेषण किया गया। । कुल मिलाकर 136 आकलन किये गये।

5.2.5.2 <u>लिक्विड क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसीएमएस) द्वारा चाय में टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अवशेष विश्लेषण और डेग्रडेशन अध्ययन:</u> चाय में टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अपव्यय पैटर्न को निर्धारित करने के लिए अध्ययन किया गया था। जब नैटिवो 75% WG का छिड़काव 125 ग्राम/हेक्टेयर पर किया गया, तो शून्य दिन पर टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन का प्रारंभिक जमाव क्रमशः 15.6 और 10.6 पीपीएम था। पांचवें दिन अपव्यय की सीमा क्रमशः टेबुकोनाज़ोल के लिए 2.3 पीपीएम (85%) और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के लिए 1.7 पीपीएम (84%) थी। सातवें दिन दोनों अणुओं के लिए अपव्यय पैटर्न 94% से अधिक पाया गया। 14 दिनों के बाद, अवशेष 125 ग्राम/हेक्टेयर की अनुशंसित खुराक के लिए पता लगाने योग्य स्तर (<0.05 पीपीएम) से नीचे पाए गए। दक्षिण भारतीय चाय बागानों के लिए टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG@125 ग्राम/हेक्टेयर की पीएचआई 14 दिन निर्धारित की गई थी। विभिन्न समय अंतरालों में एकत्र की गई ब्लैक चाय में टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन अवशेषों की मात्रा भी नोट की गई। टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अपव्यय कैनेटीक्स की गणना पहले क्रम के कैनेटीक्स के अनुसार भी की जाती है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अनुशंसित खुराक पर संयुक्त कवकनाशी के अनुप्रयोग की दर फसल सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षित थी।

5.2.5.3 **<u>पर्ण छिड़काव के रूप में चाय के पौधों पर वायेगो केयर (टेट्रानिलिप्रोल 120 ग्राम/लीटर और स्पिरोटेट्रामैट 240 ग्राम/लीटर एससी) के अवशेष और दृढ़ता अध्ययन:</u>** जनवरी और फरवरी, 2022 के दौरान चाय में टेट्रानिलिप्रोले और इसके मेटाबोलाइट और स्पिरोटेट्रामैट और इसके मेटाबोलाइट के अवशेषों का मूल्यांकन करने के लिए फील्ड अध्ययन किया गया था। कुन्नूर में. वायेगो केयर (टेट्रानिलिप्रोल 120 ग्राम/लीटर और स्पिरोटेट्रामैट 240 एससी) का उपचार के रूप में चाय के पौधों पर 375 और 469 मिली/हेक्टेयर फॉर्मूलेशन की दर से छिड़काव किया गया और तुलना के लिए एक अनुपचारित नियंत्रण बनाए रखा गया। टेट्रानिलिप्रोल और इसके मेटाबोलाइट, और स्पाइरोटेट्रामैट और इसके मेटाबोलाइट के अवशेषों के लिए ताजी हरी पत्तियां, ब्लैक चाय, ग्रीन चाय, ब्लैक चाय और ग्रीन चाय की मृदा और चाय काढ़ा का विश्लेषण किया गया। टेट्रानिलिप्रोल और इसके मेटाबोलाइट, और स्पाइरोटेट्रामैट और इसके मेटाबोलाइट के लिए 0.002 मिलीग्राम/किग्रा के एलओक्यू पर मानकीकृत एलसी-एमएस/एमएस विधि द्वारा अवशेषों का तीन प्रतियों में विश्लेषण किया गया था। हरी पत्तियां, ब्लैक चाय, ग्रीन चाय, ब्लैक चाय और ग्रीन चाय, मिट्टी और उसके काढ़े के विश्लेषणात्मक परिणाम नीचे दिए गए हैं। टेट्रानिलिप्रोल और स्पिरोटेट्रामैट के अवशेष स्तर से पता चला है कि विभिन्न मैट्रिक्स के लिए वेगो केयर (टेट्रानिलिप्रोले 120 ग्राम/लीटर (डब्ल्यू/वी) और स्पिरोटेट्रामैट 240 एससी) फॉर्मूलेशन @ 375 और 469 मिलीलीटर/हेक्टेयर के अनुप्रयोग से यह 0 से 28 वें दिन तक तेजी से नष्ट हो जाता है। जैसे ताज़ी हरी पत्तियाँ, ब्लैकचाय, ग्रीन चाय, ब्लैक चाय का काढ़ा और ग्रीन चाय का काढ़ा। 14वें दिन के नमूने में मिट्टी में कोई अवशेष नहीं है।

5.2.5.4 **<u>चाय में ग्लाइफोसेट 41% w/w SL (आईपीए लवण) के अनुप्रयोग करने के पश्चात चाय की पत्तियों, ब्लैक चाय (बनी हुई चाय), ब्लैक चाय का काढ़ा, ग्रीन चाय, ग्रीन चाय का काढ़ा और मृदा में ग्लाइफोसेट एवं इसकी मेटाबोलाइट अमीनो मिथाइल फोसफोनिक अम्ल (एएमपीए) का अवशेष अध्ययन:</u>** ब्लैक चाय, धूप में सुखाई गई हरी पत्तियों और चाय के काढ़े में ग्लाइफोसेट के अवशेषों को निर्धारित करने के लिए प्रायोगिक फार्म, कुन्नूर और एरिनकाडु टी एस्टेट में शुष्क मौसम के दौरान फील्ड परीक्षण किया गया था। प्रतिनिधि पत्ती और मृदा के नमूने 0 दिन से एकत्र किए गए और 14वें दिन तक जारी रहे। पत्ती के एक हिस्से के नमूने को सीटीसी लघु इकाई का उपयोग करके ब्लैक चाय में संसाधित किया गया और बाकी नमूने को छाया में सुखाया गया। प्रायोजक के अनुरोध के अनुसार नमूने विश्लेषणात्मक उद्देश्य के लिए यूरोफिन्स एनालिटिकल सर्विस, बैंगलोर को भेजे गए हैं।

5.2.6 <u>पादप रोगविज्ञान (प्लांट पैथोलॉजी)</u>:

5.2.6.1 **<u>दक्षिण भारत के चाय बागानों में फ्यूसेरियम विल्ट/डाई-बैक रोग की नई रिपोर्ट:</u>** यह कवक पैथोजेन कोमल अंकुरों, युवा कलियों और पत्ती के डंठलों को व्यवस्थित रूप से संक्रमित करता है और परिगलन (नेक्रोसिस) के लक्षण विकसित करता है, जिसे फ्यूसेरियम विल्ट/डाई-बैक रोग के रूप में जाना जाता है। फफूंद पैथोजेन की पहचान करने के लिए चाय के खेतों से संक्रमित चाय की टहनी के नमूने एकत्र किए गए। स्टीरियो माइक्रोस्कोपिक अवलोकन के तहत सहायक कलियों और डंठल वाले क्षेत्रों में भूरे-भूरे काले धब्बे के साथ-साथ नेक्रोटिक घावों के साथ डाई-बैक लक्षण देखे गए। नमी तकनीक के तहत एस्कोस्पोर्स का विकास देखा गया। पृथक कवक की पहचान कॉलोनी आकृति विज्ञान और धुंधला तकनीक की मदद से बीजाणु संरचनाओं की सूक्ष्म जांच के आधार पर की गई थी। आगे की पुष्टि कोच अभिधारणा तकनीक के माध्यम से पूरी तरह से की जाएगी।

5.2.6.2 <u>ब्लिस्टर और ग्रे ब्लाइट रोगों के खिलाफ पौधे-आधारित और माइक्रोबियल-आधारित नैनोपार्टिकल्स का विकास:</u> नैनोपार्टिकल्स के संश्लेषण के लिए वनस्पति अर्क का उपयोग कम करने वाले एजेंटों के रूप में किया गया था। इन नैनोपार्टिकल्स का खाद्य विषाक्तता तकनीक के माध्यम से इन-विट्रो स्थिति के तहत ग्रे ब्लाइट पैथोजेन के खिलाफ परीक्षण किया गया था। nBWN07 के विकसित उपचार में 9वें दिन के बाद भी अवरोध की उच्च दर देखी गई। nCCL03 और nVET02 के उपचारों ने औसत नियंत्रण किया जबकि अन्य उपचार इन-विट्रो स्थिति के तहत पी. थीई को नियंत्रित करने में विफल रहे। किण्वित कल्चरों का उपयोग विभिन्न ऑक्सीकरण एजेंटों के साथ नैनोपार्टिकल्स संश्लेषण में कम करने वाले एजेंटों के रूप में भी किया जाता है। विकसित माइक्रोबियल नैनोकणों का इन-विट्रो स्थिति के तहत ग्रे ब्लाइट और ब्लिस्टर ब्लाइट पैथोजेन के खिलाफ अध्ययन किया जाएगा।

5.2.6.3 **<u>दक्षिण भारत में चाय के पर्ण रोगों के प्रबंधन के लिए टेबुकोनाज़ोल 50% और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्लूजी के संयोजन की संस्तुति:</u>** टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG का ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट दोनों रोगों के खिलाफ परीक्षण किया गया था। इसने 125 ग्राम/हेक्टेयर की खुराक पर दोनों पर्ण रोगों पर महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रदान किया। PHI का अध्ययन करने के लिए सूक्ष्म भूखंडों में टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के संयोजन का छिड़काव किया गया था। प्रायोगिक भूखंडों से एकत्र की गई चाय की पत्तियों को अवशेषों के अध्ययन के लिए समय-समय पर संसाधित किया गया। टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अवशेषों का अध्ययन किया गया है और अपव्यय पैटर्न अध्ययन के अनुसार सुरक्षित फसल अंतराल 14 दिनों के रूप में तय किया गया था। बहु-स्थानीय अध्ययनों के माध्यम से उत्पन्न आंकड़ों के अनुसार टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG का संस्तुति मसौदा तैयार किया गया था और चाय खेती की हैंडबुक में शामिल करने के लिए चाय समिति को प्रस्तुत किया गया था।

5.2.6.4 <u>चाय में एकीकृत पादप स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए चिटोसन ऑलिगोसेकेराइड 20% के जैविक गुण:</u> ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट रोगों के प्रबंधन के लिए चिटोसन ओलिगोसेकेराइड COS 20% (मैसर्स आईएसएफ चिटिन एंड मरीन प्रोडक्ट्स एलएलपी, कोच्चि) के मूल्यांकन के लिए फील्ड प्रयोग किया गया था। मानक के रूप में COS के साथ अलग-अलग खुराक (250 से 2500 मिली/हेक्टेयर) के साथ उपचार का अध्ययन किया गया। अनुशंसित कवकनाशी के संयोजन और COS 20% के वैकल्पिक उपचार का भी अध्ययन किया गया। परिणाम साबित करते हैं कि कम खुराक (1 लीटर/हेक्टेयर) पर छाले पर प्रभावी नियंत्रण होता है ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट रोग प्राप्त किए गए, जबकि सभी परीक्षण की गई खुराक ने अनुपचारित नियंत्रण की तुलना में 40% से अधिक का नियंत्रण व्यक्त किया। COS के साथ 210 ग्राम/हेक्टेयर की दर से चिटोसन ओलिगोसेकेराइड 20% @1 लीटर/ के संयुक्त उपचार में ग्रे ब्लाइट/डाई-बैक रोग का बेहतर नियंत्रण देखा गया। । अध्ययन से यह पुष्टि की गई है कि COS 20% द्वितीयक घाव पैथोजेन (डाई-बैक) की घटनाओं को कम करके चाय के अंकुरों में जैव-उत्तेजक प्रभाव के साथ-साथ घाव भरने की लक्षणों को व्यक्त करता है। बहु-स्थानीय क्षेत्र प्रयोग से पता चला कि COS 20% के साथ वैकल्पिक अनुसूची के उपचार में उच्च उपज दर्ज की गई थी। क्षेत्र प्रयोगों के आधार पर, हेक्साकोनाज़ोल + COC @ अनुशंसित खुराक के एक दौर के साथ एक अनुसूची विकसित की गई थी, जिसके बाद अकेले 7 दिनों के अंतराल के साथ COS 20% @ 1 लीटर/ हेक्टेयर +COC @ 210 ग्राम (या) COS 20% @ 1 लीटर/हेक्टेयर का प्रयोग किया गया था। अध्ययन से यह पुष्टि की गई है कि अनुशंसित कवकनाशी के साथ चिटोसन ऑलिगोसेकेराइड बेहतर प्रभावकारिता में मदद करता है और कवकनाशी की आवश्यकता को कम करता है और सुरक्षित फसल अंतराल को बनाए रखने के लिए चाय में अवशेषों को कम करता है।

5.2.6.5 <u>चाय रोग प्रबंधन के लिए वैकल्पिक कवकनाशी के लिए फील्ड प्रयोग:</u> ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट दोनों रोगों के खिलाफ वैकल्पिक प्रभावी कवकनाशी शेड्यूल प्रदान करने के लिए उपासी प्रायोगिक फार्म में फील्ड प्रयोग शुरू किया गया था। उपचार विवरण अर्थात बीएएसएफ कोडित उत्पाद (बीएएस 750 02F @ 200 मिली/हेक्टेयर, बीएएस 75101F @ 250 मिली/हेक्टेयर, और बीएएस 71700F @ 600 मिली/हेक्टेयर), ज़िमोथाइमॉक्स @ 750 मिली/हेक्टेयर, ज़ाइमोबायोगार्ड @ 750 ग्राम/हेक्टेयर, टेबुकोनाज़ोल 38.39% एससी (बूनोस) @ 250 मिली, अवतार @ 600 ग्राम + सीओसी @ 210 ग्राम/हेक्टेयर, और अकेले प्रयोग @ 600 ग्राम/हेक्टेयर अनुपचारित नियंत्रण के साथ। अध्ययन के नतीजे ने पुष्टि की कि सभी चयनित बीएएसएफ कोडित उत्पादों ने संबंधित खुराक के साथ 70% से अधिक की दर से ब्लिस्टर ब्लाइट रोग को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया। उपचारों में, BAS 750 02F @ 200 ml/ha ने नियंत्रण का उच्चतम प्रतिशत 89% प्रदान किया, इसके बाद BAS 75101F @ 250 ml/ha और BAS 71700F @ 600 ml/ha था।

5.2.6.6 <u>एकीकृत पादप स्वास्थ्य प्रबंधन (आईपीएमएच):</u> ग्रे ब्लाइट/डाई-बैक रोग के प्रबंधन के लिए संभावित सूक्ष्मजीवों को शामिल करके आईपीएमएच के तहत फील्ड प्रयोग किया गया था। 3 स्थानों पर जैव प्रभावकारिता आंकड़ा तैयार किया गया। पी. फ़्लोरेसेन्स के उपचार ने पी. थीई के विरुद्ध 38% की अधिक जैव-प्रभावकारिता प्रदर्शित की, जिसके बाद टी. विराइड और बी. एमाइलोलिकफ़ेसिएंस के उपचारों में अनुपचारित नियंत्रण की तुलना में क्रमशः 37% और 33% का नियंत्रण पाया गया। इस बीच, बीमारी के मौसम की अध्ययन अवधि के दौरान उपज आंकड़ा दर्ज किया गया था। पी. फ्लोरोसेंस के उपचार में उच्च उपज दर्ज की गई, जिसकी कुल उपज 920.7 टन/हेक्टेयर रही, जिसमें अनुपचारित भूखंडों की तुलना में 12.7% की वृद्धि हुई। यह पी. फ्लोरेसेंस की एंटीफंगल लक्षणों के साथ-साथ विकास को बढ़ावा देने की क्षमता को साबित करता है, जिससे यह चाय की खेती में एक संभावित सूक्ष्मजीव बन जाता है।

5.2.6.7 **<u>ड्रोन स्प्रेयर का उपयोग करके नैटिवो 75% WG का छिड़काव:</u>** टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (नेटिवो 75% WG)। ड्रोन के माध्यम से नेटिवो के अनुप्रयोग के लिए फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन संचालित करने के लिए प्रायोगिक भू-खंड तैयार की गई थी। तीन प्रतिकृतियों के साथ दो खुराक (125 ग्राम/हेक्टेयर और 250 ग्राम/हेक्टेयर पानी की मात्रा 20 लीटर/हेक्टेयर) के साथ प्रयोग किया गया। ड्रोन की गति, ऊंचाई और डिस्चार्ज मात्रा को मानकीकृत किया गया और छिड़काव शुरू किया गया। फाइटोटॉक्सिसिटी लक्षणों की उपस्थिति के लिए फील्ड का समय-समय पर निरीक्षण किया गया। परिणामों से पता चला कि किसी भी उपचार में पीलापन, बौनापन, परिगलन, एपिनेस्टी और हाइपोनेस्टी जैसे कोई फाइटोटॉक्सिक प्रभाव नहीं दिखा। इस प्रकार, ड्रोन के माध्यम से टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्लूजी के अनुप्रयोग से चाय की फसल पर फाइटोटॉक्सिसिटी प्रभाव नहीं पड़ता है और नियामक अधिकारियों से अनुमोदन के अधीन चाय के पौधे पर टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्लूजी के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग करने की सिफारिश की जाती है।

5.2.6.8 **<u>चाय पारिस्थितिकी तंत्र में कृषि रसायनों को नष्ट करने वाले रोगाणुओं और जैव उपचार पर अध्ययन:</u>** दक्षिण भारतीय चाय बागानों की सूक्ष्मजीव जैव विविधता का लिखित प्रमाण दिया गया और चाय पारिस्थितिकी तंत्र में मृदा के स्वास्थ्य में सुधार के लिए कृषि रसायन के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन किया गया। बायो-डी (Bio-D) घोल को विभिन्न गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों के माध्यम से दक्षिण भारतीय चाय पारिस्थितिकी तंत्र से पृथक और पहचाने जाने वाले संभावित कृषि रासायनिक अपक्षयी सूक्ष्मजीवों के साथ विकसित किया गया था। अध्ययन अवधि के दौरान, प्रोपरगाइट की बायोडिग्रेडिंग क्षमता ने बताया कि चाय की मृदा में शामिल बायो-डी नियंत्रण की तुलना में 7वें और 14वें दिन की अवधि के लिए क्रमशः 65% और 83% की गिरावट प्रदान करता है। शाकनाशी ग्लाइफोसेट के संबंध में, एचपीएलसी मात्रात्मक विधि के माध्यम से 7वें और 14वें दिन 62% और 67% दर्ज किया गया। जब कीटनाशक और शाकनाशी के साथ तुलना की जाती है, तो कवकनाशी के लिए बायो-डी की गिरावट गतिविधि तुलनात्मक रूप से कम है और गिरावट की दर 44% है। ग्रीन हाउस की स्थिति के आधार पर स्थूल और सूक्ष्म पोषक तत्वों में मामूली वृद्धि देखी गई और भौतिक-रासायनिक गुणों में भी सुधार हुआ। चाय की मृदा के भौतिक-रासायनिक गुणों में सुधार के लिए चाय बागानों में उपयोग के लिए बायोकॉन्सोर्टियम (बायो-डी) के बड़े पैमाने पर कल्चर करने के लिए चयनित एग्रोकेमिकल डिग्रेडिंग रोगाणुओं के साथ नष्ट किए गए चाय के कचरे को एक वैकल्पिक लागत प्रभावी पोषक माध्यम के रूप में उपयोग किया गया था। लैब-टू-लैंड कार्यक्रम के तहत कृषि रासायनिक अपघटन करने वाले सूक्ष्मजीवों सहित लगभग 5,000 किलोग्राम मातृ कल्चर तैयार की गई और बड़े पैमाने पर उत्पादन और बड़े पैमाने पर क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए सदस्य चाय एस्टेट को भेज दी गई। बहु-स्थानीय क्षेत्र प्रयोगों के पूरा होने के बाद, चाय उद्योग को संभावित बायोडिग्रेडिंग रोगाणुओं की संस्तुति की जाएगी।

5.2.7 <u>चाय प्रौद्योगिकी</u>:

5.2.7.1 <u>'चाय में आइरन फिलिंग के निर्धारण' की विधि के लिए अंतर-प्रयोगशाला तुलना (आईएलसी) परीक्षण में भागीदारी:</u> एफएसएसएआई द्वारा चाय में आइरन फिलिंग के निर्धारण के लिए एक आईएलसी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उपासी सहित सात चाय परीक्षण प्रयोगशालाओं ने भाग लिया। चरण-I, 2021 में आयोजित किया गया था और चार चाय के नमूनों (सीटीसी लीफ, सीटीसी डस्ट, ऑर्थोडॉक्स और ग्रीन टी) के लिए प्रतिकृति तरीके से 48 आकलन संचालित किए गए थे। चरण- II, 2022 में आयोजित किया गया था और चार चाय के नमूनों के लिए 20 आकलन संचालित किए गए थे।

5.2.7.2 उत्प्रेरक के रूप में ग्रीन चाय के अर्क का उपयोग करके सिल्वर नैनोपार्टिकल्स का संश्लेषण: हरी चाय विभिन्न फाइटोकेमिकल घटकों की उच्च तत्व के लिए जानी जाती है, जो धातु आयनों को नैनोपार्टिकल्स में कम करने में शामिल होते हैं। ग्रीन चाय के अर्क का उपयोग करके सिल्वर नैनोपार्टिकल्स के संश्लेषण के लिए एक अध्ययन किया गया था। ग्रीन चाय के अर्क को सिल्वर नाइट्रेट के साथ मिलाया जाता है, गर्म किया जाता है और चुंबकीय स्टिरर का उपयोग करके हिलाया जाता है। अंत में, कच्चे सिल्वर नैनोपार्टिकल्स लाल-भूरे रंग के घोल के रूप में प्राप्त हुए, जिन्हें इथेनॉल से धोया गया और सुखाया गया। सूखे नमूनों के यूवी-विज़, एक्सआरडी और एसईएम विश्लेषण से नैनोपार्टिकल्स संश्लेषण की पुष्टि हुई। यह विधि पर्यावरण के अनुकूल, कम लागत वाली और कमरे के तापमान पर सिल्वर नैनोपार्टिकल्स का उत्पादन करने में सक्षम है।

5.2.7.3 **<u>ग्रीन चाय में जड़ी-बूटियों (हर्बल) को शामिल करने पर अध्ययन:</u>** एंटीऑक्सिडेंट और अन्य जैव रासायनिक घटकों की उपस्थिति के कारण ग्रीन चाय को इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए मान्यता मिली है। लोगों ने अपने दैनिक जीवन में शामिल औषधीय जड़ी-बूटियों का सेवन करके स्वस्थ जीवन के बारे में ज्ञान प्राप्त किया है। इस परियोजना का दायरा ग्रीन चाय के साथ औषधीय जड़ी-बूटियों का मिश्रण करना है, जिसे अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल किया जा सकता है। सेन्नार्टिकुलाटा, फिलैन्थसनिरुरी और टीनोस्पोराकॉर्डिफोलिया जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों को अलग-अलग अनुपात में ग्रीन चाय के साथ मिश्रित किया गया था। परिणामों से पता चला कि ग्रीन चाय को 3% सेन्नाआर्टिकुलटा और 3% फिलैंथस्निरुरी के साथ मिश्रित करने से उनके एंटीऑक्सीडेंट और जैव रासायनिक घटकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। टिनोस्पोरा को शामिल करने से कोई परिवर्तन नहीं देखा गया।

5.2.7.4 **<u>दक्षिण भारतीय चाय की गुणवत्ता प्रोफ़ाइल पर सर्वेक्षण:</u>** सर्वेक्षण कार्यक्रम के तहत दक्षिण भारत के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों से चाय के नमूने मासिक अंतराल पर एकत्र किए गए और उनके गुणवत्ता मानकों जैसे TF, TR, HPS और TLC के लिए विश्लेषित किया गया। कुल 17 नमूनों में 13 सीटीसी ब्लैक चाय के नमूने और मुन्नार, नीलगिरी, गुडलुर और मप्पाडी क्षेत्रों से 4 ओर्थोड़ोक्स निर्मित नमूने शामिल हैं। सीटीसी ग्रेड नमूनों में, TF तत्व 0.36% से 0.81% तक भिन्न थी और मुन्नार क्षेत्र के नमूनों में अधिक थी। TR तत्व 5.52 से 9.06 तक भिन्न थी और मुन्नार क्षेत्र में अधिक थी। HPS और TLC तत्व क्रमशः 6.18 से 10.19 और 1.94 और 3.30 तक भिन्न थी। HPS और TLC तत्व गुडलूर क्षेत्र से अधिक थी। ओर्थोड़ोक्स चाय में, TF तत्व 0.34 से 0.53% और TR तत्व 5.11 से 8.57% तक भिन्न थी। एचपीएस तत्व 5.14 से 8.07% और टीएलसी तत्व 1.70 से 2.77 थी। एचपीएस और टीएलसी तत्व को छोड़कर नीलगिरी क्षेत्र में ओर्थोड़ोक्स ब्लैक चाय के सभी गुणवत्ता घटक अधिक थे, जो वायनाड क्षेत्र में अधिक हैं।

5.2.7.5 **<u>ऑर्थोडॉक्स ब्लैक चाय में दोहरे फ्लेवारों को मिश्रित करने का प्रभाव:</u>** ओर्थोड़ोक्स ब्लैक चाय में सेब, लेमन ग्रास, स्ट्रॉबेरी और गुलाब जैसे फ्लेवारों को मिश्रित करने पर जैव रासायनिक और लिकर मापदंडों में परिवर्तन का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया गया था। ऑर्थोडॉक्स ब्लैक चाय को उपरोक्त स्वादों की विभिन्न सांद्रता के साथ मिश्रित किया गया था। जैव रासायनिक और गुणवत्ता मापदंडों के परिणामों से पता चला है कि सेब, इलायची, स्ट्रॉबेरी और गुलाब जैसे फ्लेवारों की विभिन्न सांद्रता को मिश्रित करने से या तो एकल फ्लेवर या संयुक्त फ्लेवर, पॉलीफेनोल में वृद्धि हुई और शर्करा तत्व कम हो गई। कैटेचिन और एंटीऑक्सीडेंट गुणों जैसे अन्य मापदंडों में कोई बदलाव नहीं किया गया।

5.2.7.6 **<u>ऑर्थोडॉक्स ब्लैक चाय में जड़ी-बूटियों (हर्बल) का मिश्रण:</u>** स्टीविया रेबाउडियाना जैसी जड़ी-बूटियों को मिश्रित करने पर जैव रासायनिक और लिकर मापदंडों में परिवर्तन का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया गया था। ऑर्थोडॉक्स ब्लैक चाय को स्टीविया रेबाउडियाना की विभिन्न सांद्रता जैसे 1, 2, 3 और 5% के साथ मिश्रित किया गया था और शराब और जैव रासायनिक मापदंडों का विश्लेषण किया गया था। जैव रासायनिक और गुणवत्ता मापदंडों के परिणामों से पता चला है कि ऑर्थोडॉक्स ब्लैक चाय में स्टीविया मिलाने से अमीनो एसिड, कम करने वाली शर्करा और पॉलीफेनोल्स जैसे कुछ जैव रासायनिक घटकों में वृद्धि हुई है। पारंपरिक ब्लैक चाय के साथ स्टीविया के मिश्रण से TR और HPS तत्व में काफी सुधार हुआ और TF और TLC तत्व में कुछ वृद्धि हुई।

5.2.7.7 <u>टी लीफ रीडिंग मशीन (बैलाट्रोनिक्स) का मूल्यांकन:</u> हरी पत्ती की बारीक पत्ती की गुणवत्ता और मोटे पत्ती प्रतिशत का पता लगाने के लिए टी लीफ रीडिंग मशीन (बैलाट्रॉनिक्स) के मूल्यांकन पर एक प्रयोग शुरू किया गया था। उपासी ने क्लोन उपासी 9, यूपीएएसआई 2, उपासी 20 और टीआरएफ 4 जारी किए, साथ ही अन्य क्लोन सीआर 6017 और टीआरआई 2024 को आंकड़ा संग्रह के लिए लिया गया। निम्नलिखित श्रेणी A ग्रेड - 2L+B, B+ ग्रेड - 3L+B, B ग्रेड - 4L+B और C ग्रेड - 4L+B (मोटे पत्ते) से अधिक द्वारा 400 रीडिंग (प्रत्येक ग्रेड से 100 रीडिंग) ली गई। परिणामों से पता चला कि ली गई 50 रीडिंग में से बारीक पत्ती श्रेणी में मशीन और मैन्युअल रीडिंग के बीच अंतर 0.1% से 15% तक था। परिणामों के आधार पर, पत्ती गुणवत्ता माप की मैनुअल और मशीन रीडिंग की तुलना में उपकरण लगभग 85% सटीकता दर्ज करता है। इस उपकरण को और बेहतर बनाने का कार्य प्रगति पर है।

5.2.7.8 <u>चाय में स्ट्रिंग जैवउद्दीपक (बायोस्टिमुलेंट) उत्पाद का मूल्यांकन:</u> यांत्रिक तुड़ाई के तहत चाय की उपज और कैटेचिन तत्व पर प्रोटीन हाइड्रोलाइज़ेटबायोस्टिमुलेंट (लश चाय) के अनुप्रयोग का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया गया था। उपचार के 15 दिनों के बाद कैटेचिन तत्व के विश्लेषण के लिए पत्ती के नमूने लिए गए और परिणामों से पता चला कि कैटेचिन तत्व मानक सिफारिश (यांत्रिक कटाई के लिए विशेष पत्तेदार पोषक तत्व आवेदन) के अनप्रयोग की तुलना में बायोस्टिमुलेंट के साथ पर्ण अनुप्रयोग से बढ़ी है।

5.2.7.9 <u>चाय में चिटोसन ओलिगोसैकेराइड्स का क्षेत्र मूल्यांकन:</u> ब्लिस्टर ब्लाइट को नियंत्रित करने के लिए कवकनाशी के रूप में चिटोसन ओलिगोसैकेराइड्स के अनुप्रयोग द्वारा कैटेचिन मात्रा में परिवर्तन का पता लगाने के लिए क्षेत्र प्रयोग किया गया था। कैटेचिन तत्व के विश्लेषण के लिए उपचार अनुप्रयोग के 20 दिनों के बाद पत्ती के नमूने एकत्र किए गए। परिणामों से पता चला कि नवंबर और दिसंबर के दौरान एकत्र किए गए नमूनों के लिए COC जैसी मानक अनुशंसा के अनुप्रयोग और उसके बाद 500 मिलीलीटर/हेक्टेयर चिटोसन ऑलिगोसेकेराइड के अनुप्रयोग से उच्चतम पॉलीफेनोल और कैटेचिन तत्व प्राप्त हुई। प्रयोग जारी है।

5.2.8 <u>सलाहकारी</u>:

विस्तार कर्मियों/वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा चाय बागानों में कुल 803 दौरे किए गए और चाय खेती के विभिन्न पहलुओं पर 137 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

5.2.8.1 <u>कुन्नूर में:</u> ISO 17025:2017 के लिए एनएबीएल डेस्कटॉप निगरानी ऑडिट अगस्त में आयोजित किया गया था। दस्तावेजों की समीक्षा और प्रासंगिक विवरणों के आधार पर एनएबीएल द्वारा मान्यता की निरंतरता प्रदान की गई थी। प्रयोगशाला के लिए आंतरिक गुणवत्ता ऑडिट 22-24 अप्रैल, 2022 को आईएसओ/आईईसी 17025:2017 की सभी श्रेणियों के लिए आयोजित किया गया था। प्रयोगशाला के लिए प्रबंधन समीक्षा बैठक 14 मई को आयोजित की गई थी।

प्रयोगशाला ने राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद द्वारा संचालित कॉपर ऑक्सीक्लोराइड में तांबे की दक्षता परीक्षण में भाग लिया और जेड-स्कोर मान सीमा के भीतर था। प्रयोगशाला ने जल में घुलनशील राख, जल में घुलनशील राख की क्षारीयता, अम्ल में अघुलनशील राख, कुल राख, नमी और चाय में कुल पॉलीफेनॉल के लिए एफएआरई लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव द्वारा संचालित दक्षता परीक्षण में भाग लिया और जेड-स्कोर के मान सीमा के भीतर थे। प्रयोगशाला ने ग्रीन इकोनॉमी इनिशिएटिव्स प्राइवेट लिमिटेड, मोहाली द्वारा आयोजित जल में घुलनशील पोटेशियम (K2O), सल्फेटेड सल्फर, अमोनिया कैलनाइट्रोजन और कुल नाइट्रोजन (यूरिया) के लिए दक्षता परीक्षण में भाग लिया और जेड-स्कोर मान सीमा के भीतर थे।

प्रयोगशाला ने टी बोर्ड गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा संचालित जल में घुलनशील राख, कच्चे फाइबर, वॉटर एक्सट्रेक्ट, आइरन फिलिंग की क्षारीयता के लिए आईएलसी कार्यक्रम में भाग लिया और परिणाम जेड स्कोर सीमा के भीतर थे। प्रयोगशाला ने फाइटो-फार्मा टेस्टिंग लैब, कोयंबटूर द्वारा संचालित थियाफ्लेविन,

थायरुबिगिन, उच्च पॉलिमराइज्ड पदार्थ, कुल शराब रंग, कुल पॉलीफेनॉल, कैफीन और आइरन फिलिंग के लिए एक आईएलसी कार्यक्रम में भाग लिया और जेड-स्कोर मान सीमा के भीतर अच्छी तरह से थे।

एनएबीएल-मान्यता के अलावा, प्रयोगशाला ने नेशनल एग्रो फाउंडेशन, चेन्नई, अश्वमेध इंजीनियर्स एंड कंसल्टेंट्स, नासिक और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम द्वारा मृदा और खाद के लिए संचालित आईएलसी कार्यक्रम में भाग लिया और सभी जेड स्कोर मान सीमा के भीतर थे।

5.2.8.2 <u>गुडलूर में:</u> हर महीने की पहली या दूसरी तारीख को सदस्यों के बीच अपनाई जाने वाली कृषि प्रथाओं से युक्त एक मासिक सलाहकार नोट प्रसारित किया जाता था। फसल उत्पादन और उत्पादकता विवरण पर तुलनात्मक विवरण हर महीने की 5 तारीख को या उससे पहले सभी सदस्य चाय एस्टेट को प्रसारित किया गया था। इस अवधि के दौरान, नीलगिरि-वायनाड क्षेत्र के सदस्य चाय एस्टेट से विनिर्मित चाय के कुल 10 नमूने, सीटीसी और ऑर्थोडॉक्स प्रकार के एकत्र किए गए थे। चाय में कीटनाशक अवशेषों पर सर्वेक्षण और नमूने उपासी-टीआरएफ आरसी, कुन्नूर को भेजे गए।

नीलगिरि-वायनाड के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में ब्लिस्टर ब्लाइट के व्यापकता और घुन संक्रमण के पूर्वानुमान पर क्षेत्र प्रयोग जारी हैं। पर्पल चाय की झाड़ियों का चयन, वंश-वृद्धि और नर्सरी में उगाए गए पौधों को रोपण के लिए उपासी-टीआरएफ आरसी, कुन्नूर को सौंप दिया गया। रौसडनमुल्लईटी एस्टेट में 2021 में शुरू किया गया डाउन प्रूनिंग और इनफिलिंग का प्रयोग प्रगति पर है। कैरोलिन चाय एस्टेट में किए गए एटीके क्लोन की तुलना में ब्लिस्टर ब्लाइट रोग मुक्त क्लोन पर मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि कोई ब्लिस्टर मुक्त क्लोन नहीं है। सिर्फ संक्रमण का प्रतिशत कम है।

5.2.8.3 कोप्पा में: सदस्य चाय एस्टेटों के लिए विभिन्न सलाहकार सेवाओं और क्षेत्र प्रयोगों के संबंध में नियमित दौरे किए गए। pH, EC और गठन के लिए मृदा के नमूनों का विश्लेषण किया गया। जड़ रोगों के लिए जड़ के नमूनों का विश्लेषण किया गया और सदस्य चाय एस्टेटों को उपयुक्त संस्तुति की गई।

5.2.8.4 <u>मेप्पडी में:</u> सदस्य चाय एस्टेटों के लिए डोलोमाइट अनुप्रयोग संस्तुति और उर्वरक अनुसूची तैयार की गई थी। मासिक अंतराल पर कीटनाशक अवशेष सर्वेक्षण विश्लेषण के लिए जिले के सदस्यों से निर्मित चाय के 08 (आठ) नमूने एकत्र किए गए। दो क्षेत्रों (उत्तर और दक्षिण) में ब्लिस्टर ब्लाइट रोग और दक्षिण क्षेत्र में रेड स्पाइडर माइट की आबादी का आकलन किया गया। शुष्कता के विरुद्ध पिंक-पिगमैंटेड फैकल्टेटिव मिथाइलोट्रॉफ्स (पीपीएफएम) और जैव उर्वरकों के मूल्यांकन पर प्रयोग जारी रखा गया। 13 लीटर पानी में ग्लाइसेल 41% एसएल+30 ग्राम बोरिक एसिड पर एक प्रयोगिक स्तर पर एक अध्ययन बोरेरियास्प खरपतवार से संक्रमित छोटे क्षेत्र में छिड़काव पर किया गया और अच्छा नियंत्रण हासिल किया गया। अन्य उर्वरकों के साथ नैनो यूरिया की अनुकूलता की जाँच की गई और झाड़ियों पर छिड़काव किया गया। कोई फाइटोटॉक्सिसिटी लक्षण नहीं देखा गया।

5.2.8.5 <u>मुन्नार में:</u> उच्च पर्वतीय क्षेत्र में सदस्य चाय एस्टेटों के लिए नियमित सलाहकार सेवाएं, क्षेत्र प्रयोग, लाइनिंग एवं कीट व रोग मूल्यांकन दौरे किए गए। सदस्य चाय एस्टेटों के लिए चाय खेती के विभिन्न कृषि संचालन पर घरेलू और क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपासी-चाय अनुसंधान संस्थान, वालपराई के प्रोटोकॉल के अनुसार क्षेत्र प्रयोग निष्पादित किए जा रहे हैं। प्रयोगों में पश्चिमी और कम ऊंचाई वाली चाय एस्टेटों के पत्ती विस्तार के समय, क्लोनल चयन, चाय में विभिन्न कृषि प्रणालियों का मूल्यांकन, ब्लिस्टर ब्लाइट संक्रमण का आकलन और टी मोस्कुइटों बग (टीएमबी) के खिलाफ फेरोमोन जाल की प्रभावकारिता का अध्ययन शामिल है।

5.2.8.6 <u>वंडिपेरियार में</u>: चाय एस्टेटों में किए गए फील्ड प्रयोग हैं - (i) TRF-1 के प्रदर्शन पर प्रयोग, (ii) क्लोनल चयन कार्यक्रम, (iii) नैनो यूरिया के अनुप्रयोग पर फील्ड प्रयोग, (iv) ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे का आईपीएचएम ब्लाइट रोग, (v) पोटेशियम स्कोनाइट (एमओपी का एक विकल्प) की दक्षता पर अल्पकालिक परीक्षण, (vi) मध्य त्रावणकोर क्षेत्र के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में टीएमबी और आरएसएम संक्रमण और ब्लिस्टर ब्लाइट संक्रमण का आकलन। प्रायोगिक फार्म (0.72 हेक्टेयर) से 8,950 किलोग्राम हरी पत्ती की तुड़ाई की गई। रामबूटन, एवोकैडो, मैंगोस्टीन, लोंगन और कुछ अन्य खट्टे फलों के पौधे लगाए गए।

5.2.9 <u>विश्लेषणात्मक सेवाएँ</u>:

5.2.9.1 5,598 मृदा के नमूने, 701 उर्वरक/कृषि रसायन के नमूने, 206 चाय के नमूने, 278 जैविक खाद के नमूने, 43 लाइम-सल्फर और 83 डोलोमाइट के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.2 आइरन फिलिंग्स के लिए 48 चाय के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.3 ईल कीड़ा के लिए 63 नमूनों का विश्लेषण किया गया.

5.2.9.4 निर्मित चाय की गुणवत्ता मापदंडों के लिए 449 चाय के नमूनों का विश्लेषण किया गया.

5.2.9.5 हरी पत्ती की गुणवत्ता के लिए 132 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.6 कीटनाशक अवशेषों के लिए 11 चाय के नमूने और भारी धातुओं के लिए, 92 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.7 रोग की पहचान के लिए 280 नमूने, निर्मित चाय रोगाणुओं के लिए 26 नमूने, मृदा के रोगाणुओं के लिए 48 नमूने और स्टार्च तत्व के लिए 2,828 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.8 एसएचबी व्यापकता के लिए 6259 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.2.9.9 बायोफॉर्म्युलेशन की गुणवत्ता के लिए 24 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

5.3 दार्जिलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआरडीसी), कर्सियांग और इसकी गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्यूसीएल), सिलीगुड़ी:

5.3.1**<u>'दार्जिलिंग और असम चाय की वृद्धि और उत्पादकता में सुधार के लिए माइक्रोबियल इनोकुलेंट्स का विकास'</u>:** चूंकि इस काम का अंतिम उद्देश्य चाय उगाने वाले क्षेत्र के लिए प्रभावी जैव-इनोकुलेंट्स बनाना है, इसलिए स्वदेशी रोगाणुओं को विभिन्न चाय बागानों से अलग किया गया था। पीजीपीआर अध्ययन के लिए प्रमुख रोगाणुओं की जांच की गई। चाय माइक्रोबायोम पर आधारित स्वदेशी जैव-इनोकुलेंट का उपयोग एवं उत्पादन और चाय की खेती में उनका संभावित उपयोग उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रबंधन रणनीतियों को विकसित करने के लिए चाय माइक्रोबायोम में हेरफेर करने में सक्षम हो सकता है।

दार्जिलिंग से अलग किए गए एंटोफाइटिक और राइजोस्फेरिक रोगाणु (बैसिलसकेरू, योकेनेलारेगेन्सबर्गी, लेलियटियाएम्निजेना, बैसिलस विरेटी, बैसिलस मेगाटेरियम, लैक्टोबैसिलस कोलोहोमिनिस, बैसिलस सेफेनेसिस, बैसिलस लिचेनिफोर्मिस, बैसिलस बैडियस, बैसिलस प्यूमिलस, बैसिलस फर्मस, बैसिलस मायकोइड्स, लिसिनिबैसिलसफुसी) फॉर्मिस, और असम से (लिसिनिबैसिलसफ्यूसिफॉर्मिस, आगे के फील्ड मूल्यांकन के लिए सेराटियामार्सेसेंस, क्लेबसिएला एरोजेन्स, बैसिलस थुरिंगिएन्सिस) का उपयोग किया जा रहा है।

5.3.2 चाय बागानों से प्राप्त 131 मृदा के नमूनों और 3 जैविक उर्वरक/खाद के नमूनों का परीक्षण किया गया और कमियों को दूर करने के लिए संस्तुतियों के साथ विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जारी की गई।

5.3.3 प्रायोगिक फार्म में 16,907 किलोग्राम की मात्रा में चाय की हरी पत्ती का उत्पादन किया गया।

5.3.4 चाय में कीटनाशक ट्राइसल्फ्यूरॉन के आकलन के लिए विधि मानकीकरण और सत्यापन पूरा हो गया। अन्य मापदंडों के साथ इस नए मान्य कीटनाशक के निर्धारण के लिए ग्राहक नमूनों का विश्लेषण जारी है

5.3.5 एफएसएसएआई मापदंडों, पीपीसी अनुपालन और अतिरिक्त स्वादों के परीक्षण के लिए प्राप्त 878 नमूनों (निर्मित चाय) का एफएसएसएआई मानदंडों और टी बोर्ड के नियमों के अनुसार परीक्षण किया गया था।

5.3.6 क्यूसीएल ने अपनी विश्लेषणात्मक क्षमताओं में निरंतर सुधार के लिए अन्य खाद्य/चाय परीक्षण प्रयोगशालाओं के साथ आईएलसी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। यह अपनी मान्यता जारी रखने के लिए एनएबीएल द्वारा वार्षिक मूल्यांकन (06 नवंबर, 2023 तक वैध) में भी योग्य है।

5.3.7 कीटनाशकों और उनके अवशेषों के अनुप्रयोग से संबंधित मुद्दों की समीक्षा और चर्चा करने के लिए, 08 जून, 2022 को पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) पर तकनीकी समूह की 15वीं बैठक आयोजित की गई और पीपीसी का चौदहवां संस्करण (जुलाई, 2022) जारी किया गया। 17 मार्च 2023 को 16वीं बैठक भी आयोजित की गई।

अध्याय-6

चाय संवर्धन

भूमिका:

टी बोर्ड के संवर्धन निदेशालय का मुख्य कार्य भारत को विश्व स्तर पर गुणवत्तापूर्ण चाय का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बनाने के उद्देश्य से प्रचारात्मक गतिविधियाँ करना है। प्रचारात्मक प्रयास लक्षित बाजारों में भारतीय चाय की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और घरेलू खपत बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय चाय की कई प्रकारों और श्रेणियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की ओर उन्मुख हैं। दुनिया के कुल चाय निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 11% है और यह केन्या, चीन और श्रीलंका के बाद चौथे स्थान पर है। भारत दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान पंजीकृत कुल निर्यात 228.40 मि.कि.ग्रा. था।

उन चुनिंदा देशों पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां निर्यात बढ़ाने की अधिक संभावना है। विदेशी देशों में भारतीय किस्मों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय निर्यातकों को हर संभव सहायता भी प्रदान की गई।

2022-23 के दौरान भारत से चाय निर्यात का अवलोकन

2022-23 के दौरान भारत ने 228.40 मिलियन किलोग्राम मूल्य का चाय निर्यात रु. 6385.81 करोड़ दर्ज किया जबकि 2021-22 के दौरान 200.79 मिलियन किलोग्राम का मूल्य रु. 5415.78 करोड़ था।

2022-23					2021-22				
मात्रा मि.कि.ग्रा	मूल्य रु. करोड़ में	मूल्य मि.यूएसडी में	इकाई मूल्य रु/किग्रा	इकाई मूल्य ($/किग्रा)	मात्रा मि.कि.ग्रा.	मूल्य रु. करोड़ में	मूल्य मि.यूएसडी	इकाई मूल्य रु/किग्रा	इकाई मूल्य ($/किग्रा)
228.40	**6385.81**	**793.78**	**279.59**	**3.48**	**200.79**	**5415.78**	**726.82**	**269.72**	**3.62**

प्रमुख गंतव्य-वार निर्यात परिदृश्य अनुबंध-I में दिया गया है।

2022-23 के दौरान चाय निर्यात में मात्रा और मूल्य प्राप्ति दोनों में सुधार हुआ। 2021-22 की तुलना में मात्रा में 13.75% की वृद्धि हुई जबकि मूल्य प्राप्ति में करोड़ों में 17.91% का सुधार हुआ।

2022-23 के दौरान चाय निर्यात में सुधार संयुक्त अरब अमीरात में 19.24 मिलियन किलोग्राम, रूसी संघ में 10.61 मिलियन किलोग्राम, कजाकिस्तान में 6.15 मिलियन किलोग्राम, मिस्र (एआरई) में 2.18 मिलियन किलोग्राम, सऊदी अरब में 1.47 मिलियन किलोग्राम और यूनाइटेड किंगडम 1.27 मिलियन किलोग्राम तक देखा गया है।

वर्ष 2022-23 के दौरान संवर्धनात्मक गतिविधियों का अवलोकन

उन देशों में टी बोर्ड ने संबंधित दूतावासों/मिशनों/वाणिज्य दूतावासों के सहयोग से सीरिया, चीन, मलेशिया, इराक, सऊदी अरब आदि जैसे निर्यात स्थलों के चाय आयातकों के साथ वर्चुअल बी2बी बैठकों के साथ-साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करके विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियाँ कीं। टी बोर्ड ने चाय व्यापार के साथ संपर्क कार्य भी बनाए रखा, व्यापार पूछताछ में भाग लिया, प्रमुख बाजारों के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा नियमों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को संबोधित किया, विशेष रूप से यूरोपीय संघ के देशों के लिए एमआरएल मुद्दों का निवारण किया, विभिन्न व्यापार सुविधा उपाय किए। इसने भारतीय चाय की मांग बढ़ाने और रूस के प्रमुख बाजारों कजाकिस्तान, ईरान, अमेरिका, जर्मनी, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, पोलैंड, सऊदी अरब आदि में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मास्को में स्थित अपने विदेशी कार्यालय और कोलकाता में मुख्यालय के माध्यम से निर्यात से संबंधित विकास के साथ-साथ बाजार और व्यापार की जानकारी के प्रसार के बारे में चाय व्यापार को सूचित रखा है। निर्यात में बाधाओं को कम करने/समाप्त करने के साथ-साथ निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार सुविधाएं और मंत्रालय और भारतीय मिशनों के साथ निरंतर संपर्क किया गया। दिनांक 09/01/23 से 30/09/23 तक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से "चाय" के विभिन्न एचएस कोड के लिए डीजीएफटी द्वारा आरओडीटीईपी पारितोषिक दरों को बढ़ाना टी बोर्ड भारत द्वारा जुलाई'22 में उद्योग से प्राप्त मूल्यांकन इनपुट के आधार पर मंत्रालय को दी गई तार्किक और तथ्यात्मक प्रस्तुति का परिणाम था।

अन्य गतिविधियों में इंडिया टी की छवि को बनाए रखने और टी बोर्ड भारत के प्रति सकारात्मक तरीके से जनता की राय को प्रभावित करने के लिए विभिन्न संवर्धनात्मक कार्य करना शामिल था। ट्विटर, फेसबुक, कू जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर अभियान भी उपभोक्ताओं (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय) के बीच भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बहुत प्रभावी साबित हुआ।

विदेश में संवर्धन

मॉस्को में विदेशी कार्यालय के माध्यम से की गई संवर्धनात्मक गतिविधियाँ

मास्को कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले देश
टी बोर्ड मॉस्को कार्यालय रूस, कजाकिस्तान, यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, जॉर्जिया, आर्मेनिया, मोल्दोवा और लातविया, एस्टोनिया और बाल्टिक राज्यों लिथुआनिया जैसे सीआईएस देशों में भारतीय चाय के संवर्णन की देखभाल करता है।

सीआईएस क्षेत्र के प्रमुख देशों के लिए संक्षिप्त बाज़ार दृश्य

देश	बाजार आकार मि.कि.ग्रा.	पीसीसी (व.प्र.ग्रा.कि)
रूस	136	0.96
कजाकिस्तान	25	1.50
यूक्रेन	16	0.89

वर्ष 2022 में सीआईएस क्षेत्र में चाय बाजार का कुल आकार 224 मिलियन किलोग्राम था और उपरोक्त देश मुख्य रूप से काली चाय का उपभोग करते हैं, जो उस क्षेत्र में चाय के आयात बाजार का 79% हिस्सा है। सीआईएस में रूसी संघ सबसे बड़ा चाय बाजार है, इसके बाद कजाकिस्तान है। रूस ने वर्ष 2022 में 20 से अधिक देशों से 136 मी. किलो चाय का आयात किया। वर्ष 2022 के दौरान रूसी आयात के 136 मी. किलो का भारतीय चाय का हिस्सा लगभग 30% यानी 41 मी किलो था जो निकटतम प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका के 18% (24 मी. किग्रा.) की तुलना में निर्यात में वृद्धि हुई। रूस और कजाकिस्तान को रणनीतिक रूप से दो महत्वपूर्ण बाजारों में से एक के रूप में लक्षित किया गया है।

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान, टी बोर्ड की भारतीय भागीदारी के लिए अपने मॉस्को कार्यालय के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

सं	दिनांक	कार्यक्रम	विवरण
1	22-23 अक्टूबर, 2022	शाकाहारी-जीवन प्रदर्शनी	टीबीआई, मॉस्को कार्यालय ने शाकाहारी और स्वस्थ जीवन शैली की 13वीं संघीय प्रदर्शनी, वीईजी-लाइफ में भाग लिया। वीईजी-लाइफ वर्ष में 2 बार आयोजित किया जाता है, जिसमें 140 से अधिक स्वस्थ जीवन शैली कंपनियों की मेजबानी की जाती है। इस कार्यक्रम में 2 दिनों तक 3000 से अधिक लोग शामिल हुए ।
2	13-15 जनवरी, 2023	दिल्ली बाज़ार	टीबीआई, मॉस्को कार्यालय ने मासिक भारतीय मेले "दिल्ली बाज़ार" में भाग लिया। मॉस्को के केंद्र में "दिल्ली बाज़ार" एक मासिक भारतीय मेला है, जो भारतीय सामानों का एक बाज़ार है, जिसमें भारतीय रेस्तरां के फूड कोर्ट, भारतीय संस्कृति के प्रशंसकों और कभी-कभार आने वाले आगंतुकों के लिए व्याख्यान और कार्यशालाएँ होती हैं। भारतीय मेले के मेहमानों ने टीबीआई, मॉस्को द्वारा प्रचारित भारतीय खुली चाय की 5 किस्मों, अर्थात् दार्जिलिंग, सिक्किम, नीलगिरि, असम ऑर्थोडॉक्स और असम सीटीसी का स्वाद चखा। इस कार्यक्रम में 3000 से अधिक लोग शामिल हुए।
3	16-18, मार्च 2023	एमआईटीटी- पर्यटन प्रदर्शनी	रूस के मास्को में एक प्रमुख पर्यटन प्रदर्शनी एमआईटीटी का आयोजन किया गया, जहां भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश को एक पर्यटन स्थल के रूप में प्रदर्शित किया। एक पर्यटन स्थल के रूप में भारत की छवि और रूस को निर्यात की प्रमुख वस्तु के रूप में भारतीय चाय की छवि के तालमेल का उपयोग करने के लिए, टीबीआई मॉस्को कार्यालय ने उत्तर प्रदेश स्टाल पर एक चाय चखने का समारोह आयोजित किया।इस कार्यक्रम में 14830 से अधिक आगंतुकों और 700 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। दूतावास का स्टॉल हमेशा आगंतुकों से भरा रहता था, जो ताज़ी बनी प्रामाणिक भारतीय चाय का स्वाद लेने का बेसब्री से इंतज़ार करते थे। इसके ताज़ा स्वाद की जनता ने बहुत प्रशंसा की।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान आयोजित किए गए कुछ प्रमुख कार्यक्रम नीचे दिए गए हैं:

अप्रैल 2022

टी बोर्ड भारत का 69वां स्थापना दिवस 1 अप्रैल, 2022 को मनाया गया ।

टी बोर्ड भारत का 69वां स्थापना दिवस 1 अप्रैल, 2022 को हाइब्रिड मोड (भौतिक-सह-आभासी) में मनाया गया। श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार ने टी बोर्ड इंडिया के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर चाय उद्योग के हितधारकों को संबोधित किया। माननीय मंत्री ने कहा कि चाय भारत का अभिन्न अंग है और देश को "दुनिया का चाय केंद्र" बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस उत्पाद का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है, जबकि चाय की खेती का क्षेत्र दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा, "क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है, लेकिन हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें गुणवत्ता के मामले में और सुधार करने की आवश्यकता है।" श्री पीयूष गोयल ने आगे कहा कि नए निर्यात स्थलों की खोज करनी होगी, साथ ही चाय की सुगंध और स्वाद में सुधार करने की भी आवश्यकता है।

9 अप्रैल, 2022 को अगरतला में आयोजित "ईट राइट मेला" में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 9 अप्रैल 2022 को अगरतला में खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, परिवार कल्याण और निवारक चिकित्सा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित "ईट राइट मेला" में भाग लिया।

त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री बिप्लब कुमार देब ने त्रिपुरा चाय विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष श्री संतोष साहा के साथ टी बोर्ड भारत स्टॉल का दौरा किया। विभिन्न प्रकार की चाय के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए टी बोर्ड स्टॉल पर विभिन्न प्रकार की चाय प्रदर्शित की गईं जैसे सीटीसी चाय, ऑर्थोडॉक्स चाय, ग्रीन टी आदि। जन जागरूकता पैदा करने के लिए छोटे चाय उत्पादकों की उपज के साथ त्रिपुरा चाय के विभिन्न ब्रांडों को भी प्रदर्शित किया गया। चाय के विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जागरूकता पैदा की गई।

22-25 अप्रैल, 2022 तक गुवाहाटी में 7वें भारतीय औद्योगिक मेले, उद्यम' 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 22-25 अप्रैल, 2022 तक गुवाहाटी में आयोजित 7वें भारतीय औद्योगिक मेले, उद्यम' 2022 में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन25 अप्रैल 2022 को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री नारायण राणे ने असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा शर्मा और असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और उद्यमिता मंत्री श्री चंद्र मोहन पटोवारी की उपस्थिति में किया। भारत सरकार के माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्री सोमप्रकाश भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

11-12 अप्रैल, 2022 तक डिब्रूगढ़, असम में आयोजित दो दिवसीय जलमार्ग कॉन्क्लेव 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 11-12 अप्रैल, 2022 तक डिब्रूगढ़, असम में आयोजित दो दिवसीय जलमार्ग कॉन्क्लेव 2022 में भाग लिया। कॉन्क्लेव का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने किया। टी बोर्ड भारत ने स्टॉल में विशिष्ट चाय सहित विभिन्न श्रेणियों की चाय का

प्रदर्शन किया। चाय की संस्कृति, संवर्धन और विभिन्न चायों की श्रेणियों के बारे में जानकारी भी आगंतुकों के साथ साझा की गई।

26-30 अप्रैल, 2022 तक नई दिल्ली में आयोजित 36वें आहार अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं आतिथ्य मेले में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 26-30 अप्रैल, 2022 तक नई दिल्ली में आयोजित 36वें आहार अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में भाग लिया। श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार ने मेले का उद्घाटन किया। 36वां संस्करण 26 अप्रैल, 2022 से 30 अप्रैल, 2022 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में हुआ। आहार एशिया का खाद्य और आतिथ्य में सबसे प्रसिद्ध ब्रांडों में से एक है। यह प्रदर्शनी अब वैश्विक विक्रेताओं के साथ-साथ साधन पेशेवरों के लिए एक प्रसिद्ध गंतव्य है। 27 देशों के 374 विदेशी प्रदर्शकों की विदेशी भागीदारी के साथ एक हजार से अधिक प्रदर्शकों ने प्रदर्शनी में भाग लिया।

टी बोर्ड भारत स्टॉल ने इंडिया टी ब्रांडिंग को अच्छी दृश्यता प्रदान की। व्यापार पूछताछ की संख्या बहुत उत्साहजनक थी। सबसे अधिक व्यापार पूछताछ असम चाय के लिए थी और उसके बाद दार्जिलिंग चाय के लिए थी। चाय का नमूना लिया गया जिससे बड़ी संख्या में पर्यटक आकर्षित हुए। आगंतुकों को विभिन्न चाय अनुज्ञापन प्राप्त करने के लिए नियामक अनुपालन की जानकारी प्रदान की गई।

मई 2022

नॉर्थ ईस्ट फूड शो, शिलांग, मेघालय में टी बोर्ड भारत की भागीदारी, 5-7 मई, 2022

टी बोर्ड भारत ने 5-7 मई, 2022 तक शिलांग, मेघालय में आयोजित नॉर्थ ईस्ट फूड शो में भाग लिया। मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री श्री कॉनराड के संगमा और सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग ने नॉर्थ ईस्ट फ़ूड शो में टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा किया ।

6वीं सरकारी विकास एवं नीतियां प्रदर्शनी, भोपाल, 6-8 मई, 2022 में टी बोर्ड इंडिया की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 6-8 मई, 2022 तक भोपाल में आयोजित छठी सरकारी विकास और नीतियां प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी के आगंतुकों के लिए चाय का नमूना आयोजित किया गया था। व्यापार पूछताछ की संख्या बहुत उत्साहजनक थी। सबसे अधिक व्यापार पूछताछ असम चाय और उसके बाद दार्जिलिंग चाय के लिए थी। शो में कॉफ़ी बोर्ड, कॉयर बोर्ड, एपीडा सहित 200 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया 1

पैकेजिंग मानकों के निर्माण पर परियोजना के संबंध में हितधारकों की बैठक 18 मई, 2022 को कोयंबटूर में आयोजित की गई ।

टी बोर्ड इंडिया ने 18 मई, 2022 को कोयंबटूर में भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) द्वारा निष्पादित "पैकेजिंग मानकों (थोक और उपभोक्ता) के निर्माण पर परियोजना" के निष्कर्षों का प्रसार करने के लिए हितधारकों की एक बैठक का आयोजन किया। रिपोर्ट को पूर्ण रूप से हितधारकों द्वारा स्वीकार किया गया है और इस प्रक्रिया में उनके विचार और प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। श्री अनूप कुमार मुखर्जी, वि स एवं मु ले अ, श्री जॉयदीप विश्वास, उप निदेशक, चाय संवर्धन, श्री फाल्गुनी बनर्जी, उप निदेशक, चाय विकास और टी बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टी बोर्ड भारत द्वारा 21 मई, 2022 को तीसरा अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया गया। टी बोर्ड भारत ने 21 मई, 2022 को तीसरा अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस दिवस को मनाने के लिए देश भर में बहुत सारी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय संगठन के सहयोग से 21 मई, 2022 को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठि (हाइब्रिड मोड में) का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार की वर्चुअल माध्यम से उपस्थिति थी। सत्र में भाग लेने वाले अन्य उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्ति थे डॉ. श्री के.एन. राघवन, कार्यकारी निदेशक, रबर बोर्ड और अध्यक्ष, एमपीईडीए के साथ-साथ पूर्व अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत , श्री सौरव पहाड़ी, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत, सुश्री नयनतारापाल चौधुरी, आईटीए अध्यक्ष और टी बोर्ड भारत और टी एसोसिएशन के अन्य गणमान्य व्यक्ति. इस संगोष्ठि को महत्व देने वाले अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्ति थे, डॉ. कृष्ण गुप्ता आईएएस, प्रधान सचिव, तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री अतुल अस्थाना, एमडी गुडरिक ग्रुप, डॉ. शतद्रुचट्टोपाध्याय, एमडी, सॉलिडेरिडाड एशिया जो संगोष्ठि सत्र के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए मॉडरेटर थे। और श्रीमती अनुरीता फुकन यादव, कार्यकारी निदेशक, एनईज़ो और निदेशक चाय संवर्धन प्रभारी, टी बोर्ड भारत

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर उद्योग को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन चाय के टिकाऊ उत्पादन की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा देने का एक अवसर है, यह मान्यता देते हुए कि वैश्विक स्तर पर रुझान बेहतर गुणवत्ता और जैविक चाय की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि चाय को युवा पीढ़ी के लिए एक पेय के रूप में आकर्षक बनाया जाए जो भविष्य में इसकी खपत को बढ़ावा देगी। उन्होंने भारत को वैश्विक बाजार में गुणवत्तापूर्ण चाय का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञापन, रेडियो के माध्यम से प्रचार, एसएमएस (मोबाइल फोन पर), स्टालों के माध्यम से चाय का नमूना, प्रदर्शन, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतियोगिताएं -'द इंडिया टी सॉन्ग प्रतियोगिता' और 'माई स्पेशल कप ऑफ इंडिया टी प्रतियोगिता' अन्य गतिविधियां थीं जो इस अवसर को चिह्नित करने और अद्भुत पेय - चाय के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया।

चूंकि गुणवत्ता वह प्रमुख पैरामीटर है जो वैश्विक बाजार में भारत की चाय का नाम बरकरार रखता है, इस अवसर का जश्न मनाने के लिए टी बोर्ड भारत द्वारा विभिन्न चाय बागानों में एक विशेष चाय तोड़ने (सीमित संस्करण) गतिविधि भी आयोजित की गई थी। जून 2022 में नीलामी केंद्रों में इन चायों की विशेष नीलामी आयोजित की जाएगी।

इस दिन को मनाने के लिए विभिन्न संवर्धनात्मके गतिविधियों ने चर्चा का विषय बना दिया है और पेय पदार्थ चाय' को बढ़ावा देने की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस का महत्व सुव्यवस्थित हो गया है।

एग्रो + फूड एंड बेवरेज प्रो वर्ल्ड एक्सपो'22, मुंबई, 9-11 जून, 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी : टी बोर्ड भारत ने 9-11 जून, 2022 तक मुंबई में आयोजित एग्रो + फ़ूड एंड बेवरेज प्रो वर्ल्ड एक्सपो'22 में भाग लिया। एक्सपो का उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री सुभाष देसाई ने किया। सम्मानित अतिथि बिहार सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री नारायण प्रसाद थे। भारत सरकार के नीति आयोग के निदेशक श्री रणधीर सिंह ने प्रदर्शनी में सम्मेलन का उद्घाटन किया। भाग लेने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्तियों में सूडान के राजदूत महामहिम अब्दुल्ला उमर बशीर एलहुसैन, जिम्बाब्वे के व्यापार सलाहकार सुश्री नोमुसा मुगवाम्बी, फिजी के उच्चायोग से सुश्री एलियासेवुतिया और कई अन्य विदेशी आगंतुक शामिल थे। प्रदर्शनी में इन देशों के देश मंडप थे। श्री नारायण प्रसाद, माननीय पर्यटन मंत्री, बिहार सरकार ने टी बोर्ड भारत स्टॉल का दौरा किया और विभिन्न भारतीय चाय किस्मों की चाय कैडी उन्हें भेंट की गईं। टी बोर्ड भारत स्टॉल पर भारतीय चाय पर पैम्फलेट, ब्रोशर और प्रचार साहित्य प्रदर्शित किए गए।

13 जून, 2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से भारतीय दूतावास, दमिश्क, सीरिया द्वारा हाइब्रिड मोड (भौतिक सह आभासी) में क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया।

सीरिया में भारतीय चाय की निर्यात क्षमता की खोज के लिए 13 जून, 2022 को भारतीय दूतावास, दमिश्क, सीरिया द्वारा टी बोर्ड भारत के सहयोग से हाइब्रिड मोड (भौतिक सह आभासी) में एक बिजनेस-टू-बिजनेस मीट आयोजित की गई थी, जहां भारतीय चाय निर्यातक और सीरियाई आयातकों ने सीरिया को भारतीय चाय के निर्यात के संबंध में बातचीत की।

श्री सौरव पहाड़ी, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत और श्री सतेंद्र कुमार यादव, प्रभारी, भारतीय दूतावास, सीरिया इस अवसर पर उपस्थित थे। श्रीमती अरुणिता फुकन, कार्यकारी निदेशक, उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय और निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी) और टी बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे। बातचीत बहुत उपयोगी साबित हुई। सीरियाई आयातकों ने कार्यक्रम के बाद सभी भाग लेने वाले निर्यातकों के संचार विवरणों के बारे में पूछताछ की, जो उपलब्ध कराए गए।

खाद्य एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो, नई दिल्ली में टी बोर्ड भारत की भागीदारी, 17-19 जून, 2022

टी बोर्ड भारत ने 17-19 जून, 2022 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित खाद्य एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो में भाग लिया। टी बोर्ड भारत स्टॉल पर आगंतुकों के लिए भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के चाय के नमूने और स्वाद का आयोजन किया गया। भारतीय चाय पर जानकारीपूर्ण और आकर्षक पोस्टर के साथ-साथ विशेष चाय के लोगो भी प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी के आगंतुकों में पड़ोसी राज्यों के किसान, स्कूली बच्चे और समाज के सभी क्षेत्रों के लोग शामिल थे, जिन्होंने टी बोर्ड भारत स्टॉल पर भारतीय चाय का स्वाद चखा और इसके स्वाद और सुगंध की सराहना की।

21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित किया गया।

21 जून, 2022 को योग सत्र आयोजित करके मुख्यालय, कोलकाता के साथ-साथ टी बोर्ड भारत के विभिन्न क्षेत्रीय और उन-क्षेत्रीय कार्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के लिए योग प्रशिक्षकों को बुलाया गया था। मुख्यालय और विभिन्न क्षेत्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों के अलावा, टी बोर्ड भारत ने 21 जून, 2022 को राजभवन, मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया गया और

उनके नमूने लिए गए। भारतीय चाय कैडियां महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी को भेंट की गईं। विदेशी राजनयिकों, प्रवासियों, विदेशी छात्रों और अन्य प्रतिष्ठित आमंत्रित लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और टी बोर्ड भारत द्वारा सैंपल की गई भारतीय चाय का आनंद लिया। एमएस। गिरनार फूड एंड बेवरेजेज प्रा. लिमिटेड ने भी टी बोर्ड भारत के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया और इस अवसर पर उपस्थित मेहमानों को अपनी चाय परोसी।

टी बोर्ड भारत द्वारा 25 जून, 2022 को डिब्रूगढ़, असम और 29 जून, 2022 को कोलकाता में "पैकेजिंग मानकों के निर्माण" पर हितधारकों की परामर्श बैठकें आयोजित की गईं।

टी बोर्ड भारत ने 25 जून, 2022 को डिब्रूगढ़, असम में भारतीय संस्थान पैकेजिंग (आईआईपी) के सहयोग से "पैकेजिंग मानकों के निर्माण" पर एक हितधारकों की परामर्श बैठक आयोजित की, जहां अध्यक्ष और उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी। श्रीमती. अरुणिता फुकन यादव, कार्यकारी निदेशक, उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय और निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी) और टी बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसी तरह की एक बैठक 29 जून, 2022 को टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता में भी आयोजित की गई थी जिसमें कई निर्यातकों के साथ-साथ चाय संघों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया था।

उपरोक्त बैठकों का उद्देश्य अंततः यथासमय दृढ़ता के लिए हितधारकों के बीच परियोजना के महत्वपूर्ण निष्कर्षों को साझा करना था।

जुलाई 2022

17 जुलाई, 2022 को "स्लावियास्की बाज़ार", विटेबस्क, बेलारूस में वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय चाय महोत्सव के दौरान भारतीय चाय संवर्धनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मिन्स्क में भारतीय दूतावास ने टी बोर्ड भारत के सहयोग से 17 जुलाई, 2022 को बेलारूस गणराज्य के सबसे बड़े सांस्कृतिक मंच, स्लावियनस्की बाज़ार में एक चाय प्रदर्शनी का आयोजन किया।

केंद्रीय पुश्किन स्क्वायर पर एक भारतीय चाय दूतावास मंडप स्थापित किया, जो एक खुले मंच पर स्थित है। चाय प्रदर्शनी का आईसीसीआर प्रदर्शन मंडली के प्रदर्शन के साथ मेल खाना था। दोनों कार्यक्रम एक दूसरे की पूरक थीं। लोगों को भारतीय चाय मंडप का दौरा करने के लिए आमंत्रित करने के लिए मंच पर घोषणाएं की गईं ।

भारतीय चाय के स्टैंडीज़ विवरण और भारतीय चाय के बारे में सामान्य जानकारी प्रदर्शित की गई। इसके अलावा, टी बोर्ड भारत द्वारा प्रदान की गई रूसी भाषा में चाय के बारे में पुस्तिकाएं मुद्रित और वितरित की गईं। भारतीय चाय के बारे में आम जनता से कई पूछताछ हुई और जानकारी दी गई।

15 जुलाई 2022 को भारतीय और चीन के चाय हितधारकों के बीच हाइब्रिड मोड (भौतिक सह आभासी) में क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई।

भारतीय दूतावास, बीजिंग के सहयोग से 15 जुलाई 2022 को भारतीय और चीनी चाय हितधारकों के बीच हाइब्रिड मोड (भौतिक सह आभासी) में एक क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई। खाद्य पदार्थों के आयात और निर्यात के चीन चैंबर ऑफ कॉमर्स की उपाध्यक्ष सुश्री यू लू ने चीन में काली चाय बाजार परिदृश्य और चीन को चाय के निर्यात के विनियमों पर एक प्रस्तुति दी। सुश्री सुन गोंघे, निदेशक, न्यू टी कमेटी, चाइना चेन-स्टोर एंड फ्रैंचाइज़ एसोसिएशन, ने रेडी टू ड्रिंक चाय और चाय कैटरिंग उद्योगों और भारतीय चाय के अवसरों पर बाजार के रुझान पर एक प्रस्तुति दी। चीनी आयातकों/हितधारकों/परिषद और भारतीय चाय निर्यातकों के बीच बातचीत हुई।

7 जुलाई, 2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से भारतीय दूतावास, बाकू, अजरबैजान द्वारा हाइब्रिड मोड(भौतिक सह आभासी) में बातचीत का आयोजन किया गया।

7 जुलाई, 2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से भारतीय दूतावास, बाकू, अज़रबैजान द्वारा हाइब्रिड मोड (भौतिक सह आभासी) में एक बातचीत आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान चाय के अज़रबैजानी आयातकों ने भारतीय निर्यातकों के साथ बातचीत की। बैठक के दौरान अज़रबैजानी आयातकों के प्रश्नों का समाधान किया गया और व्यापार और व्यावसायिक संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए संपर्क विवरणों का पारस्परिक आदान-प्रदान हुआ।

6 जुलाई, 2022 को डीजीसीआईएस के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा चाय निर्यात और आयात से संबंधित विदेशी व्यापार आंकडा पर कार्यशाला आयोजित की गई।

6 जुलाई, 2022 को टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता में डीजीसीआईएस के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा चाय निर्यात और आयात से संबंधित विदेशी व्यापार आंकडा पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें भारतीय चाय के हितधारकों और निर्यातकों को आमंत्रित किया गया था। बैठक में मूल राज्य/मूल जिला, अनुचित एचएस कोड रिपोर्टिंग, आईईसी की गलत रिपोर्टिंग आदि जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। हितधारकों को सूचित किया गया कि रिपोर्ट किए गए विवरण के अनुरूप सही और उचित 8-अंकीय आईटीसीएचएस कोड की रिपोर्ट कैसे करें, मानक इकाई में मात्रा की रिपोर्टिंग, रिपोर्ट की गई मात्रा पर विचार करते हुए सकल वजन आदि। डीजीसीआईएस अधिकारियों ने 2021-22 में की गई पहलों के बारे में भी विस्तार से बताया। 2022-23 के लिए आगे का रास्ता।

14 जुलाई 2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से डीजीएफटी द्वारा दार्जिलिंग (निर्यात केंद्र के रूप में जिले) के लिए जिला स्तरीय हितधारकों का परामर्श आयोजित किया गया।

14 जुलाई, 2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से डीजीएफटी द्वारा टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता में दार्जिलिंग (निर्यात हब के रूप में जिले) के लिए एक जिला स्तरीय हितधारक परामर्श आयोजित किया गया था। बैठक को संबोधित करते हुए, टी बोर्ड के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री का दृष्टिकोण प्रत्येक जिले को एक निर्यात केंद्र में परिवर्तित करना है और यह सुनिश्चित करना है कि आने वाले महीनों में इन चिन्हित जिलों से निर्यात में पर्याप्त वृद्धि हो। विदेश व्यापार की संयुक्त महानिदेशक सुश्री डोना घोष ने कहा कि बड़े पैमाने पर हितधारकों के परामर्श की परिकल्पना अगले कदम के रूप में की जा रही है जहां जिलों का योगदान प्रमुख होगा। उन्होंने उपस्थित हितधारकों से जिलों में तैयार की गई कार्य योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए कहा, और उन हस्तक्षेपों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए हितधारकों से सुझाव और इनपुट मांगे, जिन पर जिलों से निर्यात वृद्धि का समर्थन करने के लिए तुरंत कार्य किया जा सकता है। सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (एसईपीसी) के महानिदेशक डॉ. अभयसिन्हा ने भी हितधारकों को विदेशी बाजारों में अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के संबंध में एसईपीसी की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

अगस्त 2022

9वें भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेले, कोलकाता 4-8 अगस्त, 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी,

टी बोर्ड भारत ने बंगाल मानव संसाधन विकास फाउंडेशन द्वारा 4-8 अगस्त, 2022 तक कोलकाता में आयोजित 9वें भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेले में भाग लिया। टी बोर्ड भारत स्टॉल को भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी देने वाले रंगीन पोस्टरों और बैनरों से अच्छी तरह सजाया गया था। प्रदर्शनी के आगंतुकों के बीच प्रचार ब्रोशर और साहित्य, जैसे पत्रक, पैम्फलेट, भारतीय चाय पर रेसिपी पुस्तिकाएं

आदि भी प्रदर्शित और वितरित किए गए। टी बोर्ड भारत स्टॉल पर भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों का नमूना भी दिया गया, जो बेहद लोकप्रिय साबित हुआ, क्योंकि वास्तविक स्वाद, स्वाद और सुगंध का अनुभव करने के लिए दिन के हर समय बड़ी संख्या में आगंतुक स्टॉल पर आते थे। विशेष भारतीय चाय की एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 7-8 अगस्त, 2022 को प्रदर्शनी स्थल पर एक 'विक्रेता विकास कार्यक्रम' आयोजित किया गया था।

भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुरू की गई "हर घर तिरंगा" पहल - आजादी का अमृतमहोत्सव

भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "हर घर तिरंगा" पहल के हिस्से के रूप में - आज़ादी का अमृत महोत्सव, कई गतिविधियाँ शुरू की गईं, जैसे सोशल मीडिया डिज़ाइन बनाना और टी बोर्ड भारत के फेसबुक, ट्विटर और कू हैंडल पर इन पहलों को बढ़ावा देना, एक वीडियो स्लाइडर बनाना। तिरंगे के इतिहास को लिपिबद्ध करना और इसे टी बोर्ड भारत के फेसबुक, ट्विटर और कू हैंडल पर पोस्ट करना, एक वीडियो स्लाइडर बनाना जिसमें सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ देश के विभिन्न चाय बागानों में आयोजित किए जा रहे "हर घर तिरंगा" अभियान को दर्शाया गया है। चाय बागान श्रमिकों, प्रबंधन, चाय बोर्ड के अधिकारियों आदि और इसे टी बोर्ड भारत के फेसबुक, ट्विटर और कू हैंडल आदि पर पोस्ट करना। भारत के प्रमुख शहरों के समाचार पत्रों में 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक अखिल भारतीय प्रिंट अभियान भी चलाया गया।

25वीं राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी, कोलकाता में टी बोर्ड भारत की भागीदारी, 24-27 अगस्त, 2022

टी बोर्ड भारत ने 24-27 अगस्त, 2022 तक कोलकाता में आयोजित 25वीं राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसका आयोजन सेंट्रल कलकत्ता साइंस एंड कल्चर ऑर्गनाइजेशन फॉर यूथ द्वारा "आत्मनिर्भर भारत: प्रगति, समृद्धि और स्थिरता" विषय पर किया गया था। कार्यक्रम के दौरान 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वर्तमान रुझान', 'मानव 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वर्तमान रुझान', 'मानव अधिकार: संभावनाएं और चुनौतियां', 'डिजिटल युग में नेटिकेट का महत्व', 'डिजिटल अर्थव्यवस्था: चुनौतियां और अवसर', 'पर्यटन: स्वास्थ्य, धन और प्रगति' 'वानिकी, खाद्य और सतत कृषि' आदि पर सेमिनार आयोजित किए गए। टी बोर्ड भारत स्टॉल ने सभी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के अनूठे स्वाद और स्वाद प्रोफाइल के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम के सभी चार दिनों में आगंतुकों के लिए चाय के नमूने का आयोजन किया गया था। चाय के ताज़ा स्वाद और सुगंध की सभी आगंतुकों ने बहुत सराहना की। फिर उन्हें देश के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विशिष्ट मूल चाय की अनूठी विशेषताओं से अवगत कराया गया। उन्हें चाय के स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। स्टॉल पर प्रचार सामग्री जैसे चाय कैडीज, ब्रोशर, पत्रक, पैम्फलेट, बैनर और भारतीय चाय पर स्टैंडी आदि प्रदर्शित किए गए थे।

ग्रेटर नोएडा में 26-28 अगस्त, 2022 तक आयोजित भारत भौगोलिक संकेत (जीआई) मेला 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा ग्रेटर नोएडा में 26-28 अगस्त, 2022 तक आयोजित भारत भौगोलिक संकेत (जीआई) मेला 2022 में भाग लिया। प्रदर्शनी में पूरे भारत से जीआई उत्पाद बेचने और उत्पादन करने वाले कई निर्यातकों/कारीगरों/उद्यमियों ने भाग लिया। मेले में देश में जीआई टैग वाले लगभग 390 उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें से 200 से अधिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद थे। भारत सरकार और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने भारत से पारंपरिक भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। टी बोर्ड भारत ने दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरि ऑर्थोडॉक्स और कांगड़ा नाम की क़ीमती जीआई चाय का प्रदर्शन किया। चाय का नमूना लिया गया और भारतीय जीआई चाय के बारे में जानकारी दी गई। भारत जीआई मेले को अमेरिका, कनाडा, तुर्की, ओमान,

ऑस्ट्रेलिया, यूके, नीदरलैंड, डेनमार्क, इटली और जॉर्डन से प्रमुख क्रेता मिले। यह एक नया मंच था जिसने कई क्षेत्रों और उद्योगों में भारत की ताकत की एक महत्वपूर्ण झलक प्रदान की है।

सितंबर 2022

1-3 सितंबर, 2022 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित बायोफैच इंडिया 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने बायोफैच इंडिया 2022 में भाग लिया, जो भारत में जैविक उद्योग के लिए एक प्रमुख व्यापार मेला है, जिसका आयोजन द ऑर्गेनिक फार्मिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने नूर्नबर्गमेस इंडिया और एपीडा के सहयोग से 1-3 सितंबर, 2022 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में किया था। ग्रेटर नोएडा. टी बोर्ड के स्टॉल पर जैविक भारतीय चाय का चाय नमूना आयोजित किया गया, जिसे आगंतुकों ने खूब सराहा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रासंगिक खरीदारों और निवेशकों से मिलने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करना था। मंच ने प्रदर्शक उत्पाद शोकेस, सम्मेलन कार्यक्रम, बी2बी-क्रेता-विक्रेता बैठकें, विक्रेता विकास कार्यक्रम, सीईओ कॉन्क्लेव आदि की पेशकश की। इस कार्यक्रम ने न केवल किसानों को जैविक रूप से विकसित होने के अवसर प्रदान किए बल्कि अपने जैविक उत्पादों के माध्यम से वैश्विक बाजार में अंतरराष्ट्रीय पहचान भी प्राप्त की।

03.09.2022 को अगरतला में 'रन फॉर त्रिपुरा टी' का आयोजन किया गया

त्रिपुरा चाय को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 3 सितंबर, 2022 को त्रिपुरा चाय विकास निगम (टीटीडीसी) के सहयोग से टी बोर्ड इंडिया द्वारा अगरतला में 'रन फॉर त्रिपुरा टी' का आयोजन किया गया था। श्री रतनलाल नाथ, माननीय शिक्षा मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने, श्री सुशांत चौधरी, माननीय खेल और युवा मामलों के मंत्री, त्रिपुरा सरकार के साथ 'रन फॉर टी' को हरी झंडी दिखाई। श्रीमती अरुणिता फुकन यादव, कार्यकारी निदेशक, उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय (एनईजेडओ), टी बोर्ड भारत के वरिष्ठ अधिकारी, श्री अभिषेक चंद्रा, विशेष सचिव, उद्योग विभाग, त्रिपुरा सरकार, श्री संतोष साहा, अध्यक्ष, त्रिपुरा चाय विकास निगम (टीटीडीसी) और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 'रन फॉर टी' में भाग लिया।

6-14 सितंबर, 2022 तक दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल का असम और दक्षिण भारत का दौरा

दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने 6-14 सितंबर, 2022 तक असम और दक्षिण भारत के कुछ चाय उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किया। टी एसोसिएशन ऑफ कोरिया के अध्यक्ष श्री शॉन एस. जंग के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य था दक्षिण कोरिया में भारतीय चाय के आयात को बढ़ाने की संभावना का पता लगाना। भारतीय दूतावास, सियोल ने प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा की सुविधा प्रदान की। टी बोर्ड भारत और भारतीय चाय हितधारकों द्वारा प्रतिनिधिमंडल के लिए विभिन्न चाय बागानों, कारखानों का दौरा और चाय के नमूने और चखने के सत्र आयोजित किए गए।

24-25 सितंबर, 2022 को सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में "फेस्टिवल एक्स्ट्राऑर्डिनरी गार्डन" नामक स्वंर्धनात्मक कार्यक्रम में भारतीय चाय का नमूना और प्रशंसा सत्र

भारत के महावाणिज्य दूतावास, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस ने टी बोर्ड भारत के सहयोग से 24-25 सितंबर, 2022 के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित "फेस्टिवल एक्स्ट्राऑर्डिनरी गार्डन" नामक संवर्धनात्मक कार्यक्रम में भारतीय चाय के नमूने और प्रशंसा सत्र का आयोजन किया। विभिन्न देशों के चाय अनुष्ठानों के लिए समर्पित। इस कार्यक्रम में भारत सहित विभिन्न देशों की चाय परंपराओं पर व्याख्यान और प्रस्तुतियों के साथ-साथ एक चाय-केंद्रित प्रदर्शनी भी शामिल थी। दो दिवसीय कार्यक्रम में चाय के शौकीनों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी।

भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर, मलेशिया द्वारा टी बोर्ड भारत के सहयोग से वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन, 27.09.2022

दिनांक 27.09.2022 को टी बोर्ड भारत के सहयोग से भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर, मलेशिया द्वारा एक वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई थी। टी बोर्ड भारत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान मलेशिया में भारतीय चाय निर्यात को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया

और निर्यातकों को इस लक्ष्य की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुआलालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग की प्रथम सचिव सुश्री सी. सुषमा ने मलेशिया में चाय व्यापार परिदृश्य का संक्षिप्त विवरण दिया। टी बोर्ड भारत के चाय संवर्धन के उप निदेशक श्री जॉयदीप बिस्वास ने "इंडिया टी" पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी और वर्चुअल मीट से प्रमुख अपेक्षाओं को स्पष्ट किया। मलेशिया टी एसोसिएशन (एमवाईटीए) के श्री चून कोंग ल्यू ने "द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने" पर एक विशेष भाषण दिया। एमएआईसीसीआई (मलेशियाई एसोसिएशन इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के अध्यक्ष श्री दातो सेरी एन. गोबालाकृष्णन और श्री एस.के.ने "मलेशिया में भारतीय चाय और चाय उत्पादों को बढ़ावा देने" पर अपने विचार व्यक्त किए। केएलएसआईसीसीआई (कुआलालंपुर और सेलांगोर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के सलाहकार श्री एस. के. सुंदरम ने "भारतीय निर्यातकों के लिए मलेशिया में अपनाई गई चाय नीति" पर जानकारी प्रदान किया।

अक्टूबर 2022

टी बोर्ड भारत द्वारा "असम टी गोल्डन कप" का प्रायोजन - अखिल असम अंतर-उद्यान महिला फुटबॉल प्रतियोगिता, 2022

असम विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री बिस्वजीत डेमरी ने 16.10.2022 को डिब्रूगढ़ में असम टी ट्राइब स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा आयोजित "असम टी गोल्डन कप" - ऑल असम इंटर-गार्डन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता, 2022 का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा थे। टी बोर्ड भारत प्रतियोगिता के मुख्य संरक्षकों/प्रायोजकों में से एक था।

नवंबर 2022

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14-27 नवंबर, 2022 तक आयोजित 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 14-27 नवंबर 2022 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के 41वें संस्करण में भाग लिया। माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान श्रीमती. अनुप्रिया पटेल, माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री और श्री सोम प्रकाश, माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री भी उपस्थित थे। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम "वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल" थी।

प्रगति मैदान में ट्रेड फेयर के दौरान टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया और भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के नमूने के कारण टी बोर्ड का स्टॉल आगंतुकों की पसंदीदा बना रहा। टी बोर्ड स्टॉल पर प्रतिदिन लगभग 1000-1500 आगंतुक आते थे।

चाय निर्यात पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

टी बोर्ड भारत द्वारा 10 नवंबर, 2022 को केवीके के एसएमई के लिए "कृषि/बागवानी का निर्यात अभिविन्यास" नामक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "उत्तर पूर्व भारत में चाय निर्यात: क्षेत्र के अन्य क्षेत्रों के लिए एक रोल मॉडल" पर एक प्रस्तुति दी गई थी। और विस्तार शिक्षा निदेशालय, असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू), जोरहाट

द्वारा आयोजित कृषि विभागों के अधिकारी, प्रस्तुति के दौरान ब्रांडिंग और उपयुक्त पैकेजिंग की आवश्यकता, एक संक्षिप्त रोडमैप और एनईआर से चाय निर्यात के संबंध में शामिल विभिन्न मुद्दों सहित विपणन की बुनियादी बातों पर चर्चा की गई। 11 नवंबर, 2022 को टी बोर्ड भारत द्वारा जोरहाट और गोलाघाट, असम के छोटे चाय उत्पादकों के लिए "विपणन की मूल बातें" और "बाजार संपर्क स्थापित करना" पर एक अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

दिसंबर 2022

दिनांक 01.12.2022 को टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता में निर्यातकों की बैठक आयोजित की गई

1 दिसंबर, 2022 को टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता में एक निर्यातक बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक को टी बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी ने संबोधित किया। बैठक के दौरान वर्तमान में निर्यात परिदृश्य को प्रभावित करने वाले मुद्दों और भविष्य के रोडमैप पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान, यूको बैंक के अधिकारियों ने परेशानी मुक्त निर्यात क्रेडिट प्रदान करने, "ईरान निर्यात के लिए यूरो निपटान तंत्र", "विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते के माध्यम से भारतीय रुपये में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निपटान की मुख्य विशेषताएं" पर एक प्रस्तुति दी।

7-9 दिसंबर, 2022 तक मुंबई में आयोजित विश्व चाय और कॉफी एक्सपो में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 7-9 दिसंबर, 2022 तक बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, मुंबई में आयोजित विश्व चाय और कॉफी एक्सपो में भाग लिया। दुनिया भर से 13,000 से अधिक आगंतुकों ने एक्सपो में भाग लिया। व्यापार मेले में चाय और कॉफी उद्योगों पर महत्वपूर्ण सम्मेलन सत्र भी आयोजित किए गए जिनमें महत्वपूर्ण उद्योग विषयों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण ब्रांड जैसे वाघबकरी टी ग्रुप, चाय पॉइंट, स्लीपी आउल, लक्ज़मी टी, फ्लेवरटेक और कई अन्य ने अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया।

10 दिसंबर से 25 दिसंबर, 2022 तक आयोजित 33वें त्रिपुरा उद्योग और वाणिज्य मेले में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने उद्योग और वाणिज्य विभाग, सरकार द्वारा त्रिपुरा के अगरतला में 10 दिसंबर से 25 दिसंबर, 2022 तक आयोजित 33वें त्रिपुरा उद्योग और वाणिज्य मेले में भाग लिया।

श्री राम प्रसाद पॉल, माननीय अग्निशमन और आपातकालीन सेवा और ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने 10 दिसंबर 2022 को 33वें त्रिपुरा उद्योग और वाणिज्य मेले का उद्घाटन किया।

16.12.2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में टी बोर्ड भारत द्वारा "निर्यात उन्मुख संगोष्ठी-सह-प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया।

टी बोर्ड भारत ने दिनांक 16.12.2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में एक "निर्यात उन्मुख संगोष्ठी सह प्रदर्शनी" का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन अरुणाचल प्रदेश सरकार के व्यापार और वाणिज्य सचिव श्री हेगेटारी ने किया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को निर्यात प्रक्रिया की अनिवार्यताओं, निर्यात बाधाओं के प्रभावी संचालन और साथ ही अवसरों, पैकेजिंग के रुझानों और प्रौद्योगिकियों के संवर्धन के साथ-साथ निर्यात योग्य राज्य के उत्पाद वस्तुओं के प्रदर्शन के साथ निर्यात दस्तावेजों से संबंधित प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

17 दिसंबर से 19 दिसंबर 2022 तक 7वें असम इंटरनेशनल एग्रीहॉर्टी शो, गुवाहाटी में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 17 दिसंबर से 19 दिसंबर 2022 तक गुवाहाटी में 7वें असम इंटरनेशनल एग्रीहॉर्टी शो में भाग लिया। श्री अतुल बोरा, माननीय कृषि, बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार। श्री परिमल सुकल्याबैद्य, माननीय वन, मत्स्य पालन और उत्पाद शुल्क मंत्री, असम सरकार। असम के श्री अखिल गोगोई, माननीय विधायक, शिवसागर, असम सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया।

जनवरी 2023

पहली वैश्विक साझेदारी के अवसर पर जी-20 बैठकों में से एक 'भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र' का निर्माण, वित्त के लिए वित्तीय समावेशन बैठक वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 10-11 जनवरी, 2023 को कोलकाता में आयोजन : टी बोर्ड भारत ने 10-11 जनवरी, 2023 को कोलकाता में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित जी20बैठकों में से एक, वित्तीय समावेशन बैठक के लिए पहली वैश्विक साझेदारी के अवसर पर एक 'भारतीय चायअनुभव क्षेत्र' की स्थापना की। श्री अर्जुन मुंडा , माननीय मंत्री, जनजातीय मामले मंत्रालय, भारत सरकार। औरसुश्री मनीष सिन्हा, अवर सचिव, आर्थिक मामला विभाग,वित्त मंत्रालय,भारत सरकार नेकोलकाता में जी20बैठकके दौरानजी20प्रतिनिधियों के लिए आयजित'भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र' का दौरा किया औरकार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित भारतीय चाय का स्वाद चखा और उसकी सराहना की।
इंडियन टी एक्सपीरियंस ज़ोन' ने G20 बैठकों का हिस्सा रहे प्रतिनिधियों को भारतीय चाय की विस्तृत किस्मोंका अनुभव करने और स्वाद लेने के साथ-साथ दार्जिलिंग, असम, डूअर्स तराई नीलगिरि, कांगड़ा, सिक्किम, मसाला चाय, हरी चाय, ऊलोंग चाय, सफेद चाय और भी बहुत कुछ जैसी विभिन्न विशिष्ट चायों का स्वाद लेने औरउनका नमूना लेने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में विभिन्न चाय निर्यातकों ने अपने चाय के पैकेट, चाय कैडीज, खुली चाय, विभिन्नमिश्रण आदि का प्रदर्शन और नमूना लिया। निर्यातकों ने प्रतिनिधियों की प्राथमिकताएँ और अनुरोध पर चाय बैग, खुली पत्ती वाली चाय, हरी चाय, सफेद चाय, ऊलोंग चाय, दार्जिलिंग पहली और दूसरी फ्लश चाय, असमदूसरी फ्लश चाय, कड़क सीटीसी चाय, मसाला चाय मिश्रण, अंग्रेजी और आयरिश नाश्ता चाय, अर्ल ग्रे का नमूनालिया। बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र का दौरा किया और उत्साहपूर्वक भारतीय चाय मंडप में पेश किए गए विभिन्न स्वादों का स्वाद चखा, जिससे भारतीय चाय के स्वाद, दृश्य और सुगंध का तीन गुना ऑर्गेनोलेप्टिक अनुभव प्राप्त हुआ। कई प्रतिनिधि अपनी पसंदीदा भारतीय चाय के इतिहास, स्वादप्रोफाइल, विनिर्माण प्रक्रियाओं और सही शराब बनाने के तरीकों के बारे में जानने के लिए बहुत उत्सुक थे। भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र के लिए बहुत सारी व्यावसायिक पूछताछ और अवसर उत्पन्न हुए। पूरे दिन भारतीयचाय अनुभव क्षेत्र में एक बड़ी एलईडी स्क्रीन पर भारतीय चाय पर प्रचारात्मक फिल्में प्रदर्शित की गईं।

भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र को वास्तव में भारतीय आभा और अनुभव के साथ डिज़ाइन किया गया था जिसमेंचाय बनाने और नमूना लेने के लिए विदेशी और विश्व स्तरीय उप साधन, जैसे ग्लास चायदानी, वाईन बनानेके उपकरण, आम तौर पर भारतीय कुल्हड़ आदि शामिल थे। कोई आश्चर्य नहीं, भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र भीड़ से खचाखच भरा थाऔर प्रसन्न प्रतिनिधियों ने अपने सकारात्मक शब्दों के माध्यम से अनुभव को बढ़ाया। G20 प्रतिनिधियों को आकर्षक उपहार बक्सों में पैक उच्च गुणवत्ता वाली भारतीय चाय के उपहार दिए गए,जिससे उन्हें भारतीय चाय के अपने यादगार अनुभवों का स्वाद लेने में मदद मिली और भारतीय चाय के लिए एक बहुत अच्छा ब्रांड याद दिलाया गया।

8 से 10 जनवरी, 2023 तक हैदराबाद में आयोजित इंडस फूड 2023 के छठे संस्करण में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) द्वारा हैदराबाद में 8 से 10 जनवरी, 2023तक आयोजित इंडस फूड 2023 के छठे संस्करण में भाग लिया। इंडस फूड भारत के कृषि, एफ एंड बी और इसके संबद्ध उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के बीच बढ़ावा देने के लिए एक निर्यात-केंद्रित संवर्धनात्मक व्यापार मेला-सह-रिवर्स-बायर्स-सेलर्स मीट (आरबीएसएम) है। ओमान, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया आदि से कई विदेशी आगंतुकोंने टी बोर्ड भारत पवेलियन का दौरा किया। मेले के दौरान, खुदरा विक्रेताओं और क्रेताओं को वैश्विक एफ एंड बी उद्योग को जोड़ने वाले खरीदारों की एक बड़ी विविधता के लिए नए ब्रांडों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने पर विस्तारित जोर देने के साथ नए और मौजूदा प्रदर्शन आपूर्तिकर्ताओं के साथ सीखने, नेटवर्क बनानेऔर व्यापार करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम ने दक्षिणी भारतीय क्षेत्र में स्थानीय छोटे और मध्यमखाद्य उत्पादकों को वैश्विक खरीदारों के साथ भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया।

पश्चिम बंगाल सरकार के उपभोक्ता मामला विभाग द्वारा कोलकाता में 19-21 जनवरी, 2023 तक आयोजित क्रेता सुरक्षा मेला 2023 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी।

टी बोर्ड भारत ने उपभोक्ता मामला विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कोलकाता में 19-21 जनवरी, 2023तक आयोजित क्रेटा सुरक्षा मेला 2023 में भाग लिया। आगंतुकों को भारतीय चाय की विस्तृत किस्मों औरउनकी विशिष्ट विशेषताओं से अवगत कराया गया। भारतीय चाय पर संवर्धातमक साहित्य और संवर्धातमकसामग्री ने आगंतुकों के बीच भारतीय चाय के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद की। प्रदर्शनी में आगंतुकों केलिए चाय का नमूना लेने और चाय चखने की गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

18/01/2023 को निर्यात निरीक्षण एजेंसी के साथ बैठक का आयोजन : चाय आयात करने वाले देशों द्वारा प्रयोगशाला रिपोर्टों की मान्यता और स्वीकृति के लिए शिपमेंट से पहलेऑन-शोर परीक्षण के लिए कई एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं को शामिल करने के बारे में तौर-तरीके तैयार करने पर 18/01/23 को "निर्यात निरीक्षण एजेंसी, कोलकाता" के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।

फरवरी 2023

भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत पहली सतत वित्त कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक के मौके पर इंडिया टी पवेलियन, गुवाहाटी, 02.02.2023

टी बोर्ड भारत और गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर (जीटीएसी) ने संयुक्त रूप से 02.02.2023 को गुवाहाटी मेंआयोजित भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत पहली सतत वित्त कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक केअवसर पर एक मंडप स्थापित किया। भारत सरकार के माननीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग मंत्री औरमाननीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंडप में भारतीय चाय का आनंद लिया। कई जी20 प्रतिनिधियोंने भी इंडिया टी पवेलियन में प्रदर्शित चाय की विस्तृत विविधता का आनंद लिया और उसकी सराहना की।

जी-20 इंडिया प्रेसीडेंसी, बेंगलुरु के तहत पहली एफएमसीबीजी और दूसरी एफसीबीडी बैठक के अवसर पर टी बोर्ड भारत पवेलियन, 22-25 फरवरी, 2023

टी बोर्ड भारत ने 22-25 फरवरी, 2023 तक बेंगलुरु में आयोजित जी20 इंडिया प्रेसीडेंसी के तहत पहली एफएमसीबीजी और दूसरी एफसीबीडी बैठक के अवसर पर एक मंडप स्थापित करके भारतीय चाय की विभिन्नकिस्मों का प्रदर्शन और नमूना लिया। भारत सरकार की माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टी बोर्ड भारतपवेलियन का दौरा किया। जी20 के कई प्रतिनिधियों ने टी बोर्ड भारत पवेलियन का दौरा किया और भारतीयचाय की विभिन्न किस्मों का आनंद लिया और उनकी सराहना की।

25 फरवरी से 1 मार्च, 2023 तक डुलियाजान, असम में एमएसएमई, असम सरकार द्वारा आयोजित उदयम 2023 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी : टी बोर्ड भारत ने 25 फरवरी 2023 से 1 मार्च 2023 तक दुलियाजान, असम में एमएसएमई, असम सरकारद्वारा आयोजित उद्यम 2023 में एक मंडप लगाकर और छोटे चाय उत्पादकों की चाय प्रदर्शित कर भाग लिया। श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग मंत्री और माननीय आयुष मंत्री, भारतसरकार, श्री रामेस्वर तेली, माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री, भारतसरकार सहित भारत के कई गणमान्य व्यक्ति, श्री रणजीत कुमार दास, माननीय पंचायत और ग्रामीण विकास,खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, कानून और न्याय विभाग, असमसरकार, श्री बिमल बोरा, माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री और सार्वजनिक उद्यम और सांस्कृतिक मामला, असम सरकार और दुलियाजान निर्वाचन क्षेत्र, असम से विधान सभा के माननीय सदस्य श्री तेरशगोवाला ने टीबोर्ड इंडिया मंडप का दौरा किया। श्री रणजीत कुमार दास, माननीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, नागरिकआपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री, जनरल एडमिन, कानून एवं न्याय विभाग, असम सरकार ने टी बोर्ड भारतमंडप में छोटे चाय उत्पादकों द्वारा प्रदर्शित कुछ चायें खरीदीं और चाय की सराहना की।

दिनांक 22.02.2023 को श्री राजेश अग्रवाल, अपर सचिव (वृक्षारोपण) की अध्यक्षता में बैठक

22 फरवरी, 2023 को हितधारकों (उत्पादकों, पैकेटर्स, निर्यातकों) को शामिल करते हुए एक महत्वपूर्ण आभासीबैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता अपर सचिव (वृक्षारोपण) श्री राजेश अग्रवाल ने की। श्री सौरवपहाड़ी, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत, डॉ. एम. मुथुकुमार, कार्यकारी निदेशक, दक्षिण भारत आंचलिककार्यालय, टी बोर्ड भारत, श्रीमती अरुणिता फुकन यादव, कार्यकारी निदेशक, उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय, और निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी), टी बोर्ड भारत, और चाय अनुसंधान संगठन (टीआरए) और उपासी)यूनाइटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ साउथ इंडिया(के अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

मार्च 2023

उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय, टी बोर्ड भारत द्वारा रिवर्स क्रेता-विक्रेता मीट का आयोजन किया गया।

20-24 मार्च, 2023 को असम चाय उद्योग के 200 वर्ष पूरे होने के समारोह के हिस्से के रूप में असम केजोरहाट, तिनसुकिया, गोलाघाट, चराइदेव, सिबसागर और डिब्रूगढ़ के चाय उत्पादक जिलों में एक रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई। अहमदाबाद, कोलकाता, सिलीगुड़ी और अन्य शहरों के चाय क्रेताओं का असम के उपर्युक्त जिलों के चाय उत्पादकों के साथ उपयोगी बातचीत हुई।

37वें आहार अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले, नई दिल्ली 14-18 मार्च, 2023में टी बोर्ड भारत की भागीदारी,

टी बोर्ड भारत ने 14-18 मार्च, 2023 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 37वें आहार अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में भाग लिया। आहार 2023 का आयोजन आईटीपीओ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, एपीडा, एआरसीएचआईआई, हॉटरेमाई, एफएचएसएआई, एफ़आईएफ़आई, एफ़आईडबल्यूए और एआईएफपीए, एफएआईसी, एफ़आईएफ़एचआई , आईसीएमए, केआरईएमएजी तथा प्लांट बेस्ड फूड्स इंडस्ट्री एसोसिएशन के सक्रिय सहयोग से किया गया था। भारत और विदेश से एक लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुकों और 1500 प्रतिभागियों ने मेले में टाई-अप, नेटवर्किंग और संयुक्त उद्दमों के अवसरों की खोज की। आहार के समापन समारोह में एक पुरस्कार समारोह हुआ जिसमें आईटीपीओ के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप सिंह खरोला और श्री रजत अग्रवाल शामिल थे। आईटीपीओ के कार्यकारी निदेशक ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए। टी बोर्ड भारत ने सरकारी/कमोडिटी बोर्ड/पीएसयू सेक्टर श्रेणी में कांस्य पदक जीता।

8 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

8 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश के विभिन्न चाय बागानों में चाय तोड़ने वालोंशीर्ष महिलाओं के सम्मान के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

26 मार्च, 2023 को हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना चाय चैम्पियनशिप के दूसरे संस्करण का प्रायोजन

टी बोर्ड भारत ने 26 मार्च, 2023 को हैदराबाद में आयोजित Hybiz.tv द्वारा आयोजित तेलंगाना चायचैंपियनशिप के दूसरे संस्करण को प्रायोजित किया। श्री जी. किशन रेड्डी, माननीय केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री (उ पू क्षे वि), भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना चायचैम्पियनशिप की शोभा बढ़ाई। तेलंगाना चाय चैम्पियनशिप में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया औरआतिथ्य उद्योग के अनुभवी पेशेवरों की एक समूह ने पुरस्कार विजेताओं की सूची का चयन किया। श्री जी किशन रेड्डी ने कहा, "हमारे दिन की शुरुआत चाय से होती है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि चाय हमारीकई समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करती है।"

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 28-30 मार्च, 2023 को मुंबई में आयोजित पहली व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर भारतीय चाय आस्वादनक्षेत्र

टी बोर्ड भारत ने 28-30 मार्च, 2023 के दौरान मुंबई में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वाराआयोजित पहली व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर एक 'भारतीय चाय**आस्वादन** क्षेत्र' की स्थापना की।

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामला एवं खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 30 मार्च, 2023 को भारतीय चाय लाउंज का दौरा किया और लाउंज में प्रदर्शित की जा रही भारतीय चाय की असंख्य किस्मों की सराहना की। उन्होंने भारतीय चाय के प्रति अपना प्यार भी व्यक्त किया और भारतीय चाय के आरामदेह और स्फूर्तिदायक गुणों पर प्रकाश डाला। डॉ. भागवत किशनराव कराड, माननीय राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, ने 29 मार्च, 2023 को 'भारतीय चाय आस्वादन क्षेत्र'का दौरा किया और कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित भारतीय चाय का स्वाद चखा और उसकी सराहना की।

'भारतीय चाय आस्वादन क्षेत्र' ने जी20 बैठक का हिस्सा रहे प्रतिनिधियों को भारतीय चाय की विस्तृत किस्मोंका अनुभव करने और स्वाद लेने के साथ-साथ दार्जिलिंग, असम, डूअर्स तराई, नीलगिरि, कांगड़ा, सिक्किम, मसाला चाय, हरी चाय, सफेद चाय और भी बहुत कुछ जैसी विभिन्न विशिष्ट चायों का स्वाद लेने और उनका नमूना लेने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। विभिन्न चाय निर्यातकों ने भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में अपने चाय के पैकेट, चाय कैडीज, खुली चाय, विभिन्न मिश्रण आदि का प्रदर्शन और नमूना लिया।

तरल चाय के नमूने के अलावा, 'भारतीय चाय आस्वादन क्षेत्र' की एक अनूठी विशेषता विभिन्न स्नैक्स और स्वादिष्ट व्यंजनों की सेवा थी जिसमें भारतीय चाय को उनके व्यंजनों में एक प्रमुख घटक के रूप में शामिल किया गया था जैसे- मसाला चाय पेड़ा, हरी चाय और अनानास पेस्ट्री, काली चाय की तरल में पकाए गए सूखे छोले। प्रतिनिधियों को भारतीय चाय से बने इन नवोन्वेषी स्नैक्स और फिंगर फूड से सुखद आश्चर्य हुआ जो सभी आगंतुकों के बीच बेहद लोकप्रिय थे।

भारतीय चाय पर संवर्धनात्मक फिल्में पूरे दिन 'भारतीय चाय आस्वादन क्षेत्र' के प्रवेश द्वार और अंदर बड़ी एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई। 'भारतीय चाय आस्वादन क्षेत्र' को सौंदर्यशास्त्र का ध्यान रखते हुए डिज़ाइन किया गया था, जिसमें चाय बनाने और नमूना लेने के लिए विदेशी और विश्व स्तरीय सहायक उपकरण, जैसे ग्लास चायदानी, तरल बनाने के उपकरण, आम तौर पर भारतीय कुल्हड़ आदि का प्रदर्शन किया गया था। प्रतिनिधियों ने अपने सकारात्मक शब्दों के माध्यम से अनुभव को बढ़ाया। जी-20 प्रतिनिधियों को आकर्षक उपहार बक्सों में पैक उच्च गुणवत्ता वाली भारतीय चाय के उपहार दिए गए, जिससे उन्हें भारतीय चाय के अपनेयादगार अनुभव का स्वाद लेने में मदद मिली और भारतीय चाय के लिए एक बहुत अच्छा ब्रांड याद दिलाया गया।

अनुलग्नक–1

2022-23 के दौरान प्रमुख गंतव्य वार निर्यात

देश	अप्रैल-मार्च, 2022-23					अप्रैल-मार्च, 2021-22				
	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (करोड़.रु.)	मूल्य (मिल यूएस$)	इकाई मूल्य (रु/किग्रा)	इकाई मूल्य ($/किग्रा)	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (करोड़.रु.)	मूल्य (मिल US$)	इकाई मूल्य (रु/किग्रा)	इकाई मूल्य ($/किग्रा)
रूसी फेड	43.11	730.81	90.72	169.51	2.10	32.50	561.50	75.51	172.77	2.32
यूक्रेन	1.09	21.08	2.62	193.03	2.40	1.68	31.33	4.22	186.49	2.51
कज़ाकिस्तान	12.63	229.22	28.38	181.50	2.25	6.48	118.81	15.96	183.35	2.46
अन्य सीआईएस	2.11	52.85	6.52	250.47	3.09	1.82	38.05	5.08	209.07	2.79
कुल सीआईएस	58.94	1033.96	128.24	175.43	2.18	42.48	749.69	100.77	176.48	2.37
यूनाइटेड किंगडम	11.42	350.49	43.43	306.86	3.80	10.15	312.82	42.06	308.20	4.14
निदरलैंड	2.60	113.32	14.10	435.52	5.42	2.92	137.92	18.53	472.33	6.35
जर्मनी	8.00	287.89	35.86	359.68	4.48	9.62	327.02	43.96	339.94	4.57
आयरलेंड	2.29	168.93	20.96	738.64	9.16	2.21	126.00	16.89	570.14	7.64
पोलैंड	5.74	128.78	16.04	224.44	2.80	5.33	114.52	15.39	214.86	2.89
यू.एस.ए	12.57	556.68	69.62	443.04	5.54	13.46	577.77	77.57	429.25	5.76
कनाडा	2.14	96.61	12.07	451.05	5.63	2.04	126.89	17.08	622.01	8.37
यू.ए.ई	42.44	1307.87	161.99	308.18	3.82	23.20	578.07	77.23	249.17	3.33
ईरान	16.51	492.89	61.56	298.57	3.73	29.28	748.45	100.47	255.62	3.43
सऊदी अरब	5.52	185.14	22.94	335.40	4.16	4.05	119.25	15.98	294.44	3.95
मिश्र (ए.आर.ई)	2.43	35.35	4.36	145.24	1.79	0.25	5.12	0.69	204.80	2.76
अफगानिस्तान	1.10	21.72	2.71	196.77	2.45	1.08	17.70	2.40	163.89	2.22
बांग्लादेश	0.40	11.29	1.43	282.26	3.58	0.32	11.43	1.53	357.19	4.78
चीन	4.47	81.34	10.12	182.13	2.27	4.67	85.99	11.55	184.13	2.47
सिंगापूर	1.53	53.72	6.73	351.36	4.40	2.06	71.05	9.56	344.90	4.64
श्रीलंका	3.11	63.38	7.86	203.73	2.53	2.17	45.73	6.12	210.74	2.82
केन्या	0.50	10.23	1.26	203.39	2.50	0.90	17.88	2.42	198.67	2.69
जपान	2.90	156.58	19.56	539.38	6.74	3.28	149.51	20.07	455.82	6.12
पाकिस्तान	0.10	2.37	0.28	229.62	2.72	0.02	0.32	0.04	160.00	2.00
ऑस्ट्रेलिया	2.76	117.60	14.65	426.10	5.31	2.44	101.44	13.60	415.74	5.57
अन्य देश	40.93	1109.67	138.01	271.11	3.37	38.86	991.21	132.91	255.07	3.42
कुल	**228.40**	**6385.81**	**793.78**	**279.59**	**3.48**	**200.79**	**5415.78**	**726.82**	**269.72**	**3.62**

श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्दोग, उपभोक्ता मामले व खाद्द और सार्वजनिक वितरण व कपड़ा मंत्री, भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र, मुंबई 30 मार्च, 2023

श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्दोग, उपभोक्ता मामला और खाद्द और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र, मुंबई में 30 मार्च, 2023

श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्दोग, उपभोक्ता मामले और खाद्द और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र, मुंबई में, 30 मार्च, 2023

डॉ. भागवत किशनराव कराड, माननीय राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार का भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र, मुंबई में 29 मार्च, 2023

भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र, मुंबई में जी-20 प्रतिनिधि, 28-30 मार्च, 2023

असम चाय उद्योग के 200 वर्ष पूरे होने के समारोह के हिस्से के रूप में असम के जोरहाट, तिनसुकिया,गोलाघाट, चराइदेव,शिवसागर और डिब्रूगढ़ के चाय उत्पादक जिलों में नॉर्थ उत्तर पूर्व आंचलिक कार्यालय, टी बोर्ड भारत द्वारा 20-24 मार्च, 2023 को रिवर्स बायर सेलर मीट का आयोजन किया गया

37वें आहार अंतर्राष्ट्रीय और आतिथ्य मेला, नई दिल्ली में टी बोर्ड भारत की भागीदारी
14-18 मार्च, 2023

23 फरवरी 2023 को बंगलुरु में आयोजित जी-20 इंडिया प्रेसीडेंसी के तहत पहली एफएमसीबीजी और दूसरी एफसीबीडी बैठक में श्रीमती निर्मला सीतारमण- माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार टी बोर्ड भारत के पविलियन में ।

02.02.2023 को गुवाहाटी में आयोजित जी-20 इंडिया प्रेसीडेंसी के तहत पहली सतत वित्त कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक में श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग मंत्री औरमाननीय आयुष मंत्री, भारत सरकार टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा करते हुए ।

8 - 10 जनवरी, 2023 तक हैदराबाद में आयोजित इंडस फूड 2023 के छठे संस्करण में टी बोर्ड भारत की भागीदारी।

10-11 जनवरी, 2023 को कोलकाता में वित्त मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा आयोजित जी-20 बैठकों में से एक, वित्तीय समावेशन बैठक के लिए पहली वैश्विक साझेदारी के अवसर पर भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में श्री अर्जुनमुंडा, माननीय मंत्री, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और सुश्री मनीष सिन्हा, अपर सचिव, आर्थिक मामला विभाग, वित्त मंत्रालय

10-11 जनवरी, 2023 को कोलकाता में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित जी-20 बैठकों में से एक, वित्तीय समावेशन बैठक के लिए पहली वैश्विक साझेदारी के अवसर पर भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में जी-20 प्रतिनिधि

17 दिसंबर से 19 दिसंबर 2022 तक 7वें असम इंटरनेशनल एग्रीहॉर्टी शो, गुवाहाटी में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14-27 नवंबर, 2022 तक आयोजित 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में टी बोर्ड की भागीदारी

अरुणाचल प्रदेश सरकार के व्यापार और वाणिज्य सचिव श्री हेगेटरी दिनांक 16.12.2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में टी बोर्ड इंडिया द्वारा आयोजित "निर्यात उन्मुख संगोष्ठी सह प्रदर्शनी" में वक्तव्य देते हुए

दिनांक 16.12.2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में टी बोर्ड इंडिया द्वारा आयोजित "निर्यात उन्मुख संगोष्ठी सह प्रदर्शनी" में वक्तव्य देते हुए श्रीमती अरुणिता फुकन यादव, कार्यकारी निदेशक, उत्तर पूर्व आंचलिक कार्यालय और निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी)

टी बोर्ड भारत द्वारा प्रायोजित "असम टी गोल्डन कप"-ऑल असम इंटर-गार्डन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2022, में असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा

6-14 सितंबर, 2022 तक दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल का असम और दक्षिण भारत का दौरा

दिनांक 6 सितंबर, 2023 को गोलाघाट,असम में दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधिमंडल के लिए चाय आस्वादन सत्र आयोजित किया गया

दिनांक 03.09.2022 को अगरतला में 'रन फॉर त्रिपुरा टी' का आयोजन किया गया

ग्रेटर नोएडा में 26-28 अगस्त, 2022 तक आयोजित भारत भौगोलिक संकेत (जीआई) मेला 2022 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

25 जून, 2022 को डिब्रूगढ़, असम में टी बोर्ड भारत द्वारा आयोजित "पैकेजिंग मानकों के निर्माण" पर हितधारकों की परामर्श बैठक

टी बोर्ड भारत द्वारा 21.06.2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

टी बोर्ड भारत द्वारा दिनांक 21.06.2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार 21 मई, 2022 को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए

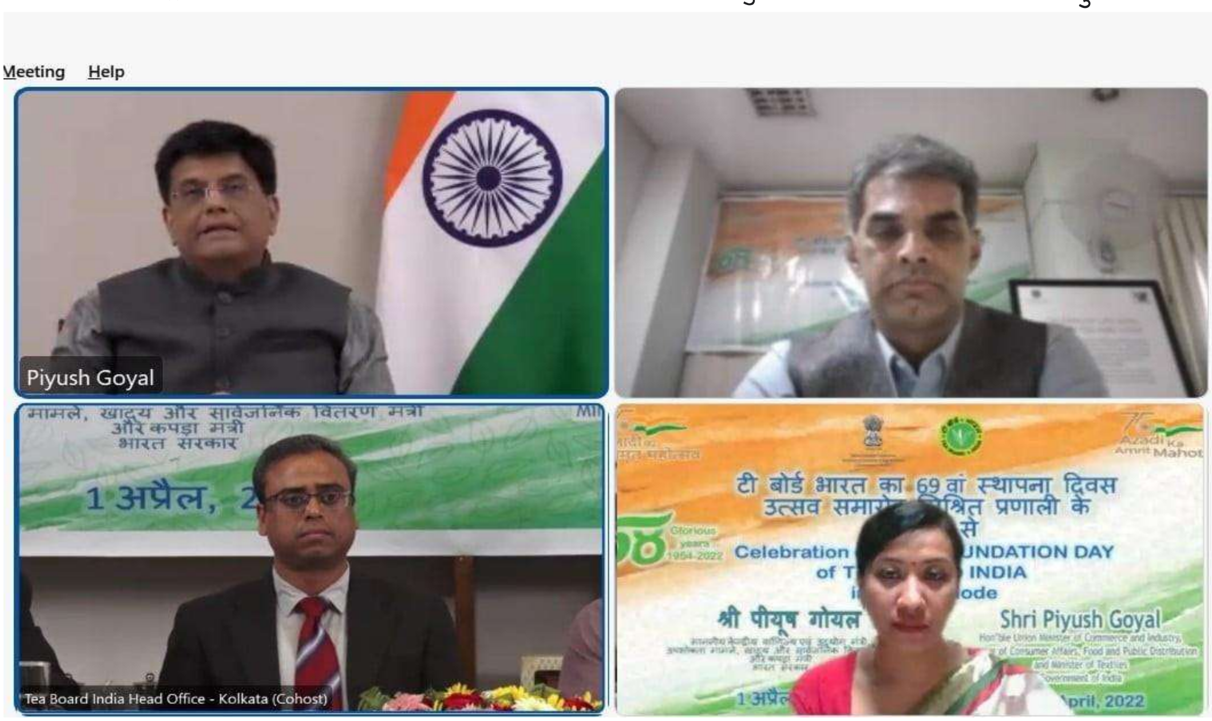

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले एवं खाद्द एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल (ऊपर बाएं), टी बोर्ड भारत के 69वें स्थापना दिवस 1 अप्रैल, 2022 के अवसर पर वर्चुअल मोड के माध्यम से चाय के हितधारकों को संबोधित करते हुए

अध्याय – 7

अनुज्ञापन शाखा

7.1 परिचय:

भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विभिन्न वैधानिक और नियामक आदेशों के कार्यान्वयन के लिए लाइसेंसिंग शाखा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण शाखा है। लाइसेंसिंग शाखा विभिन्न लाइसेंसिंग गतिविधियों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार है जिसमें नियामक नीतियों को तैयार करने, मौजूदा नियंत्रण आदेशों में संशोधन, लाइसेंस जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने, निगरानी और विनियमन जैसी अन्य गतिविधियों के साथ-साथ चाय व्यवसाय करने के लिए हितधारकों को विभिन्न लाइसेंस जारी करना समय-समय पर जारी केंद्र सरकार और चाय बोर्ड के विभिन्न निर्देशों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों की गतिविधियाँ शामिल है। विभाग नीलामी प्रणाली की निगरानी, निर्यात और आयात की गुणवत्ता की निगरानी आदि के लिए भी जिम्मेदार है, जो चाय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं।

7.2 विनियामक प्रावधान:

चाय अधिनियम की धारा 30 की उप-धारा (3) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए**,** केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित निम्नलिखित वैधानिक प्रावधान अस्तित्व में हैं जो संपूर्ण लाइसेंसिंग और नियामक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं**:-**

1. चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश,2003
2. चाय (वितरण व निर्यात) नियंत्रण आदेश, 2005
3. चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश**,** 1959
4. चाय भंडारण (अनुज्ञापन)**,** आदेश 1989

7.2.1 ऑनलाइन लाइसेंसिंग प्रणाली का परिचय:

7.2.2

बोर्ड ने विभिन्न नियंत्रण आदेशों के तहत सभी प्रकार के लाइसेंसिंग आवेदनों को जारी करने और नवीनीकरण करने के लिए अप्रैल, 2018 से ऑनलाइन लाइसेंस प्रणाली शुरू की है। इस ऑनलाइन लाइसेंसिंग प्रणाली ने लाइसेंसिंग आवेदनों की हार्ड कॉपी जमा करने की मौजूदा मैनुअल प्रक्रिया को बेहतर और पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया, आवेदनों के समय पर निपटान, ऑनलाइन स्थिति ट्रैकिंग आदि के साथ बदल दिया है।

7.2.3 जारी किए गए लाइसेंसों का विवरण:

वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु देश में जारी अनुज्ञापनों की संख्या साथ ही संग्रहित राजस्व की मात्रा तालिकाबद्ध रूप में निम्नवत है:

क्र.सं	नियंत्रण आदेश	अनुज्ञापन/ पंजीकरण की प्रकृति	अनुज्ञापनों की सं/ पंजीकरण/ जारी प्रमाणपत्र
1	चाय विपणन (नियंत्रण)आदेश, 2003	विनिर्माण इकाईयों को अनापत्ति प्रमाणपत्र	276 (143 ताज़े एवं 133 संशोधन)
		विनिर्माण इकाईयों का पंजीकरण	77 (ताज़े - 46 एवं 31 संशोधन)
		क्रेता पंजीकरण	301 (ताज़े - 298 एवं 3 संशोधन)
		ब्रोकर अनुज्ञापन	22 (ताज़े - शून्य एवं नवीकरण-22)
	चाय विपणन (नियंत्रण) आदेश, 2003	नीलामी आयोजक लाइसेंस	**8 (ताज़े-1एवं नवीकरण-7)**
		लघु चाय फैक्ट्री का प्रमाणपत्र	12
2	चाय वितरण (नियंत्रण) आदेश, 2005	निर्यातक अनुज्ञापन	679 (556 ताज़े, 102 नवीकरण, 21 संशोधन एवं शून्य- स्थायी)
		वितरक अनुज्ञापन	25
3	चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश, 1959	चाय अपशिष्ट अनुज्ञापन	612 (298 ताज़े एवं 314 नवीकरण)
4	चाय भण्डारण नियंत्रण आदेश,1989	चाय भण्डारण अनुज्ञापन	172 (71 ताज़े, 92 नवीकरण एवं 9 संशोधन)
5	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी जीएसआर 694 (ई) दिनांक 11.10.99	स्वाद चाय निर्माता का पंजीकरण	**77 (ताज़े 46 एवं 31 संशोधन)**
6	विदेश व्यापार नीति, भारत सरकार	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	329
7	चाय अधिनियम	पंजीकृत सम्पदा के स्वामित्व में परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	30
		पंजीकृत कारखानों के स्वामित्व परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	41
		उद्यान पंजीकरण	3
		कुल	**2664**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लाइसेंस शुल्क और पंजीकरण शुल्क के संदर्भ में कुल 3,10,34,396/- रुपये (जीएसटी को छोड़कर) राजस्व एकत्र किया गया है।

7.3 सैम्पलिंग गतिविधि:

चाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए, टी बोर्ड नियमित अंतराल पर विभिन्न विनिर्माण इकाइयों/गोदामों का दौरा और निरीक्षण करता है और चाय की गुणवत्ता की जांच करने के लिए चाय के नमूने एकत्र करता है। यदि घटिया चाय का पता चलता है, तो टी बोर्ड द्वारा उसे विपणन की अनुमति नहीं दी जाती है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान भारत में उत्पादित और विदेशों से आयातित चाय से लिए गए नमूनों का विवरण नीचे दिया गया है:

ए. घरेलू उत्पादन से लिए गए नमूने:

लिए गए नमूनों की संख्या	एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला को भेजे गए नमूनों की संख्या	प्राप्त परीक्षण रिपोर्टों की संख्या	एफएसएसएआई मापदंडों का पालन करने में विफल नमूनों की संख्या	नष्ट की गई चाय की मात्रा (किलो में)
245	245	245	104	21,276

बी. आयात खेपों से लिए गए नमूने:

घरेलू उत्पादन से नमूने लेने के अलावा, टी बोर्ड भारत में आयातित चाय से भी नमूने एकत्र करता है। परीक्षण करने पर, यदि कोई नमूना एफएसएसएआई मापदंडों को पारित करने में विफल पाया जाता है, तो संबंधित चाय को चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 और चाय (वितरण और निर्यात) नियंत्रण आदेश 2005, में निहित प्रावधानों के अनुसार बोर्ड द्वारा नष्ट कर दिया जाता है,इस प्रकार भारत में एफएसएसएआई अनुरूप चाय का प्रवेश सुनिश्चित हुआ। वित्तीय वर्ष 2022-23 में, बोर्ड ने आयातित चाय के संबंध में मुख्य रूप से नेपाल चाय के नमूने एकत्र किए थे और उनका विवरण इस प्रकार है:

निर्यातक देश का नाम	आयातित चाय से लिए गए नमूनों की संख्या	एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला को भेजे गए नमूनों की संख्या	प्राप्त परीक्षण रिपोर्टों की संख्या	एफएसएसएआई मापदंडों का पालन करने में विफल नमूनों की संख्या	नष्ट चाय की मात्रा
नेपाल	36	36	36	14	24,819

7.4 ई-नीलामी:

चाय की नीलामी कीमत की उचित खोज के लिए प्रतिस्पर्धी तरीके से खरीदारों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्पादित चाय का निपटान करने का एक साधन है। 1861 में कलकत्ता में पहला चाय नीलामी केंद्र स्थापित होने के बाद से एक सदी से भी अधिक समय से भारत में चाय के प्राथमिक विपणन के लिए सार्वजनिक चाय की नीलामी ने हमेशा मुख्य माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सार्वजनिक चाय की नीलामी थोक पैकेज में केवल लूज़ चाय को संभालती है। इसमें शामिल हितधारकों में नीलामी आयोजक, 'तैयार चाय' के निर्माता (विक्रेता), नीलामीकर्ता/दलाल, खरीदार और गोदाम शामिल हैं, ये सभी टी बोर्ड के पंजीकृत हितधारक हैं।

देश में सात (07) पंजीकृत नीलामी केंद्र हैं, जैसे कोलकाता, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी, कुन्नूर, कोचीन, कोयंबटूर और टी सर्व जहां नीलामी वर्तमान में अखिल भारतीय ई-एक्शन तंत्र के तहत टी बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की जा रही है। इन केंद्रों के अलावा, एक अभिनव नीलामी मंच, अर्थात् जोरहाट ई-मार्केटप्लेस को जून, 2020 से जो जोरहाट नीलामी नियम, 2020 के तहत चलता है,परिचालन में लाया गया है।

पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान पैन इंडिया मॉड्यूल के साथ-साथ जोरहाट ई-मार्केटप्लेस के तहत ई-नीलामी के माध्यम से बेची और खरीदी गई चाय की मात्रा इस प्रकार है:

नीलामी केन्द्र	अप्रैल 2021 से मार्च 2022		अप्रैल 2022 से मार्च 2023	
	मात्रा (मिकिग्रा)	मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा (मिकिग्रा)	मूल्य (रु/किग्रा)
कोलकाता लीफ	126.33	212.55	123.33	236.65
कोलकाता डस्ट	34.28	205.8	32.89	217.31
कुल कोलकाता	**160.61**	**211.11**	**156.22**	**232.58**
गुवाहाटी लीफ	113.59	184.31	104.60	190.77
गुवाहाटी डस्ट	46.11	178.67	38.46	192.03
कुल कोलकाता	**159.7**	**182.68**	**143.07**	**191.11**
सिलिगुड़ी लीफ	124.21	178.28	130.35	176.62
सिलिगुड़ी डस्ट	15.81	167.75	15.88	175.84
कुल सिलिगुड़ी	**140.02**	**177.09**	**146.23**	**176.53**
कोचीन लीफ	9.62	145.3	13.03	164.63
कोचीन डस्ट	37.42	132.12	35.42	137.33
कुल कोचीन	**47.04**	**134.82**	**48.44**	**144.67**
कूनूर लीफ	59.1	98.45	53.18	97.28
कूनूर डस्ट	18.81	99.32	18.33	103.62
कुल कूनूर	**77.91**	**98.66**	**71.52**	**98.91**
कोयमबटूर लीफ	8.06	103.1	7.33	102.45
कोयमबटूर डस्ट	8.95	109.88	9.75	117.93
कुल कोयमबटूर	**17.01**	**106.67**	**17.08**	**111.29**
टीसर्व लीफ	4.07	84.22	2.93	83.61
टीसर्व डस्ट	2.27	84.68	3.08	92.39
कुल टीसर्व	**6.34**	**84.39**	**6.01**	**88.11**
जोरहाट ई-मार्केटप्लेस लीफ	0.19	160.23	0.22	172.44
जोरहाट ई-मार्केटप्लेस डस्ट	0.06	143.61	0.07	150.60
कुल जोरहाट ई-मार्केटप्लेस	**0.25**	**155.86**	**0.29**	**166.81**
कुल	**608.88**	**171.29**	**588.85**	**180.09**

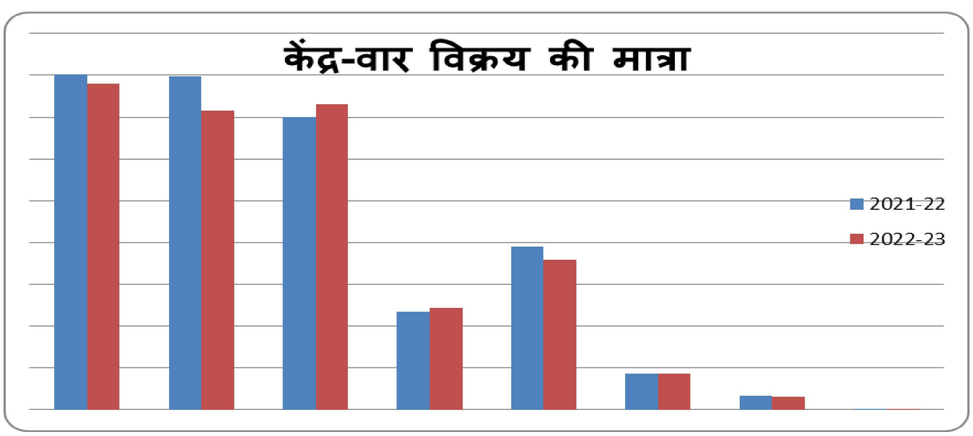

31 मार्च, 2023 (वित्त वर्ष 2022-23) की स्थिति के अनुसार, चाय बोर्ड द्वारा बिक्री के बाद के लेनदेन से रु.4.71 करोड़ (कर सहित) एकत्र किए गए हैं।

विशेष नीलामी: अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस 2022 के अवसर पर, टी बोर्ड द्वारा गुणवत्तापूर्ण चाय की पत्तियों को तोड़ने का विशेष आयोजन किया गया, जिसकी अंततः 20 जून 2022 को नीलामी की गई। नीलामी के विशेष सत्र में कुल 23,699.10 किग्रा. चाय 342.81 रुपये प्रति किलोग्राम की औसत कीमत पर बेची गई थी। विशेष सत्र में उच्चतम मूल्य 99,999.00 रुपये प्रति किलोग्राम प्राप्त हुआ। देश के सभी सात नीलामी केंद्र, अर्थात् कोलकाता, गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, कुन्नूर, कोयंबटूर, कोचीन और टीसर्व-कुन्नूर केंद्र के साथ-साथ जोरहाट नीलामी केंद्र ने विशेष नीलामी में भाग लिया।

7.5 <u>मुख्य उपलब्धियाँ:</u>

- **भारत नीलामी का कार्यान्वयन (जापानी नीलामी मॉडल के रूप में भी जाना जाता है)**: बोर्ड ने चाय नीलामी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बाजारों के वैश्वीकरण और नवीनतम प्रौद्योगिकी के विकास और मूल्य खोज में इसी सुधार के मद्देनजर मौजूदा नीलामी मॉडल पर एक रणनीतिक विश्लेषण करने के लिए आईआईएम, बैंगलोर को सौंपा। आईआईएम, बैंगलोर की सिफारिश के अनुसार, बोर्ड ने जनवरी 2022 की बिक्री संख्या 1 से दक्षिण भारत में स्थित सभी पंजीकृत चाय नीलामी केंद्रों पर भारत नीलामी लागू की थी और इसे 20.03.2023 से बिक्री संख्या 12/2023 उत्तर भारत के पंजीकृत नीलामी केंद्रों में लॉन्च किया गया है।
- **ग्रेडों का मानकीकरण:** ग्रेड का युक्तिकरण और मानकीकरण प्रोफेसर महादेवन समिति, आईआईएम बैंगलोर की प्रमुख सिफारिशों में से एक था। बोर्ड ने हितधारकों के साथ उचित परामर्श के बाद विभिन्न ग्रेडों को कुल 219 ग्रेडों में मानकीकृत किया है। सम्पूर्ण भारत में सभी पंजीकृत नीलामी केंद्रों द्वारा पेशकश, बिक्री, कैटलॉग का निर्माण आदि गतिविधियां की जा रही हैं मानकीकृत ग्रेड के अनुसार 1 अप्रैल 2022 है।

7.6 नई पहल:

- टी बोर्ड ने उद्योग और वाणिज्य निदेशालय, त्रिपुरा सरकार के सहयोग से नीलामी के माध्यम से त्रिपुरा चाय की बिक्री के लिए परिवहन लागत को कम करने के लिए कुछ पहल की है, जिससे विक्रेताओं के लिए लाभ मार्जिन अधिकतम हो जाएगा, जिससे वे संभावित क्रेताओं को ताजा चाय पेश करने में सक्षम होंगे। बोर्ड ने इस मामले पर 13.10.2022 को त्रिपुरा सरकार को एक अवधारणा पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें मूल्य वर्धित सेवाओं के साथ त्रिपुरा में एक अत्याधुनिक केंद्रीकृत गोदाम स्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है। बोर्ड ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि बांग्लादेशी आयातकों को चाय खरीदने के लिए भारतीय नीलामी में सीधे भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए भारत से चाय आयात करने पर बांग्लादेश द्वारा लगाए गए शुल्क को उचित रूप से कम किया जा सकता है, जिससे भारतीय चाय उद्योग के और विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। मामले में टी बोर्ड को त्रिपुरा सरकार का जवाब अभी तक नहीं मिला है।

अध्याय-8

सांख्यिकी

प्रस्तावना:

टी बोर्ड की सांख्यिकी शाखा का प्राथमिक कार्य चाय उद्योग के सभी पहलुओं से संबंधित सांख्यिकीय जानकारी एकत्र करना और प्रसारित करना है, जिसमें खेती के तहत क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादकता, देश में उत्पादित चाय के प्रकार, प्राथमिक बाजार मूल्य, निर्यात चाय पर निर्यात का गंतव्य और चाय बागानों में कार्यरत श्रमिक आदि शामिल हैं। ऐसी जानकारी बोर्ड, सरकार और उद्योग के नीतिगत मामलों के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट बनती है।

सांख्यिकीय सूचना का प्रसार:

साप्ताहिक नीलामी कीमतों, मासिक उत्पादन और निर्यात डेटा की जानकारी बोर्ड की वेबसाइट - www.teaboard.gov.in पर व्यापार, उद्योग, अनुसंधान विद्वानों आदि के लिए सार्वजनिक डोमेन में प्रसारित की जाती है।

चाय मूल्यों का अनुवीक्षण:

सांख्यिकी शाखा क्रमशः वृक्षारोपण फसलों के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के निर्माण के संबंध में वाणिज्य मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को नीलामी कीमतों पर आवश्यक जानकारी प्रदान कर रही है। सांख्यिकी शाखा द्वारा विभिन्न शहरों/कस्बों में चाय की खुदरा कीमत भी संकलित की जा रही है।

कर एवं शुल्क:

उत्पाद शुल्क: इंस्टैंट चाय पर 12.5 प्रतिशत यथा मूल्य जो शीर्ष 2101.2010 के तहत आता है।

निर्यात शुल्क : शून्य

आयात शुल्क: निर्यातोन्मुख इकाई (इओयू) एवं विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (सेज़) इकाईयों द्वारा पुन: निर्यात के प्रयोजन हेतु आयातित चायों पर आयात शूल्क शून्य है । यद्दपि, घरेलू बाजार हेतु आयातित चायों पर प्राथमिक आयात शुल्क का 100 प्रतिशत और 10 प्रतिशत अधिभार तथा प्राथमिक शुल्क एवं अधिभार पर 4 प्रतिशत का विशेष अतिरिक्त शुल्क को आकर्षित करेगा (1 मार्च 2002 से) । प्रति कैलेण्डर वर्ष में श्रीलंका से 15 मि.कि.ग्रा. तक आयातित चाय पर प्राथमिक शुल्क का 7.5 प्रतिशत की रियायत के अलावा अन्य सामान्य अधिकार लागू रहेगा ।

वियतनाम, इंडोनेशिया आदि आसियान देशों से चाय पर सीमा शुल्क आसियान समझौते के अंतर्गत आता है और वर्तमान में 45% है। नेपाल से भारत में आयातित चाय पर कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाता है, ऐसे आयात पर केवल 5% आईजीएसटी लिया जाता है।

उत्पाद एवं सेवा कर :

चाय पर वर्तमान जीएसटी दर 5% है अर्थात् 2.5% सीजीएसटी+2.5%एसजीएसटी । अर्न्तप्रदेशीय पूर्ति के क्षेत्र में, चाय पर आईजीएसटी की दर 5% है ।

वर्ष 2022-23 के दौरान चाय उद्योग व व्यापार की स्थिति

उत्पादन:

2022-23 के दौरान भारत का चाय उत्पादन 1374.97 मि.कि.ग्रा. है जो 2021-22 में 30.57 मि.कि.ग्रा. की वृद्धि हुई है।

प्रमुख चाय उत्पादक राज्य असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल कुल चाय उत्पादन में 97.29% का योगदान करते हैं। कुल चाय उत्पादन में सीटीसी 89% जबकि ऑर्थोडॉक्स और ग्रीन टी 11% योगदान देता है।

संगठित क्षेत्र:

1567 चाय संपदाएं है । इन क्षेत्रों में 931 विपणन इकाई स्थापित है। 2022-23 के दौरान उत्पादन के संगठित क्षेत्र का अंश 48% देखा गया ।

लघु चाय उत्पादक:

लघु उत्पादकों की गणना एक सतत प्रक्रिया है। 31.03.2023 तक, लघु चाय उत्पादकों की संख्या 237068 है । कुल चाय उत्पादन में लघु उत्पादकों का योगदान वर्ष-दर-वर्ष बढ़ रहा है। वर्ष 2022-23 के दौरान उत्पादन में लघु उत्पादकों की हिस्सेदारी 52% देखी गई है।

निर्यात**:**

चाय निर्यात 6385.81 करोड़ की मूल्य वसूली सहित मात्रा में 228.40 मि.कि.ग्रा. थी। यह मात्रा में 27.61 मिलियन किलोग्राम और मूल्य में 970.03 करोड़ रुपये अधिक था और इकाई मूल्य प्राप्ति रु. 279.59 प्रति किलोग्राम थी, 9.87 रुपये प्रति किलोग्राम का सुधार हुआ।

भारत से चाय का निर्यात

वर्ष	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रुकरोड.)	इकाई मूल्य (रु/किग्रा)	थोक चाय		मूल्यवर्धक चाय	
				मात्रा (मि.किग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मात्रा (मि.किग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)
2021-22	200.79	5415.78	269.72	168.64	3780.22	32.15	1635.56
2022-23	228.40	6385.81	279.59	197.66	4707.91	30.74	1677.90

यह देखा गया है कि 2022-23 के दौरान कुल निर्यात का लगभग 13.46% मूल्य वर्धित रूप (पैकेट चाय, टी बैग और इंस्टेंट चाय) में है, जबकि बाकी निर्यात थोक रूप में किया जाता है।

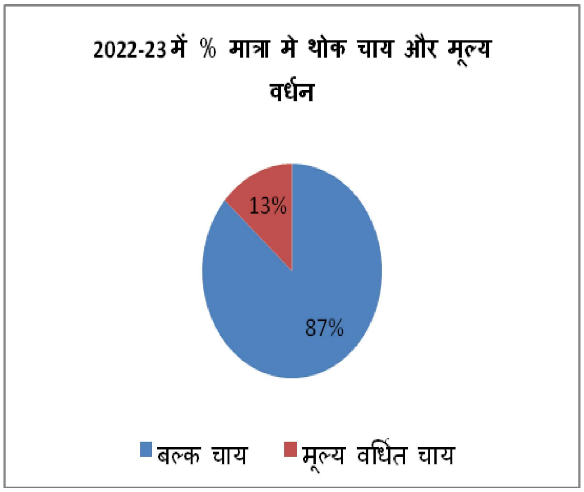

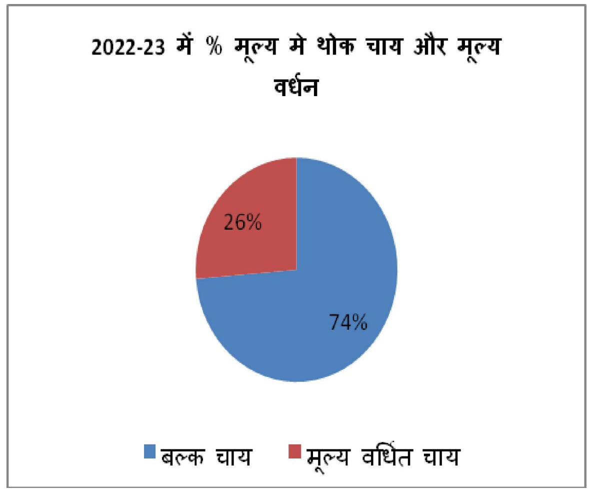

<u>भारत में चाय का आयात</u>

वर्ष 2022-23 के दौरान चाय का आयात 29.12 मिलियन किलोग्राम है 427.99 करोड़. रुपये के सीआईएफ मूल्य के साथ सीआईएफ मूल्य के साथ 25.97 मिलियन किलोग्राम के मुकाबले 2021-22 में 379.36 करोड़ था।

<u>नीलामी में चाय मूल्य</u>

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान देश में उत्पादित कुल चाय का लगभग 43% हिस्सा सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचा गया, शेष अन्य माध्यमों से बेचा गया।

वर्ष	उत्तर भारत		दक्षिण भारत		अखिल भारत	
	मात्रा (मि. किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा (मि. किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा (मि.किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)
2021-22	461.61	190.81	148.78	110.38	610.39	171.21
2022-23	445.81	200.91	143.05	115.43	588.86	180.14

2022-23 के दौरान सार्वजनिक नीलामियों में बेची गई मात्रा में गिरावट आई लेकिन औसत नीलामी मूल्य 2021-22 की तुलना में बेहतर हुआ। पिछले वर्ष की तुलना में उत्तर भारत की नीलामी की औसत कीमत में 10.10 रुपये प्रति किलोग्राम (5.29%) की वृद्धि हुई और दक्षिण भारत की नीलामी की औसत कीमत में 5.05 रुपये प्रति किलोग्राम (4.58%) की वृद्धि हुई। 2022-23 के दौरान अखिल भारतीय नीलामी औसत कीमत 2021-22 की तुलना में 8.93 रुपये प्रति किलोग्राम (5.22%) बढ़ गई।

2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान श्रेणीवार कीमतें यहां दी गई हैं, जिससे पता चलता है कि दार्जिलिंग को छोड़कर सभी श्रेणियों की औसत नीलामी कीमतों में वृद्धि हुई है।

वर्ग	2022-23 मूल्य रु/किग्रा)	2021-22 मूल्य रु/किग्रा)	बढोत्तरी/गिरावट मूल्य रु/किग्रा)
सीटीसी	171.30	167.59	3.71
आर्थोडॉक्स	242.15	198.93	43.22
दार्जिलिंग	337.68	373.39	-35.71
सभी चाय	180.14	171.21	8.93

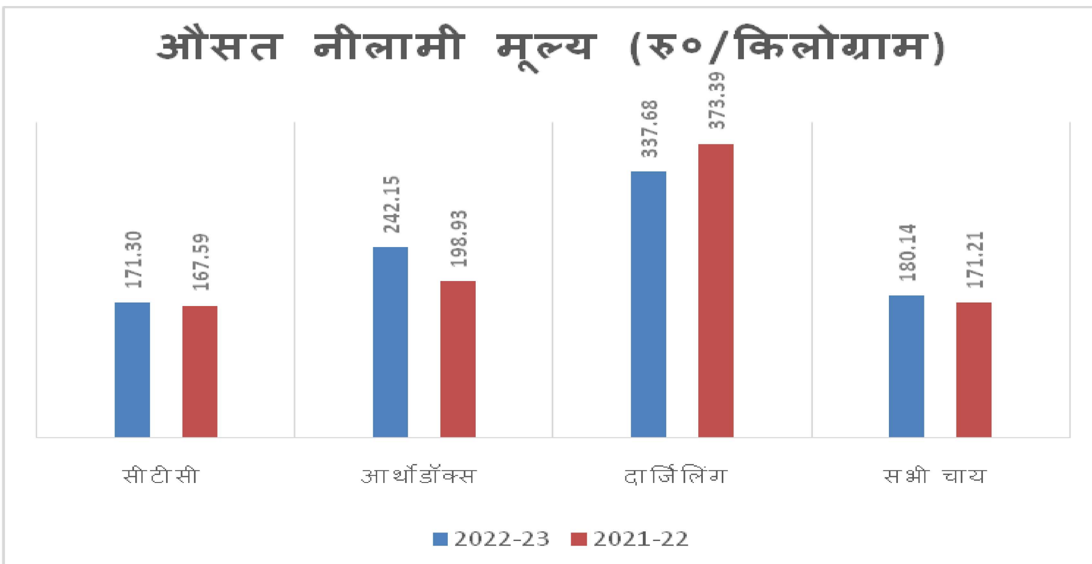

घरेलू प्रतिधारण:

चाय की अनुमानित घरेलू प्रतिधारण 2022-23 में 1176 मि.कि.ग्रा. की तुलना में 2021-22 में करीब 1107 मि.कि.ग्रा. रही।

अध्याय :9

मानव संसाधन विकास

(लघु चाय उत्पादकों के श्रमिकों-आश्रितों का कल्याण)

1. परिचय

श्रमिकों और उनके आश्रितों के लिए बेहतर व्यावहारिक परिस्थितियों को सुनिश्चित करने और सुविधाओं और प्रोत्साहनों में सुधार के लिए कल्याणकारी उपायों का समर्थन करना टी बोर्ड केउद्देश्यों और कार्यों में से एक है, जैसा कि चाय अधिनियम, 1953 में अनिवार्य है। चूंकि चाय बागान श्रमिकों की व्यावहारिक स्थितियां देश बागान श्रम अधिनियम (पीएलए), 1951 द्वारा शासित है और इसे संबंधित राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है, बोर्ड द्वारा की जाने वाली कल्याणकारी गतिविधियाँ प्रकृतिक रूप से पूरक हैं और सामान्य कल्याण उपायों को कवर करती हैं

2. **श्रमिक कल्याण समिति**

बोर्ड की श्रम कल्याण समिति बोर्ड की सलाहकार संस्था के रूप में मार्गदर्शन करती है। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान बोर्ड को श्रम कल्याण समिति द्वारा विभिन्न श्रम कल्याण गतिविधियों के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल होते हैं:

1. श्री. डी डेविड
2. श्री. ई. पी. शिवादासन
3. श्री.के. के. मनोज कुमार
4. श्री मृगेन्द्र जालान
5. श्री प्रफुल्लरंजन वर्मा
6. श्री राजीव केगोहेन .
7. श्री. सुनील के. गोहेन
8. श्री. टी. के. तुलसीधरण पिल्लई

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान बोर्ड/श्रम कल्याण समिति की 28 फरवरी 2023 को बोर्ड की 248वीं बैठक हुई।

3. 15वें वित्त आयोग (2021-22 से 2025-26) के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना के तहत कल्याणकारी उपाय

15वें वित्त आयोग (2021-22 से 2025-26) के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के उपाय प्रदान करती है।

पूरे भारत में लगभग 2.37 लाख से अधिक छोटे चाय उत्पादक हैं जिनका चाय क्षेत्र लगभग 2.02 लाख हेक्टेर है जो कुल चाय उत्पादन का लगभग 52% हिस्सा साझा करता है। इसके विपरीत, चाय बागान के श्रमिकों जिन्हें विभिन्न वैधानिक अधिनियमों और कानूनों जैसे बागान श्रम अधिनियम के बागान के श्रमिकों जिन्हें विभिन्न वैधानिक अधिनियमों और कानूनों जैसे बागान श्रम अधिनियम के अपने बागान में कार्य करते हैं और चाय बागान को प्रदान की जाने वाली ऐसी सुविधा से वंचित होते हैं।

लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने और चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए, योजना के तहत निम्नलिखित कल्याणकारी उपाय प्रदान किए गए हैं:

i. 2.00 हेक्टेयर तक के छोटे चाय उत्पादक क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा

सहायता का पैमाना	मापदंड
ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति और छात्रावास शुल्क का 2/3 (भोजन और आवास सहित, वास्तविक सीमा के आधार पर अधिकतम रु. 20000.00 तक)	i. उत्तर और दक्षिण भारत के चाय उत्पादक राज्यों में प्रारंभिक/प्राथमिक चरण से छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएगा। प्रारंभिक, मध्य, माध्यमिक शिक्षा, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित सामान्य और तकनीकी डिग्री और नर्सिंग पाठ्यक्रम सहित तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान किया जाएगा। ii. चाय बागान क्षेत्र के अंतर्गत,2.00 हेक्टेयर तक चाय क्षेत्र वाले छोटे चाय उत्पादकों के बच्चे, छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं, बशर्ते संबंधित छोटे चाय उत्पादक टी बोर्ड के साथ नामांकित हों और उनके पास टी बोर्ड द्वारा जारी क्यूआर कोड अंतर्निहित पहचान पत्र हो। iii. कानूनी रूप से गोद लिए गए एक बच्चा सहित 2 से अधिक बच्चे को छात्रवृत्ति नहीं दिए जा सकते। किसी उत्पादक द्वारा गोद लिए गए और उस पर आश्रित किसी अनाथ को भी छात्रवृत्ति दिया जा सकता है। iv. किसी उत्पादक द्वारा गोद लिए गए और उस पर आश्रित किसी अनाथ को भी छात्रवृत्ति दिया जा सकता है। v. राज्य या केंद्र सरकार से मुफ्त ट्यूशन या कोई अन्य छात्रवृत्ति/वृत्तिका प्राप्त करने वाले बच्चे इस योजना के तहत छात्रवृत्ति के हकदार नहीं हैं। लेकिन ऐसे मामलों में जहां ऐसी छात्रवृत्ति/वृत्तिका छात्रावास शुल्क के लिए उपलब्ध नहीं है, शेष राशि का प्रतिनिधित्व करने वाला अनुदान योजना के तहत या छात्रावास शुल्क का 2/3 जो भी कम हो, स्वीकृत किया जा सकता है। vi. जो छात्र पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं वे पात्र नहीं होंगे। vii. आवेदक के पास आधार कार्ड/वैध पहचान प्रमाण होना चाहिए।

शर्तें:

ए. इस योजना के तहत दिए गए सभी छात्रवृत्ति केवल भारत में सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थानों में नियमित पूर्णकालिक पाठ्यक्रम करने के लिए एक शैक्षणिक सत्र के लिए ही देय हैं। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में, उम्मीदवार को उस संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रमाणित वार्षिक प्रगति रिपोर्ट की फोटो प्रति के साथ एक नया आवेदन करना होगा जहां छात्र पिछले शैक्षणिक सत्र में पढ़ रहा था।

बी. अच्छे आचरण और संतोषजनक प्रगति की सामान्य शर्तों पर छात्रवृत्ति देय है। किसी कक्षा में हिरासत में लिए गए छात्र को कोई छात्रवृत्ति नहीं दिया जाता है। हालाँकि, यदि कोई छात्र बाद में असफल विषय के लिए पूरक परीक्षा में उपस्थित होकर परीक्षा उत्तीर्ण करता है तो शैक्षिक छात्रवृत्ति की अनुमति दी जा सकती है।

सी. योजना के तहत छात्रवृत्ति की राशि सभी प्रकार की स्कूल फीस तक सीमित है और छात्रावास शुल्क का 1/3 हिस्सा किसानों द्वारा वहन किया जाएगा। छात्रावास शुल्क संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रमाणित अध्ययन की अवधि (ग्रीष्म, पूजा और शीतकालीन अवकाश को छोड़कर) के लिए देय होगा।

डी. जो बच्चे कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा पाठ्यक्रम करने के इच्छुक हैं, वे वर्तमान नियमों और शर्तों पर वर्तमान योजना के तहत छात्रवित्त लिए आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2 साल से कम नहीं होना चाहिए और मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए।

ii. दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार

सहायता का स्तर	मानदंड
कक्षा X: श्रमिको के पात्र बच्चों को @ रु. 8,000/- एकमुश्त अनुदान कक्षा **XII:** श्रमिको के पात्र बच्चों को @ रु. 10000/- एकमुश्त अनुदान	i. गत माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा में कम से कम 60% अंक और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से उच्च माध्यमिक उच्च शिक्षा में अध्ययन / करना ii. चाय बागान क्षेत्र के अंतर्गत 2.00 हेक्टेयर तक चाय क्षेत्र वाले लघु चाय उत्पादकों के बच्चे, छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं iii. कानूनी रूप से गोद लिए गए एक बच्चा सहित 2 से अधिक बच्चे को छात्रवृत्ति नहीं दिए जा सकते। iv. किसी उत्पादक द्वारा गोद लिए गए और उस पर आश्रित किसी अनाथ को भी छात्रवृत्ति दिया जा सकता है। v. जो छात्र पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं वे पात्र नहीं होंगे। **vi.** आवेदक के पास आधार कार्ड/वैध पहचान प्रमाण होना चाहिए।

iii. **चाय पर अध्ययन**

चाय उद्योग एक श्रम प्रधान उद्योग है जो 1.16 मिलियन से अधिक चाय श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है और चाय बागान श्रमिकों पर आश्रितों की एक बड़ी संख्या हैं, जिनमें से अधिकांश महिला श्रमिक हैं। 2.37 लाख से अधिक छोटे चाय उत्पादक हैं जो भारत के कुल उत्पादन में 52% से अधिक का योगदान दे रहे हैं। कार्यबल की सामाजिक आर्थिक स्थिति काफी हद तक चाय उद्योग पर निर्भर करती है और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित उद्योग उन कार्यबल के लिए रोजगार का एकमात्र स्रोत है। चाय उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्योग, कार्यबल, उत्पादन, उत्पादकता, उपभोग और निर्यात के बीच संतुलन बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। किसी भी हितधारक/गतिविधि में असंतुलन चाय उद्योग के विकास और संवर्धन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इसलिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा चाय उद्योग पर अध्ययन कराना आवश्यक है जो सरकार को चाय के समग्र विकास के लिए नीतियां बनाने में मदद करेगी।

4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित लघु उत्पादकों के बच्चों के लिए

शिक्षा छात्रवृत्ति: चाय बागान के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र 4.00 हेक्टेयर तक की भूमि वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लघु चाय उत्पादकों के बच्चे/ आश्रित बच्चे पुरस्कार के लिए पात्र हैं। किसी छात्र को कक्षा में रोके दिये जाने पर भी छात्रवृत्ति डी जाती है।

दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी छात्रों के लिए पुरस्कार: पुरस्कार पर विचार करने के लिए पात्रता अंकों का प्रतिशत 50% होगा। चाय बागान के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र 4.00 हेक्टेयर तक भूमि रखने वाले अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के छोटे चाय उत्पादकों के बच्चे। आश्रित बच्चे पुरस्कार के लिए पात्र हैं।

1. **भौतिक एवं आर्थिक प्रगति**

5.1. चाय विकास एवं संवर्धन योजना :वित्त वर्ष 2022-23 के लिए छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि :

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए श्रमिकों के कल्याण के तहत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
		उत्तर पूर्व		**बिहार सहित पश्चिम बंगाल**		**दक्षिण भारत**		**हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड**		**कुल (अखिल भारतीय)**	
संघक	प्रमुख गतिविधि/ उप घटक	वित्तीय (रू. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रू. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रू. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रू. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रू.लाख में)	लाभार्थियों की संख्या
श्रमिकों का कल्याण	1. शिक्षा छात्रवृत्ति	62.34	666	34.17	235	134.86	806	8.80	44	240.17	1751
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्या र्थियों को पुरस्कार	32.02	400	27.12	366	8.40	104	0.00	0	67.54	870
	3. बारहवीं कक्षा कक्षा के मेधावी विद्या र्थियों को पुरस्कार	20.70	207	33.30	333	12.00	120	0.20	2	66.20	662
	उप योग	**115.06**	**1273**	**94.59**	**934**	**155.26**	**1030**	**9.00**	**46**	**373.91**	**3283**

5.2 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राज्यवार छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

राज्य →	असम	त्रिपुरा	नगालैंड	मेघालय	पश्चिम बंगाल	बिहार	तमिलनाडु	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल ।
वित्तीय (रूपया लाख में)	111.48	1.89	1.5	0.19	92.94	1.65	147.05	8.21	8.246	0.756	**373.91**
लाभार्थियों की संख्या	1236	20	14	3	923	11	956	74	42	4	**3283**

5.3 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के तहत छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड		कुल (अखिल भारतीय)	
संघटक	**प्रमुख गतिविधि/ उप घटक**	**वित्तीय (रूपया लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (रूपया लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (रूपया लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (रूपया लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**वित्तीय (रूपया लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**
श्रमिकों का कल्याण	1. शिक्षा छात्रवृत्ति	2.61	28	6.44	53	0.75	5	0.18	1	9.98	87
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	0.48	6	10.96	137	--	--	--	--	11.44	143
	3. बारहवीं कक्षा कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	0.2	2	11.9	119	--	--	--	--	12.1	121
	उप योग	**3.29**	**36**	**29.3**	**309**	**0.75**	**5**	**0.18**	**1**	**33.52**	**351**

5.4 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के तहत छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धि।

		उत्तर पूर्व		**बिहार सहित पश्चिम बंगाल**		**दक्षिण भारत**		**हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड**		**कुल (अखिल भारतीय)**	
प्रमुख शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/ उप घटक	वित्तीय (रूपया लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रूपया लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रूपया लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रूपया लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	वित्तीय (रूपया लाख में)	लाभार्थियों की संख्या
श्रमिकों का कल्याण	1. शिक्षा छात्रवृत्ति	5.79	59	1.73	15	--	--	1.01	6	8.53	80
	2. दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	5.04	63	0.16	2	--	--	--	--	5.2	65
	3. बारहवीं कक्षा कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार	3.5	35	0.5	5	--	--	--	--	4	40
	उप योग	**14.33**	**157**	**2.39**	**22**	**--**	**--**	**1.01**	**6**	**17.73**	**185**

अध्याय-10

<u>हिन्दी कक्ष</u>

प्रस्तावना

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होते ही अनुच्छेद 343(1) के अनुसार हिन्दी संघ की राजभाषा बनी । भारत सरकार को यह दायित्व दिया गया कि वह राजभाषा हिन्दी का प्रचार एवं विकास इस प्रकार करें कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। हिंदी भाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु निरंतर प्रयास स्वभाविक था । अपनी स्थापना के समय से ही हिन्दी कक्ष राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा नियम 1976 के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन के कार्य का दायित्व निभा रहा है । राजभाषा नीति एवं बोर्ड के महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुवाद से संबंधित कार्यों का निष्पादन बोर्ड के उपनिदेशक (रा.भा.) के पर्यवेक्षणाधीन की जाती है ।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन

समीक्षाधीन वर्ष 2022-23 के दौरान भारत सरकार की मुख्य नियामक अधिनियम राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), में विहित सभी प्रलेखों को पूर्णरूपेण द्विभाषी रूप में अर्थात् हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक साथ जारी किए गए है।

हिन्दी में पत्राचार

हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अनिवार्यत: हिन्दी में ही दिये गए। वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किये गए ।

हिन्दी में रिपोर्ट

संसद में रखे जानेवाले सभी प्रतिवेदन जैसे वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, वार्षिक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन आदि हिन्दी में भी तैयार किए गए । इसके अलावा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट भी हिन्दी में तैयार किए गए । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली को इनका नियमित रूप से प्रेषण किया गया ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समय-समय पर तीन राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित हुई, जिसमें सहायक/वरिष्ठ सहायक/सह प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को भी हिन्दी कार्य करने की शैली में प्रशिक्षित किया गया । विभिन्न सरकारी कार्यालयों से आगत प्रवक्ताओं ने सत्र संचालित किए । इसके फलस्वरूप कार्मिकों में व्यवहारिक/प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रति अभिरूचि पैदा हुई ।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

राजभाषा के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा कामकाज में इसे बढ़ावा देने हेतु हिन्दी सप्ताह का आयोजन 7-14 सितंबर,2022 को किया गया था । इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । क्षेत्रीय कार्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हुए ।

हिन्दी वेबसाईट

ई-गवर्नेंस के इस युग में नीति कार्यान्वय की दिशा में इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम बन गया है। टी बोर्ड की भी हिंदी में अपनी वेबसाइट www.teaboard.gov.in है, क्योंकि आज भी हिन्दी अधिकांश भारतीय जनता की भाषा है । टी बोर्ड के हिंदी वेबसाईट को अंग्रेजी संस्करण से मेल रखते हेतु तथा हिंदी संस्करण को समय-समय पर अद्यतन किये जाने के संबंध गहन प्रयास किए गए, जो एक सतत प्रक्रिया है ।

टॉलिक की गतिविधियों में सहभागिता

राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता (नराकास) की गतिविधियों में बोर्ड सक्रिय रूप से भाग लिया ।

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें :

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति(ऑलिक) की वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में बैठके आयोजित हुई तथा बहुत ही उपयोगी निर्णय लिए गए ।

कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी प्रयोग हेतु प्रोत्साहन योजना

बोर्ड ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रोत्साहन योजना को प्रचारित किया जिसका उद्देश्य हिन्दी की कामकाज में गति लाना था । अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इसका लाभ लिया । कुछेक कर्मचारियों ने इस योजना में हिस्सा लिया एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया ।

संघ की राजभाषा में कार्य करने हेतु वार्षिक कार्यक्रम

वर्ष 1967 में संसद द्वारा पारित राजभाषा संकल्प में यह निर्देश दिया गया था कि भारत सरकार एवं अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार कर कार्यान्वित करेगी जिससे हिन्दी के प्रसार एवं विकास को गति मिले । वर्ष 2022-23 का कार्यक्रम इसी क्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है । इस वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से हम संघ के राजकीय कार्यों के लिए अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की गति तेज की गयी । निर्धारित लक्ष्यों की कुछ हद तक प्राप्ति भी हुई है । फिर भी टी बोर्ड में बहुत हद तक कार्य अंग्रेजी में ही होता रहा ।

अध्याय-11

सतर्कता प्रकोष्ठ

टी बोर्ड के सचिव बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रुप कार्य करते हैं। सतर्कता प्रकोष्ठ की समग्र गतिविधियाँ मुख्य सतर्कता अधिकारी की देखरेख में की जा रही हैं। लाइसेंसिंग नियंत्रक को सतर्कता अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

सतर्कता सेल का मुख्य कार्य सरकार/केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों को लागू करना है, जो सभी नियमित आधार पर किया जाता है। सतर्कता सेल विभिन्न प्रश्नों पर भी ध्यान देता है और सरकार को रिपोर्ट सौंपता है। मुख्य सतर्कता अधिकारी की सलाह के अनुसार, बोर्ड में निविदा और निवारक सतर्कता आदि के संबंध में सीवीसी के निर्देशों का हर मामले में पालन किया जा रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार सतर्कता सेल हर साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाता है, जिसके दौरान टी बोर्ड के सभी कर्मचारी जागरूकता के मूल मिशन पर प्रकाश डालते हुए दक्षता और पारदर्शिता की शपथ लेते हैं।

कुल संख्या समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सतर्कता सेल को प्राप्त शिकायतों में से 04 हैं जिन पर सीवीसी मैनुअल के अनुसार आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सूचना का अधिकार

कुल संख्या 2022-23 के दौरान प्राप्त आरटीआई आवेदन की नवीनतम स्थिति के साथ नीचे दी गई जानकारी दी गई है:-

आवेदन की श्रेणी	प्राप्त की संख्या	वर्तमान स्थिति
नए आरटीआई आवेदन	57	खत्म कर दिया
प्रथम अपील	3	खत्म कर दिया

अध्याय-12

वर्ष 2022-2023 हेतु विधि कक्ष पर रिपोर्ट

टी बोर्ड का विधि कक्ष विधि अधिकारी के अधीन कार्य करता है। टी बोर्ड का विधि कक्ष मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों में टी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा संदर्भित किए जाने पर बोर्ड के सभी कानूनी मामलों पर ध्यान देता है। यह कक्ष बोर्ड की ओर से बोर्ड के पैनल में शामिल सॉलिसिटर/लॉ फर्मों, कानूनी सलाहकारों और केंद्र सरकार के वकीलों के साथ भी संपर्क रखता है। 31.03.2022 तक लंबित मामलों की संख्या 117 थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 22 नए मामले सामने आए और 16 मामलों का निपटारा किया गया। 31.03.2023 तक कुल लंबित मामलों की संख्या 123 थी।